जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 20 संख्याः 146 प्रभात जालोर, मंगलवार 2 सितम्बर, 2025 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

विधानसभा के मानसून सत्र का पहला दिन हंगामे की भेंट चढ़ा

कांग्रेस द्वारा वोट चोरी के आरोप लगाने के बाद शुरू हुआ हंगामा

जयपुर, 1 सितंबर। राजस्थान विधानसभा का मानसून सत्र 2025 शुरू से ही राजनीतिक गर्मी और तीखे आरोप-प्रत्यारोप का अखाड़ा बन गया। सत्र के पहले ही दिन विपक्ष और सत्तापक्ष के बीच जबरदस्त टकराव देखने को मिला। कांग्रेस विधायकों ने

- **भाजपा विधायकों ने भी कांग्रेस की नारे बाजी का जमकर जवाब दिया। उन्होंने ''गाली बाज राहुल गांधी'' के नारे लगाये। स्पीकर देवनानी ने दोनों ही पक्षों के विधायकों को मर्यादित भाषा प्रयोग करने की सलाह दी।**

सोमवार को राजस्थान विधानसभा के मानसून सत्र की शुरूआत हंगामे के साथ हई। कांग्रेस विधायकों ने सदन में ''वोट चोर, गद्दी छोड़'' के नारे लगाये और तख्तियां लहराईं। कांग्रेस के महासचिव सचिन पायलट ने सत्र के दौरान सरकार और चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए।

सरकार पर ''वोट चोरी'' का आरोप लगाते हुए सदन में जमकर नारेबाजी की। ''वोट चोर, गद्दी छोड़'' जैसे नारों से सदन गूंज उठा और विधायकों ने तख्तियां लहराकर कार्यवाही को बाधित किया। इस व्यवहार पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सख्त नाराजगी जताई और सभी विधायकों को चेताया कि सदन की मर्यादा भंग न करें।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट ने सत्र के दौरान सरकार और चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि हाल ही में संपन्न लोकसभा और विधानसभा चुनावों में भाजपा ने बड़े पैमाने पर वोट चोरी की है और इसमें चुनाव आयोग की भी भूमिका रही है। जूली ने जयपुर ग्रामीण और अन्य क्षेत्रों में चुनावी गड़बड़ी के प्रमाण होने का दावा किया और कहा कि कांग्रेस ने इस पूरे मामले को देश के सामने उजागर किया है।

भाजपा विधायकों ने भी विपक्ष के इन आरोपों का तीखा जवाब दिया। उन्होंने सदन में ''गालीबाज राहुल गांधी'' के नारे लगाए, जिससे राजनीतिक तापमान और बढ़ गया। इस पर स्पीकर ने सत्तापक्ष के विधायकों को भी टोका और दोनों पक्षों को मर्यादित भाषा का प्रयोग करने की सलाह दी। स्पीकर की यह स्पष्ट मंशा थी कि सदन की कार्यवाही को शालीनता से चलाया जाए, लेकिन दोनों पक्षों की तल्खी के चलते बार-बार व्यवधान उत्पन्न होता रहा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शिक्षक भर्ती पेपरलीक में बाबूलाल कटारा की जमानत अर्जी खारिज

जयपुर, 1 सितंबर। सीबीआई मामलों की विशेष अदालत क्रम-3 महानगर प्रथम ने शिक्षक भर्ती-2022 पेपर लीक मामले में उदयपुर के सुखेर थाने में दर्ज एफआईआर में आरपीएससी के सदस्य रहे बाबूलाल

- **सीबीआई कोर्ट ने कहा कि आरोपी पर संवैधानिक पद पर रहते हुए एक ही प्रकार के अपराध की पुनरावृत्ति करने का गंभीर आरोप है, अतः जमानत पर रिहा नहीं किया जा सकता।**

कटारा को राहत देने से इनकार कर दिया और उसकी जमानत अर्जी खारिज कर दी। पीठासीन अधिकारी खगेन्द्र कुमार शर्मा ने अपने आदेश में कहा कि आरोपी पर संवैधानिक पद पर रहते हुए एक ही प्रकार के अपराध की पुनरावृत्ति करने का गंभीर आरोप है। ऐसे में उसे जमानत पर रिहा नहीं किया जा सकता।

कटारा द्वारा जमानत अर्जी में कहा गया कि उसे प्रकरण में झूठा फंसाया गया है और वह लंबे समय से जेल में बंद है। जांच एजेंसी ने उसके खिलाफ जांच पूरी कर आरोप पत्र भी पेश कर दिया है। जमानत याचिका का विरोध

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मोदी, शी व पुतिन की मुलाकात की गर्मजोशी देखकर अमेरिका ने अपना राग बदला

अमेरिका के दूतावास ने वॉशिंगटन के निर्देश पर एक्स पर मैसेज डाला कि, भारत व अमेरिका की मित्रता अच्छी तरह परिभाषित है, व पक्की है, तथा भविष्य में भी निर्बाध रुप से चलेगी

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 सितम्बर। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में चीन के तियानजिन में जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की और गर्मजोशी से हाथ मिलाया, उसी समय अमेरिका ने एक सकारात्मक संकेत देते हुए कहा कि भारत और अमेरिका के बीच ''स्थायी मित्रता'' और निर्णायक संबंध'' कायम हैं।

सम्मेलन की तस्वीरों में प्रधानमंत्री मोदी, राष्ट्रपति शी और राष्ट्रपति पुतिन को हाथ मिलाते, गले मिलते और अनौपचारिक पल साझा करते हुए देखा गया, ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। इस बीच, वॉशिंगटन के निर्देश पर अमेरिकी दूतावास ने 'एक्स' पर एक संदेश साझा किया: ''इस महीने हम उन लोगों, प्रगति और संभावनाओं को उजागर कर रहे हैं जो हमें आगे बढ़ा रहे हैं। नवाचार और उद्यमिता से लेकर रक्षा और द्विपक्षीय संबंधों तक, यह हमारी जनता के बीच की स्थायी मित्रता है जो इस यात्रा को ऊर्जा देती है।

- **यह टिप्पणी इसलिये भी महत्वपूर्ण है कि, ट्रंप द्वारा भारतीय माल पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने के बाद, दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ रहा है।**
- **भारत ने अमेरिका के कृषि उत्पादनों को भारत के विशाल कृषि मार्केट में प्रवेश देने से इन्कार कर दिया, क्योंकि प्रवेश देने से करोड़ों भारतीय किसानों की जीविका पर संकट आता है।**

लगभग उसी समय, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्क रूबियो ने कहा कि भारत और अमेरिका की मित्रता सहयोग की आधारशिला है। उन्होंने आगे कहा कि यही मित्रता ''हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है, क्योंकि हम अपनी आर्थिक साझेदारी की अपार संभावनाओं को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।''

यह बयान ऐसे समय में आया है जब भारत और अमेरिका के बीच संबंधों में तनाव बढ़ रहा है, विशेषकर राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए भारी टैरिफ के कारण।

अमेरिकी सीमा शुल्क एवं सीमा सुरक्षा (सीबीपी) की अधिसूचना के बाद, ट्रंप प्रशासन द्वारा भारतीय उत्पादों पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ 27 अगस्त से प्रभावी हो गए हैं। ट्रंप का कहना है कि यह कार्रवाई भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद को लेकर की गई है, जो उनके अनुसार रूस की सैन्य कार्रवाइयों को परोक्ष रूप से समर्थन देती है।

ट्रंप, जो पहले भी भारत को टैरिफ किंग कह चुके हैं और व्यापार घाटे की ओर इशारा करते रहे हैं, ने यह टैरिफ इसलिए भी लगाए क्योंकि भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता ठप हो गई थी। भारत ने अमेरिकी कंपनियों को कृषि और डेयरी क्षेत्रों में ज्यादा घुसने देने से इनकार कर दिया था-ये दोनों क्षेत्र भारत में करोड़ों लोगों की आजीविका से जुड़े हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने आश्वासन दिया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'जो जनता को बेवकूफ बना सकता है, वह सर्वोत्तम नेता होता है'

केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को नागपुर में सार्वजनिक तौर पर यह बात बिना किसी नेता का नाम लिये कही

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 सितंबर। केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को नागपुर में कहा कि जो सबसे अच्छा बेवकूफ़ बना सकता है, वही सबसे अच्छा नेता होता है।

- **इस लय में उन्होंने आगे यह भी कहा, कि जिस क्षेत्र में वे काम करते हैं, वहां सच बोलना निषेध है।**
- **कुछ समय पूर्व, गडकरी ने इस बात की तारीफ की थी, कि सरकार के खिलाफ मुकदमा करना आवश्यक है, क्योंकि इससे प्रशासक में अनुशासन रहता है।**

वे अखिल भारतीय महानुभाव परिषद द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस मौके पर उन्होंने लोगों से ईमानदारी और समर्पण के साथ जीवन जीने की अपील की। गडकरी ने कहा कि ईमानदारी और समर्पण से जीना चाहिए, शॉर्टकट लेकर नहीं। मंत्री के अनुसार, शॉर्टकट से जल्दी नतीजे मिल सकते हैं, लेकिन दीर्घकाल में विश्वास और विश्वसनीयता खो जाती है।

उन्होंने कहा, कुछ भी पाने के लिए एक शॉर्टकट होता है। इंसान शॉर्टकट से जल्दी पहुँच जाता है। अगर आप नियम तोड़कर सड़क पार करना चाहते हैं, तो हो सकता है कि लाल बत्ती हो और आप उसे पार कर लें। लेकिन शॉर्टकट का एक मतलब यह भी है कि शॉर्टकट लेने से इंसान लंबे समय तक टिक नहीं पाता। इसलिए हमें ईमानदारी, विश्वसनीयता, समर्पण और सत्य जैसे संस्कार दिए गए हैं। स्थायी सफलता सत्य की होती है। जैसा कि भगवान कृष्ण ने भगवद्गीता में कहा है, अंत में हमेशा सत्य की ही जीत होती है।

गडकरी ने हंसी-ठिठोली में कहा कि उनके काम के क्षेत्र में सच बोलना निषिद्ध है।

उन्होंने कहा, जिस क्षेत्र में मैं काम करता हूँ, वहाँ पूरे दिल से सच बोलना मना है। जो लोगों को सबसे अच्छा बेवकूफ़ बना सके, वही सबसे अच्छा नेता होता है।

केन्द्रीय मंत्री ने महानुभाव संप्रदाय के संस्थापक चक्रधर स्वामी की शिक्षाओं की भी सराहना की और कहा कि वे सभी के जीवन के लिये प्रेरणा हैं।

इस महीने की शुरुआत में गडकरी ने सार्वजनिक प्रशासन में अनुशासन बनाए रखने के लिए सरकार के खिलाफ अदालत में याचिकाएँ दाखिल करने की ज़रूरत पर जोर दिया था। उन्होंने कहा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बांसवाड़ा में 16 साल की लड़की से गैंग रेप

उदयपुर, 1 सितम्बर (कासं)। बांसवाड़ा में 16 साल की लड़की से गैंगरेप का मामला सामने आया है। स्कूल से लौटते समय दो नाबालिग लड़कों ने लड़की को किडनैप किया, उसे एक मकान में ले गए और रेप किया। रेप के बाद, एक लड़का पीड़िता को अपनी बुआ के घर ले गया, वहाँ भी उसको रेप किया। रेप के बाद लड़कों ने लड़की के प्राइवेट पार्ट में बोतल डाल दी और उसे सड़क पर फेंककर भाग गए।

- **दो नाबालिगों ने स्कूल से लौटते समय किडनैप किया और रेप किया।**

सड़क पर बदहवास पड़ी लड़की को देखकर एक राहगीर ने उसे हॉस्पिटल पहुंचाया। जानकारी मिलने पर पुलिस पहुंची और परिजनों को बुलाया। पीड़िता को गंभीर हालत में उदयपुर एमबी हॉस्पिटल रेफर किया गया।

पीड़िता के परिजनों ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि बेटी 20 अगस्त

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'उपराष्ट्रपति का चुनाव भाजपा की अपने सांसदों व सहयोगियों पर पकड़ की कसौटी है'

उच्चस्तरीय सूत्रों ने यह भी कहा, कि भाजपा संसदीय दल में भी नेतृत्व के प्रति असंतोष के संकेत दिख रहे हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 सितम्बर। भारत के अगले उपराष्ट्रपति पद के लिए 9 सितंबर को होने वाला चुनाव सत्तारूढ़ भाजपा और उसके सहयोगी दलों के बीच बेचैनी का कारण बन गया है। इस मुकाबले में भाजपा के उम्मीदवार सी.पी. राधाकृष्णन और सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति सुदर्शन रेड्डी आमने-सामने हैं। यह चुनाव अब एक अप्रत्याशित राजनीतिक मोड़ ले चुका है, जिसके अन्तर्गत एनडीए की दरारें उजागर हो रही हैं और विपक्ष को नई ऊर्जा मिल रही है।

उच्चस्तरीय सूत्रों के अनुसार, भाजपा संसदीय दल के कुछ वर्गों में नेतृत्व को लेकर असंतोष के स्पष्ट संकेत मिल रहे हैं। खबर है कि कई

- **सूत्रों ने कहा, भाजपा को दोहरी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। एक ओर तो इसमें विपक्ष की बढ़ती एकता की चुनौती है तो दूसरी ओर आंतरिक असंतोष से भी डील करना है।**
- **उपराष्ट्रपति चुनाव में अपने प्रत्याशी की जीत के लिए भाजपा चन्द्रबाबू नायडू पर बहुत ज्यादा निर्भर है, पर ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि विपक्ष के प्रत्याशी जस्टिस सुदर्शन रेड्डी का नायडू व उनके सांसदों पर काफी प्रभाव है।**
- **भाजपा के प्रत्याशी राधाकृष्णन तमिनलाडु से हैं पर द्रमुक से उन्हें कोई समर्थन नहीं मिल रहा है। यही नहीं, भाजपा की सहयोगी पार्टी अन्नाद्रमुक के कुछ राज्यसभा सदस्यों ने तो विपक्ष के प्रत्याशी जस्टिस रेड्डी को समर्थन देने की बात कही है।**

सांसदों में नाराज़गी है, जिससे निपटने के लिए पार्टी नेतृत्व ने तेज़ी से कदम उठाए हैं, ताकि इस महत्वपूर्ण मतदान से पहले संभावित बगावत को रोका जा सके। अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि यह स्थिति भाजपा के लिए ''दोहरी चुनौती'' बन गई है- एक ओर इस आंतरिक असंतोष को संभालना और दूसरी ओर विपक्ष की बढ़ती एकता का मुकाबला करना।

विपक्ष की ओर से न्यायमूर्ति सुदर्शन रेड्डी एक सर्वसम्मत चेहरा बनकर उभरे हैं। उनकी राजनीतिक रूप से निष्पक्ष होना और लंबा न्यायिक करियर उन्हें एक ऐसा उम्मीदवार बनाता है, जो ''गैर-पक्षपाती ढंग से काम करेगा।'' रेड्डी ने सभी दलों के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अफगानिस्तान में भूकंप 800 मरे, 2800 घायल

नयी दिल्ली/काबुल, 01 सितंबर। पूर्वी अफ़ग़ानिस्तान में आज आधी रात को आए विनाशकारी भूकंप के कारण कम से कम 812 लोग मारे गए और 2800 घायल हुए हैं।

अफगानिस्तान में रिक्टर पैमाने पर 6.0 की तीव्रता वाला शक्तिशाली भूकंप स्थानीय समयानुसार रात

- **पूर्वी अफगानिस्तान में रविवार रात 11.47 बजे 6.0 तीव्रता का भूकंप आया जिससे चार प्रांत प्रभावित हुए।**

11.47 बजे पूर्वी अफगानिस्तान में आया, जिससे चार प्रांत प्रभावित हुए, जिसमें कुनार का पहाड़ी क्षेत्र सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ। भूकंप के कारण भूस्खलन और बाढ़ ने स्थिति को और जटिल बना दिया। कुनार प्रांत के नर्गल जिले (मजार दारा), चौके, वाटापुर, मनोगी, चापा दारा और आसपास के इलाकों में 800 लोग मारे गए। लघमन के अलींगर ज़िले में 58 और नूरिस्तान

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत ही नहीं, वरन् कैनडा, फ्रांस व अन्य यूरोपीय देशों में अमेरिकी प्रोडक्ट्स के खिलाफ अभियान शुरु हो गया है

कैनडा में दुकानदारों ने अमेरिका में निर्मित प्रोडक्ट्स को अपने ''काउन्टर्स'' पर ''डिसप्ले'' करना बंद कर दिया है

- सुकुमार साह -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 1 सितम्बर। जब महात्मा गांधी ने सौ साल पहले भारतीयों से ब्रिटिश वस्त्रों के बहिष्कार का आ ान किया था, तो यह ब्रिटिश साम्राज्य के खिलाफ एक नैतिक प्रहार था। आज, डॉनल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ उस भावना को एक नए रूप में फिर से जगा सकते हैं। पूरे भारत में स्वदेशी 2.0 की फुसफुसाहट अब ज़ोर पकड़ने लगी है- जहाँ अमेरिकी बहुराष्ट्रीय कंपनियों को नकारना आर्थिक दबाव के खिलाफ प्रतिरोध का प्रतीक बन रहा है।

ट्रंप के टैरिफ के खिलाफ रोष तेजी से उपभोक्ता क्षेत्र में फैल गया है। योग गुरु रामदेव ने खुलकर भारतीयों से पेप्सी, कोका-कोला, सबवे, केएफसी और मैकडॉनल्ड्स जैसे अमेरिकी ब्रैंड्स का बहिष्कार करने की अपील की है, और कहा है कि अगर भारत के 1.5 अरब लोग इन उत्पादों की खरीद बंद कर

- **एक सर्वे के अनुसार, 80 प्रतिशत कैनडा निवासियों ने अब अमेरिकी प्रोडक्ट्स को खरीदना बंद कर दिया है या बंद करने की सोच रहे हैं। कैनडा से अमेरिका जाने वाले पर्यटकों की संख्या में भारी गिरावट हुई है। फ्रांस के 60 प्रतिशत निवासियों ने अमेरिकन ब्राण्ड्स को खरीदना बंद कर दिया है, उदाहरण के लिये, टैस्ला कारों की बिक्री में चालीस प्रतिशत गिरावट आई है, यूरोप में, तथा मैक्डॉनल्ड पेप्सी, कोकाकोला तथा केएफसी की बिक्री में काफी गिरावट आई है।**
- **भारत में बाबा रामदेव व आप पार्टी कई राजनीतिज्ञों ने जैसे नेता अशोक कुमार मित्तल ने, अमेरिकी उत्पादकों का ''बायकॉट'' करने का नारा दिया है।**
- **पर, भारत की स्थिति कुछ भिन्न भी है, क्योंकि अमेरिका भारत का सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर भी है, अतः अमेरिकी उत्पादनों के बायकॉट की खुली सार्वजनिक अपील से भारत को काफी बड़ा आर्थिक नुकसान भी हो सकता है, अतः भारत में अमेरिका के प्रोडक्ट्स के नारे को परिवर्तित करने, भारत को आत्म निर्भर करने का नारा दिया जा रहा है।**

दें तो अमेरिका में अफरा-तफरी मच जाएगी।

राजनीतिज्ञों ने भी इस मुद्दे को उठाया है। आम आदमी पार्टी के सांसद अशोक कुमार मित्तल ने 1905 के स्वदेशी आंदोलन से तुलना करते हुए सुझाव दिया है कि आधुनिक भारत राष्ट्रीय भावना को उपभोक्ता विकल्पों में बदलकर अमेरिकी कंपनियों को कमजोर कर सकता है। यहाँ तक कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी स्वदेशी पुनर्जागरण का सुर छेड़ा है, लोगों से हमारे लोगों के पसीने से बने उत्पाद खरीदने की अपील की है और ट्रंप के टैरिफ के जवाब में वोकल फॉर लोकल मंत्र को दोहराया है।

भारत में यह उभरती जनभावना वैश्विक स्तर पर चल रहे अमेरिकी उत्पादों के बहिष्कार की लहर का हिस्सा है। सन् 2025 में कैनडा में व्यापारिक और राजनीतिक तनाव के बीच अमेरिका विरोधी अभियान छिड़ा। कई प्रांतों ने अमेरिकी उत्पादों को दुकानों से हटा दिया, अमेरिका की ओर पर्यटन में भारी गिरावट आई, और उपभोक्ता सर्वेक्षणों में कैनडा के 80 प्रतिशत से अधिक नागरिकों ने अमेरिकी उत्पादों को बदलने की बात कही। फ्रांस और यूरोप के अन्य हिस्सों में जमीनी स्तर पर नेटवर्क सक्रिय हुए और सर्वे दिखाते हैं कि 60 प्रतिशत फ्रांसीसी उपभोक्ता अमेरिकी ब्रैंड्स का बहिष्कार करने का समर्थन करते हैं। टेस्ला की बिक्री यूरोप में 40 प्रतिशत से अधिक गिर गई, जबकि मैकडॉनल्ड्स और कोका-कोला की बिक्री उत्तरी बाजारों में कमज़ोर रही। यहां तक कि एक्टिविस्ट गुटस ने ऐसे ऐप्स भी बनाए हैं जो छिपे हुए अमेरिकी स्वामित्व वाले ब्रैंड्स की पहचान में मदद करते हैं इससे स्पष्ट है कि अमेरिका-विरोधी भावना अब जीवनशैली में भी झलक रही है।

हालांकि भारत की स्थिति अधिक जटिल है। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और निवेश, रक्षा सहयोग और तकनीक का महत्वपूर्ण स्रोत भी। एक पूर्ण बहिष्कार भारतीय नौकरियों, निर्यातकों और उपभोक्ताओं को उतना ही नुकसान पहुंचा सकता है जितना कि अमेरिकी कंपनियों को। चीनी आयातों की तरह नहीं, जिनके स्थानीय विकल्प मौजूद हैं, अमेरिकी उत्पाद-जैसे ऐप्पल के आईफोन, गूगल की सेवाएँ, या एमेज़ॉन का रिटेल इकोसिस्टम-भारत के महत्वाकांक्षी मध्यम वर्ग में गहराई से समाए हुए हैं। एक व्यापक बहिष्कार स्वयं को भी नुकसान पहुंचा सकता है।

इसीलिए नई दिल्ली ने एक संतुलन बनाया है जिसे हम ''बॉयकॉट-लाइट''

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत ने अफगानिस्तान में एक हज़ार तंबू और 15 टन खाद्य सामग्री भेजी

नयी दिल्ली, 01 सितम्बर। भारत ने अफगानिस्तान में भूकंप से हुई भारी तबाही के बाद मदद का हाथ बढ़ाते हुए तत्काल सहायता के तौर पर वहां एक हजार तंबू तथा 15 टन खाद्य सामग्री भेजी है। विदेश मंत्री डा. एस जयशंकर ने अफ़ग़ानिस्तान के विदेश मंत्री मौलवी

- **प्रधानमंत्री मोदी ने अफगानिस्तान में आए भयंकर भूकंप पर दुःख जताया और हरसंभव मदद का आश्वासन दिया।**

अमीर ख़ान मुत्तक़ी से बात कर भूकंप के कारण हुई जान-माल की हानि पर संवेदना व्यक्त की और कहा कि इस कठिन समय में भारत अफगानिस्तान के साथ है। इसी बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

संतोष का वृक्ष कड़वा है लेकिन इस पर लगने वाला फल मीठा होता है। –स्वामी शिवानंद

जर्जर होती शासन व्यवस्था

प्रतिवर्ष वर्षा ऋतु में पूरे देश में पुल ध्वस्त होने, भवन ढहने और सड़क टूटने के समाचार निरंतर प्रकाशित होते रहते हैं। जिस नियमितता से ये समाचार प्रकाशित होते हैं और जिस प्रकार सैंकडों व्यक्तियों की जान इनके कारण जाती है, उसको पढ़कर अब तो कोई विचलित भी नहीं होता। किसी के कान पर जूं तक नहीं रेंगती। ऐसे लगता है, इस देश में इंसान के जान की कोई कीमत ही नहीं है। कई पुल तो ऐसे हैं जो उद्घाटन से पहले ही टूट गए। झालावाड़ के एक सरकारी प्राथमिक विद्यालय में तो पांच बच्चे छत गिरने से दब कर मर गए।

खंडहर होते सरकारी भवन, उद्घाटन से पहले टूटे हुए पुल और गड्ढों से भरी सड़कें तो केवल लक्षण मात्र हैं। इस स्थिति पर गहराई से विचार करें तो पाएंगे कि देश की शासन व्यवस्था को ही घुन लग गया है, अथवा यों कहें कि वह ध्वस्त हो गई है, तो गलत नहीं होगा। जिस व्यवस्था का काम नागरिकों के संविधान प्रदत्त अधिकारों की रक्षा करते हुए उनके हित संवर्धन की है, वही इसके विपरीत काम करते हुए दिखाई देती है। इसे सही तरह समझने के लिए कुछ सरकारी विभागों की कार्य विधि का विश्लेषण करना उचित होगा।

बढ़ते शहरीकरण की समस्याओं में अवैध अतिक्रमण और ट्रैफिक समस्या सबसे अधिक कष्टदायक है। जयपुर का ही उदाहरण लें। यहां न ट्रैफिक व्यवस्था है ना पार्किंग की व्यवस्था। इसके बावजूद यदि कोई दुर्घटना यहां पर नहीं होती है तो वह केवल गोविंद देव जी की कृपा के ही कारण है। ट्रैफिक लाइट पर लाल बत्ती होने पर भी वहां तेजी से दुपहिया और चार पहिया वाहन सरपट निकल जाते हैं। मिनी बसों के तो हालात और अधिक खराब हैं। बसें, बस स्टॉप पर कम और चौराहों पर बीच सडक अधिक रूकती हैं। इसके कारण ट्रैफिक व्यवस्था बिल्कुल चरमरा जाती है। ट्रैफिक के सिपाही, जिनकी जिम्मेदारी ट्रैफिक को नियमित करने की है, वे केवल राज्य के बाहर की गाड़ियों को रोककर उनसे वसूली करने में अधिक रुचि लेते हैं। जयपुर शहर चौडी सड़कों के लिए विख्यात रहा है, लेकिन आजकल अधिकांश सडकों का 30% भी यातायात के लिए उपलब्ध नहीं है। शेष पर या तो अवैध पार्किंग है या दुकानदार अपना सामान फैला कर रखते हैं। पैदल चलने वालों के लिए तो लगता है, जयपुर शहर बचा ही नहीं है। इस विषय पर इसी स्तंभ में सोमवार को दुर्गा प्रसाद जी अग्रवाल ने बहुत अच्छी तरह से वस्तु स्थिति को पाठकों के सामने विस्तार से प्रस्तुत किया है।

शराब की दुकानें रात्रि आठ बजे बाद नहीं खुल सकती हैं किंतु अनेक स्थानों पर आगे-पीछे के दरवाजों से जब चाहें तब मदिरा बिक्री हेतु उपलब्ध है। जिनकी जिम्मेदारी है वे शायद इसी कारण अपनी 'समृद्धि' बढ़ा रहे हों।

चरमराती शिक्षा व्यवस्था के बारे में तो पहले भी मैंने अपने संपादकीय में कई बार लिखा है। इसके बावजूद शिक्षा विभाग के अधिकारियों और प्रशासन की कुंभ करणी नींद उड़ती ही नहीं है। एक ओर जहां शिक्षा विभाग के अधिकारी स्वैच्छिक संस्थाओं द्वारा प्राथमिक शिक्षा प्रदान करने के काम में रोड़े लगाने के लिए तत्पर रहते हैं, वहीं सरकार के खुद के विद्यालयों को भगवान भरोसे छोड़ दिया गया है। मीडिया में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार हजारों विद्यालय सरकार के ऐसे हैं जहां न खेल के मैदान हैं न शौचालय। इनमें से कई तो हैं जो थोड़ी सी बारिश में टूट कर गिरने के कगार पर हैं।

शहर में घूमते आवारा पशु, नगर निगम की व्यवस्थाओं की पोल प्रतिदिन खोलते हैं। ये किसी भी समय दुर्घटना का कारण बन सकते हैं। हाल ही में जब दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा आवारा कुत्तों को सड़क से हटाकर शेल्टर होम में डालने का आदेश दिया तो कई 'कुत्ता प्रेमी' संगठनों ने इस पर सर्वोच्च न्यायालय से स्थगन आदेश प्राप्त कर लिया। यह अच्छी बात है कि हम प्राणी मात्र की परवाह करें किंतु उससे पहले आवश्यक है कि हमारे नागरिकों, जिनमें छोटे बच्चे भी हैं, को आवारा कुत्तों के आक्रमण से बचाया जाय। गाय, जिसे हम माता मानते हैं, किंतु उन्हें सड़क पर आवारा छोड़ देने में कतई संकोच नहीं करते। आप जयपुर मे कहीं भी चले जाएं, ट्रैफिक सिग्नल पर पर बाईं ओर मुड़ने वालों का रास्ता नहीं छोड़ा जाता। शहर में बढ़ते वाहनों के अनुपात में न तो फ्लाईओवर बने हैं एवं न ही फुटपाथ की व्यवस्था हुई है। सरकार ने बिना सोचे समझे भूमिगत मार्ग बनाए जिन पर करोड़ों रुपए खर्च होने के बावजूद वे काम नहीं आते हैं जैसे अजमेरी गेट और जवाहर सर्किल पर। इन भूमिगत पैदल मार्गों पर कोई व्यक्ति कभी जाते हुए दिखाई नहीं दिया। ये सब अंधेरे के कारण असामाजिक तत्वों के अड्डे बनकर रह गए हैं। इनको बनाने वालों पर व्यवस्था ने कोई कार्यवाही नहीं की है।

अनेक नदी नालों को अवरूद्ध कर उन पर अवैध निर्माण कार्य कर लिए गए किंतु किसी को जिम्मेदार मानकर सजा दी गई हो, ऐसा सुनने में नहीं आया। थोड़ी सी बारिश से जयपुर की सड़कें गड्ढों में तब्दील हो जाती हैं। इनमें गिर कर अनेक लोग मर गए या घायल हो गए, किंतु किसी को कोई फर्क नहीं पड़ता। बी 2 बाईपास से शिप्रा पथ पर ही चले जाएं तो खड्डों के कारण वाहन चलाना लगभग असंभव है, जबकि यह सड़क इसी वर्ष नई बनी थी। क्या नगर निगम और जेडीए एक काम नहीं कर सकते कि जो भी सड़क बने उस पर अधिकारी और ठेकेदार का नाम मय तिथि के स्पष्ट सार्वजनिक रूप से बोर्ड पर लिखे जाएं? ऐसा करने पर किसी भी अधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई करना सरकार के लिए सरल होगा और जनता भी इस हेतु दबाव बना पाएगी।

यह सर्व विदित सत्य है कि किसी भी शासकीय व्यवस्था में सुधार लाने के लिए सबसे आवश्यक है अधिकारियों की जिम्मेदारी तय कर उन्हें तत्काल, उनके द्वारा किए गए गलत कार्यों के लिए सजा दी जाए। जब ऐसा होता नहीं दिखाई देता है तो अधिकांश कर्मचारी, अधिकारी भ्रष्ट हो जाते हैं जिसका खामियाजा एक साधारण नागरिक को ही भुगतना पड़ता है।

सरकार को एक आदेश तो तत्काल जारी कर ही देना चाहिए कि कोई भी पुल, भवन या सड़क जब भी बने, तो उस पर बनने की अवधि और उसके लिए जिम्मेदार अधिकारी का नाम स्पष्ट रूप से अंकित हो। सरकार कोई कार्रवाई न करे तो जनता उस पर दबाव बना कर कार्यवाही करने हेतु उसे बाध्य कर सके। अंततः, लोकतंत्र में जनता की ताकत ही सबसे बड़ी ताकत है और उसकी ताकत तभी काम आ सकती है जब व्यवस्था में पारदर्शिता हो। दुर्भाग्य से हमारी पूरी व्यवस्था अपारदर्शी बनकर रह गई है। व्यवस्था में पारदर्शिता लाने के लिए सूचना का अधिकार कानून 2005 में लाया गया था। इस कानून को गत दस बारह साल में बिल्कुल निष्प्रभावी - सा कर दिया गया है। धीरे-धीरे, कई प्रकार की सूचनाएं इसके दायरे से बाहर कर दी गई हैं जैसे न्यायाधीशों की संपत्ति, प्रधानमंत्री केयर फंड का खर्चा आदि आदि। हाल ही में केंद्रीय सूचना आयोग के उस आदेश को दिल्ली उच्च न्यायालय ने निरस्त कर दिया जिसके द्वारा प्रधानमंत्री की डिग्री दिखाने का आदेश दिया गया था। पारदर्शिता का तकाजा था कि प्रधानमंत्री स्वयं आगे बढ़कर अपनी डिग्री को सार्वजनिक करते, जिससे आशंकाएं समाप्त हो सकती थीं। काश, ऐसा हो पाता! दिल्ली उच्च न्यायालय ने व्यवस्था की अपारदर्शिता पर एक प्रकार से मुहर ही लगा दी ह।

न्यायाधीशों ने तो पहले ही अपने आप को सूचना के अधिकार कानून से बाहर कर दिया था। सबसे अधिक अपारदर्शी तो हमारी न्यायिक व्यवस्था हो गई है। कोलेजियम की प्रक्रिया अत्यंत अपारदर्शी है। हाल ही में न्यायाधीश पंचोली को सर्वोच्च न्यायालय का न्यायाधीश बनाया गया है जबकि तीन माह पहले ही इन्हें इसके लिए उपयुक्त नहीं माना गया था। इसका कोई कारण नहीं दिया गया है। उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति के बारे में सरकार ने नेशनल ज्यूडिशल अकाउंटेबिलिटी कानून बनाया था जिसका उद्देश्य नियुक्ति प्रक्रिया में पारदर्शिता लाना और जवाबदेही तय करना था। इस कानून को सर्वोच्च न्यायालय ने निरस्त कर दिया।

सरकारी विभागों में तो किसी अधिकारी द्वारा गलत निर्णय के कारण यदि सरकार को कोई हानि होती है तो उसके विरुद्ध कार्रवाई की जा सकती है। अधीनस्थ न्यायालय द्वारा दिए गए अनुचित और गलत आदेश को ऊपर के न्यायालय द्वारा बदल तो दिया जाता है किंतु अधीनस्थ न्यायालय के न्यायाधीश के विरुद्ध कोई कार्यवाही इस आधार पर नहीं की जाती है। ऐसा क्यों? हाल ही में मुंबई उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश सर्वेश्वर ठाकुर के निर्णय के विरुद्ध उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ने स्पष्ट रूप से यह अंकित किया कि "उनके निर्णय समझ से बाहर हैं एवं यह अच्छा है कि वे सेवा निवृत्त हो गए हैं"। प्रश्न यह है कि 7 वर्ष तक ये न्यायाधीश उच्च न्यायालय में बैठकर ऐसे निर्णय कैसे देते रहे जिन्हें सर्वोच्च न्यायालय ने खराब माना? लगभग 5 करोड़ मुकदमे आज विभिन्न स्तर के न्यायालयों में लंबित हैं। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा कई बार आदेश दिए जाने के बावजूद भी अभी तक अधिकांश निर्णय बहुत लंबे, जटिल एवं अस्पष्ट होते हैं। क्या सरल, स्पष्ट भाषा में संक्षिप्त निर्णय देना न्यायाधीशों के लिए असंभव है? इस बारे में न्यायिक प्रशासन में लगे लोगों को आमूल चूल परिवर्तन करने पर विचार करना चाहिए ताकि न्यायालय के निर्णय की भाषा सरल, स्पष्ट एवं संक्षिप्त हो सके। यदि ऐसा हो पाया तो न्यायालय के विभिन्न चरणों में जो वर्षों का विलंब होता है उसे कम किया जा सकेगा। न्यायालय में पहुंचना किसी नागरिक के लिए अंतिम विकल्प होता है और वहां भी यदि दो-तीन पीढ़ियों तक न्याय न मिले तो यह उनके साथ अन्याय ही कहा जाएगा। कहा भी गया है, " justice delayed is justice denied ".

स्वास्थ्य की व्यवस्था का हाल तो और भी बुरा है। गरीब व्यक्ति बीमार हो जाए तो सरकार की विभिन्न घोषणाओं और योजनाओं के बावजूद उसे अपने इलाज पर आज बहुत बड़ी धनराशि खर्च करनी ही पड़ती है। इस अवधि में उसे मजदूरी से भी हाथ धोना पड़ता है। उल्लेखनीय है कि लगभग 90% कामगार, श्रमिक एवं कर्मचारी किसी भी प्रकार की सामाजिक सुरक्षा के दायरे से बाहर हैं। क्या इसे हम व्यवस्था कह सकते हैं?

यह हमारी व्यवस्था का ही दोष है कि देशवासियों को केवल आंकड़े परोस दिए जाते हैं कि भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हो गया है और जीडीपी बहुत तेजी से बढ़ रही है। देश के नागरिक को इन आंकड़ों से कोई लेना-देना नहीं है। उसे तो इससे मतलब है कि उसका काम सरकार में कितना आसानी से होता है एवं क्या वह अपना इलाज निःशुल्क किसी भी अस्पताल में करा सकता है या अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा प्रदान कर सकता है?

यह सर्व विदित सत्य है कि किसी भी शासकीय व्यवस्था में सुधार लाने के लिए सबसे आवश्यक है अधिकारियों की जिम्मेदारी तय कर उन्हें तत्काल, उनके द्वारा किए गए गलत कार्यों के लिए सजा दी जाए। जब ऐसा होता नहीं दिखाई देता है तो अधिकांश कर्मचारी, अधिकारी भ्रष्ट हो जाते हैं जिसका खामियाजा एक साधारण नागरिक को ही भुगतना पड़ता है।

जर्जर होती व्यवस्था का बड़ा उदाहरण राजस्थान लोक सेवा आयोग जैसी संवैधानिक संस्था भी है, जहां के सदस्यों ने पेपर लीक किए और साक्षात्कार में अयोग्य लोगों को अधिक नंबर दिलवाए। यह तो भला हो उच्च न्यायालय का, कि उसने सब इंस्पेक्टर की भर्ती परीक्षा को निरस्त कर दिया। जो काम सरकार को बहुत पहले ही कर लेना चाहिए था, वह उच्च न्यायालय को करना पड़ा। यह दोषपूर्ण व्यवस्था ही है कि लोक सेवा आयोग में सत्य निष्ठा वाले योग्य व्यक्तियों की नियुक्ति के स्थान पर भ्रष्ट लोगों की नियुक्ति हुई जिन्होंने व्यवस्था को दीमक की तरह नुकसान पहुंचाने का ही काम किया है।

जवाबदेही निर्धारित न हो पाने का सबसे बड़ा कारण पारदर्शिता की कमी है। सरकार को यह चाहिए कि वह सूचना के अधिकार के कानून को पुनः मजबूत बनाए। जब साधारण नागरिक यह जान पाएगा कि किसी का काम सिफारिश या रिश्वत देकर हो गया और उसका नहीं हुआ, तब वह उसके विरुद्ध आवाज उठा पाएगा और भ्रष्ट अधिकारियों को सजा दिलवाने में सक्षम हो पाएगा।

जब हम व्यवस्था को चुस्त, दुरुस्त और जवाबदेह बना देंगे तो फिर न पुल टूटेंगे न सड़कों में खड्डे पड़ेंगे, न भवन ध्वस्त होंगे और न ही सरकारी धन व्यर्थ होगा।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

प्रमोटरों द्वारा शेयर बेचना: निवेशकों के लिए एक गंभीर चेतावनी

सुनील दत्त गोयल

पिछले कुछ समय से भारतीय शेयर बाजार में एक चिंताजनक ट्रेंड देखने को मिल रहा है। कंपनियों के प्रमोटर या तो अपने शेयर गिरवी रख देते हैं या फिर उन्हें बेचकर भारी-भरकम रकम कमा लेते हैं। इन कदमों को 'कंपनी के हित' में बताया जाता है। लेकिन क्या वाकई ऐसा है? या फिर यह शेयरधारकों को दिया जाने वाला एक भोंडा बहाना है? आम निवेशक के दिमाग में यह सवाल स्वाभाविक उठता है।

अक्सर, प्रबंधन यह दावा करता है कि कंपनी को पूंजी की जरूरत है, इसलिए प्रमोटर ने अपनी निजी होल्डिंग्स गिरवी रख दीं। एक ऐसी धारणा पैदा की जाती है कि देखो, प्रमोटर कंपनी के लिए कितना वचनबद्ध है कि उसने अपनी निजी संपत्ति तक दांव पर लगा दी। यह कहानी इस तरह से गढ़ी जाती है कि आम निवेशक अच्छा महसूस करे और सवाल पूछना भूल जाए।

लेकिन असली सवाल तो यह है कि आखिर कंपनी इतनी मुश्किल हालात में क्यों पहुंच गई कि उसे प्रमोटर के शेयर गिरवी रखने पड़े? क्या कंपनी के ऑडिटर, स्टॉक एक्सचेंज, या उधारदाताओं को इसकी कोई जानकारी नहीं होती?

और सबसे बड़ा सवाल, आम शेयरधारक कंपनी से यह पूछने की हिम्मत क्यों नहीं करता कि उसकी कंपनी को पैसों की इतनी जरूरत क्यों आन पड़ी? असल में, प्रमोटर द्वारा गिरवी रखे गये या बेचे गए शेयरों से जो पैसा आता है, वह अगर कंपनी में डेट के रूप में डाला जाता है, तो कंपनी की बैलेंस शीट पर सिर्फ कर्ज़ का बोझ और बढ़ जाता है। एक कर्ज चुकाने के लिए दूसरा कर्ज लेना, देसी भाषा में कहें तो, 'झम्मन की टोपी मम्मन पर से उतारकर किसी अन्य पर डालने' जैसा है। हाल ही की एक बड़ी घटना ने इस चिंता को और बढ़ा दिया है।

अपोलो हॉस्पिटल्स एंटरप्राइजेज की एक प्रमोटर, सुनीता रेड्डी ने अपनी 3.36 हिस्सेदारी, जिसकी कीमत लगभग 1489 करोड़ रुपए है, बाजार में बेच दी। इसकी वजह कंपनी के कर्ज को चुकाने के लिए बताई जा रही है। यहां सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि कंपनी कानून (कम्पनीज एक्ट) में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है कि एक प्रमोटर (जो कि एक सम्बंधित पार्टी है) सीधे तौर पर कंपनी का कर्ज चुका सके। ऐसा संभव ही नहीं है कि श्रीमती रेड्डी ने शेयर बेचे और उस पैसे को सीधे कंपनी के कर्ज दाताओं को दे दिया। तो फिर खेल क्या है? ज्यादातर मामलों में, यही देखने को मिलता है कि प्रमोटर द्वारा शेयर बेचने से जो रकम आती है, उसे कंपनी को एक लोन के रूप में दिया जाता है। फिर इसी लोन के पैसे से कंपनी अपना पुराना कर्ज चुकाती है। मतलब साफ है – एक कर्ज चुकाने के लिए दूसरा कर्ज ले लिया गया। बस कर्ज देने वाला अब कोई बाहरी बैंक नहीं, बल्कि खुद प्रमोटर है। इससे कंपनी की वित्तीय हालत पर कोई फर्क नहीं पड़ता, सिर्फ कर्ज का स्त्रोत बदल जाता है।

अब सवाल यह है कि मार्केट रेगुलेटर सेबी इन सब पर क्यों नहीं रोक लगाता? क्या सेबी सो रही है? क्या उसे कंपनीज एक्ट के नियमों की जानकारी नहीं है? जरूर है। शायद तकनीकी तौर पर यह पूरी तरह से रूल्स का उल्लंघन नहीं है, इसलिए सेबी खामोश है। लेकिन सवाल नियमों का नहीं, नैतिकता और पारदर्शिता का है। क्या यह उचित है? बिल्कुल नहीं।

यह ट्रेंड निवेशकों के लिए एक बड़ा खतरा है। हो सकता है कि कोई प्रमोटर बाजार के मौके को देखते हुए धीरे-धीरे अपनी हिस्सेदारी कम कर रहा हो (निकलने की तैयारी में हो), और 'कंपनी के हित' का झूठा बहाना बना रहा हो। यह एक गंभीर मामला है, जो आने वाले समय में बड़े स्कैम के रूप में सामने आ सकता है।

हमारा मानना है कि सेबी को तुरंत हस्तक्षेप करना चाहिए। उसे हर उस कंपनी की जांच करनी चाहिए, जिसके प्रमोटरों ने अपने शेयर गिरवी रखे हैं या हाल में बेचें हैं। यह पता लगाना चाहिए कि शेयर बेचने के पीछे की असली वजह क्या है।

क्या यह वजह उचित और निवेशकों के हित में है? निवेशकों को भी सतर्क होने की जरूरत है। आँख बंद करके भरोसा न करें। कंपनी के मैनेजमेंट से सवाल पूछें। अपने हक की लड़ाई लड़ें। आखिरकार, शेयर बाजार पूरी तरह से विश्वास (ट्रस्ट) और विश्वसनीयता (क्रेडिबिलिटी) पर ही तो चलता है। अगर यह विश्वास टूटा, तो बाजार का आधार ही हिल जाएगा, जिससे देश की इकोनॉमी को भी गहरा झटका लग सकता है। यह सिर्फ पैसों का खेल नहीं, लोगों के भरोसे और भविष्य का सवाल है।

धन्यवाद,
–रोटेरियन सुनील दत्त गोयल,
महानिदेशक, इम्पीरियल चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री।

मुख्यमंत्री विश्वकर्मा पेंशन योजना : श्रमिकों, रेहड़ी संचालकों और लोक कलाकारों के लिए संबल

मनीष जैन

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों, रेहड़ी संचालकों और लोक कलाकारों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए प्रयासरत है। इन्हीं प्रयासों की श्रृंखला में राज्य सरकार ने एक महत्वाकांक्षी योजना मुख्यमंत्री विश्वकर्मा पेंशन योजना-2024 लागू की है। यह योजना उन लोगों के भविष्य को सुरक्षित करने का एक ठोस कदम है, जो अपने जीवन का बड़ा हिस्सा श्रम और कला के सहारे समाज को देते हैं लेकिन वृद्धावस्था में असुरक्षा का सामना करते हैं।

योजना की विशेषताएं :- यह योजना एक स्वैच्छिक और अंशदायी पेंशन योजना है। इसमें 18 वर्ष या अधिक आयु के असंगठित क्षेत्र के श्रमिक, रेहड़ी संचालक और लोक कलाकार 45 वर्ष आयु होने तक अपने आयु वर्ग के अनुसार मासिक अंशदान करेंगे। राज्य सरकार भी उनके बराबर योगदान देगी। 60 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर प्रत्येक पात्र लाभार्थी को 3000 रुपये मासिक पेंशन सुनिश्चित रूप से दी जाएगी। यह पेंशन मुख्यमंत्री वृद्धजन सम्मान पेंशन के अतिरिक्त होगी यानी वृद्धावस्था में दोहरी सहायता का लाभ मिलेगा।

कौन हैं पात्र :- 18 से 45 वर्ष आयु वर्ग का राजस्थान का मूल निवासी होना जिसकी मासिक आय 15000 रुपये से अधिक न हो, केंद्र सरकार के ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकरण करवाएगा। पंजीकरण के समय अपना आधार संख्या और बैंक खाता भी अंकित करना होगा। वह किसी अन्य अंशदायी पेंशन योजना जैसे प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन में शामिल न हो तथा आयकर दाता न हो।

योगदान और पेंशन निधि :- इस योजना के लिए एक विशेष राज्य पेंशन निधि बनाई गई है जिसमें श्रमिक व कलाकारों का अंशदान और राज्य सरकार का अंशदान जमा होगा। यह राशि निवेश कर पेंशन फंड के रूप में संरक्षित की जाएगी। यदि कोई सदस्य बीच में योजना छोड़ना चाहे या अंशदान बंद कर दे तो उसके योगदान को ब्याज सहित वापस किया जाएगा। 10 वर्ष से अधिक अंशदान करने वाले सदस्य को बैंक ब्याज दर या वास्तविक अर्जित ब्याज, जो भी अधिक हो, उस पर राशि लौटाई जाएगी।

पारिवारिक पेंशन की व्यवस्था :- यदि किसी लाभार्थी की मृत्यु पेंशन प्राप्त करते समय हो जाती है तो उसके पति/पत्नी को पेंशन का 50 प्रतिशत पारिवारिक पेंशन के रूप में दिया जाएगा।

विशेष परिस्थिति में लाभ :- यदि कोई सदस्य 60 वर्ष की आयु से पहले स्थायी रूप से अपंग हो जाता है तो उसका जीवनसाथी योजना में बना रह सकता है या अंशदान का हिस्सा ब्याज सहित प्राप्त कर सकता है। इस योजना के लिए नोडल विभाग राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग रहेगा और सहयोगी विभाग श्रम विभाग, स्थानीय निकाय, कला एवं संस्कृति विभाग होंगे।

योजना का उद्देश्य :- मुख्यमंत्री विश्वकर्मा पेंशन योजना का सबसे बड़ा उद्देश्य श्रमिकों और कलाकारों को वृद्धावस्था में आर्थिक सुरक्षा देना, पथ विक्रेताओं और असंगठित श्रमिकों को समाज की मुख्यधारा में लाना और उनके परिवारों को संबल और सुरक्षित भविष्य प्रदान करना है। यह योजना न केवल सामाजिक सुरक्षा की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी, बल्कि राजस्थान के श्रमिकों और लोक कलाकारों को यह भरोसा भी दिलाएगी कि राज्य सरकार उनके साथ खड़ी है। योजना मे पंजीयन एवं अधिक जानकारी के लिए राज्य बीमा एवं प्रावधानी निधि विभाग कि किसी भी कार्यालय में संपर्क किया जा सकता है।

मनीष जैन, पीआरओ, नागौर

किसानों ने सड़क बनाने के लिये जमीन दान दी

श्रीगंगानगर, (निसं)। जमीन दान करने का अनूठा मामला सामने आया है। श्रीगंगानगर जिले से 10 किलोमीटर की दूरी पर गांव सिहागांवाली से कीकरचक के बीच की संपर्क सड़क का कुछ हिस्सा लालगढ़ जाटान सैन्य छावनी क्षेत्र में आ गया। इस कारण आवागमन बंद हो गया था। इस कारण इस रोड से करीब 12 गांवों का संपर्क जिला मुख्यालय से कट गया था। इन गांवों के लोगों को करीब 15 किलोमीटर अधिक चलकर जिला मुख्यालय आना पड़ रहा था। इस समस्या का समाधान कीकरचक गांव के ही छह किसानों ने अपनी बेशकीमती जमीन को दान करके कर दिया। कीकरचक निवासी अमरजीत सिंह, लखविंद्र सिंह, जसप्रीत सिंह, गुरप्रीत सिंह, बिंद्र सिंह और पूर्व सरपंच हरभव सिंह ने अपनी जमीन में से 20 फीट चौड़ाई में जगह दान करके सड़क बनाने के लिए प्रशासन को समर्पित कर दी है। किसानों की ओर से तहसीलदार सादुलशहर को इस संबंध में लिखकर दे दिया है। अब पटवारी की ओर से उक्त रकबे का नामांतरण रास्ते के नाम किया जा रहा है। इसी के साथ सिहागांवाली से कीकरचक होते हुए रोटांवाली, बाणियांवाली, जोगीवाला, लाधुवाला, 14 एसपीएम, 23 एलएनपी, 23 एलएनपी गणेशगढ़ होते हुए गोलूवाला तक तथा आसपास की सैकड़ों ढाणियों के लोगों को राहत मिली है। जमीन समर्पित करने के साथ ही किसानों ने अस्थायी कच्चा रास्ता निकालकर सीमेंटेड पिलर तथा दोनों तरफ तारबंदी करके रास्ते को समतल कर दिया है। अब इस जगह पर पीडब्ल्यूडी की ओर से डामर रोड बनाए जाने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। जल्दी ही यहां पक्की सड़क भी बन जाएगी। जमीन दान करने वाले किसानों को रोटांवाली ग्राम पंचायत के ग्रामवासियों द्वारा गुरुद्वारा साहिब में गुरुग्रंथ साहिब की हजूरी में सम्मानित किया व सरोपे पहनाए गए।

तेज बारिश से सीसी रोड निर्माण की पोल खुली, ग्रामीण परेशान

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के मांडल कस्बे में हुई तेज बारिश ने सीसी रोड निर्माण की गुणवत्ता की पोल खोल दी है। विगत एक वर्ष पूर्व पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा बनवाए गए धोवनी नाड़ी मार्ग पर बने सीसी रोड में बड़ा गल्ला लग गया।

- **ग्राम पंचायत कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का मुआयना किया, वहीं ग्रामीणों ने ठेकेदार पर घटिया निर्माण कार्य के आरोप लगाए हैं**
- **बारिश से रोड के नीचे की मिट्टी खिसक जाने के कारण मार्ग पर आवागमन रोकना पड़ा, लोगों को हो रही है परेशानी**

बारिश से रोड के नीचे की मिट्टी खिसक जाने के कारण मार्ग पर आवागमन रोकना पड़ा। इससे गामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ा। इसी मार्ग पर आगे तेजाजी चौक में तीन दिवसीय मेला लगा हुआ है जहां कीर खेड़ा, माली खेड़ा गांवों से लोगों का आना जाना रहता है, जो कि अब नहीं हो पा रहा है। ग्राम पंचायत कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का मुआयना किया। वहीं, ग्रामीणों ने ठेकेदार पर घटिया निर्माण कार्य के आरोप लगाए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि मात्र एक वर्ष में ही सड़क उखड़ जाना जिम्मेदारों की लापरवाही को दर्शाता है। इधर, कल इसी मार्ग से राम रेवड़ियां निकलनी प्रस्तावित है। ऐसे में टूटी सड़क से गुजरना आमजन के लिए खतरे से खाली नहीं रहेगा। लोगों का कहना है कि अगर समय रहते विभाग ने मरम्मत नहीं की तो श्रद्धालुओं और ग्रामीणों की जान पर भी बन सकती है। वहीं मांडल से ब्यावर मार्ग पर भी स्कूल भवन के बाहर सड़क पर करीब एक डेढ़ फीट पानी भरा हुआ है, जिससे छात्रों को आवागमन मुश्किल हो रही है।

पीडब्ल्यूडी द्वारा बनवाए गए धोवनी नाड़ी मार्ग पर बने सीसी रोड के नीचे की मिट्टी खिसक गई।

राशिफल

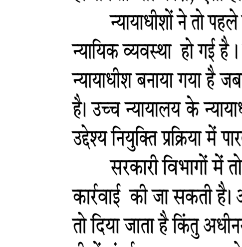

पंडित अनिल शर्मा

मंगलवार 2 सितम्बर, 2025

भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, दशमी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2082, मूल नक्षत्र रात्रि 9:51 तक, प्रीति योग सायं 4:39 तक, तैतिल करण दिन 3:18 तक, चन्द्रमा आज धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-धनु, मंगल-कन्या, बुध-सिंह, गुरू-मिथुन, शुक्र-मिथुन, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज कुमार योग रात्रि 9:51 तक है। रवियोग सम्पूर्ण दिन-रात रहेगा। आज रामदेव जयन्ती और तेजा दशमी है। आज सुगन्ध धूप दशमी, दशावतार और व्रत है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 9:18 से 10:52 तक, लाभ-अमृत 10:52 से 2:01 तक, शुभ 3:35 से 5:09 तक।

राहूकालः 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 6:10, सूर्यास्त 6:43

मेष
परिवार में शुभ-मांगलिक संदेश प्राप्त होंगे। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

वृष
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। मित्रों/रिश्तेदारों से मतभेद हो सकते हैं। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

मिथुन
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

कर्क
व्यक्तिगत परेशानियां दूर होने लगेगी। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। विवादित मामलों से राहत मिलेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
परिवार में रचनात्मक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक यात्रा संभव है।

कन्या
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी। घर-परिवार में मांगलिक संदेश प्राप्त होंगे।

धनु
घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

मकर
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कुंभ
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

मीन
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आज आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

सार-समाचार

शहजाद खान प्रदेश सचिव बने

शहजाद खान

जालोर,(का.सं.)।अल्पसंख्यक अधिकारी कर्मचारी महासंघ राजस्थान ने अपनी प्रदेश कार्यकारिणी में नये पदाधिकारियों को शामिल करने की घोषणा की है। जिसमें जालोर के सीनियर नर्सिंग ऑफिसर शहजाद खान को प्रदेश सचिव नियुक्त किया गया। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष हारून खान ने प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए प्रदेश कार्यकारिणी का विस्तार किया। जिसमे जालोर राजकीय चिकित्सालय के सीनियर नर्सिंग आफिसर शहजाद खान को उनके कर्मचारी हितार्थ कार्य को देखते हुए प्रदेश सचिव बनाया गया। वहीं फिरोज अली को संयुक्त सचिव नियुक्त किया गया प्रदेश अध्यक्ष हारून खान ने कहा कि संगठन में नयी ऊर्जा और मजबूती के लिए यह नियुक्त की गई हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि शहजाद खान के प्रदेश सचिव बनने से संगठन के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। शहजाद खान के प्रदेश सचिव बनने पर जालोर अल्पसंख्यक अधिकारी कर्मचारी महासंघ जालौर ने खुशी जाहिर कर बधाई दी।

पामेरा स्कूल में कार्यक्रम हुआ

रेवदर, (नि.सं.)। पामेरा के गलु बाई रामाजी चौधरी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मे अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के तत्त्ववधान मे हमारा विद्यालय-हमारा स्वाभिमान अभियान के तहत संकल्प लिया। विद्यालय मिडिया प्रभारी जगदीश धारावत ने बताया कि हालांकि शिक्षकों व विद्यार्थियों के साझा संकल्प लेना था, परन्तु जिला कलेक्टर द्वारा घोषित अवकाश होने से विद्यार्थी शामिल नहीं हो सके। सभी शिक्षकों व मंत्रालयिक कर्मचारियों ने विद्यालय को स्वच्छ, अनुशासित, हरित और प्रेरणास्पद स्थान बनाए रखने,विद्यालय की संपत्ति, समय और संसाधनों को राष्ट्रधन मानते हुए उनका संरक्षण करेंने और उनका विवेक पूर्ण उपयोग करने, विद्यालय में ऐसा वातावरण बनाने जहाँ कोई भेदभाव नहीं हो, समान भाव से सीखने और सिखाने के पथ पर अग्रसर रहने,शिक्षा को केवल ज्ञान का माध्यम नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण, आत्मविकास और समाज सेवा का साधन मानकर कार्य करने, विद्यालय को केवल एक संस्था नहीं, बल्कि संस्कार, सेवा और समर्पण का तीर्थ मानते हुए उसका गौरव बढ़ाने हेतु सतत प्रयत्नशील रहने का संकल्प लिया। सभी ने यह भी दृढ़ संकल्प लेते हैं कि''हमारा विद्यालय - हमारा तीर्थ है, हमारी आत्मा का अभिमान है और राष्ट्र निर्माण का आधार है।''इस मौक़े पर वरिष्ठ अध्यापक छीनाराम,शिक्षक यूसुफ़ मोहम्मद,धर्मेन्द्र खत्री,भानाराम, जोगाराम, डायालाल ओझा, राजेंद्र सेन,विक्रम कुमार, कम्प्यूटर अनुदेशक कुलदीप पुरोहित, सहायक प्रशासनिक अधिकारी अनुपम मिश्रा व पंचायत शिक्षक गणपत सिंह राव, जगदीश धारावत, जगदीश राव उपस्थिति थे।

बिठूजाधाम पर आज मेला भरेगा

बालोतरा, (नि.सं.)। जन जन की आस्था का केंद्र विश्व विख्यात जग प्रख्यातबाबा रामदेजी की विश्राम स्थली बाबा रामदेवजी मंदिर बिठूजाधाम पर बाबा दशमी के अवसर पर 2 सितंबर को मेले का आयोजन धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ किया जाएगा। बाबा रामदेव मंदिर बिठुजा ट्रस्ट अध्यक्ष भैरुलाल डागा ने बताया कि बाबा दशमी को लेकर मंगलवार अल सवेरे बाबा रामदेव जी महा आरती कर मंदिर शिखर पर ध्वजा चढ़ाई जाएगी। शाम को मंदिर परिसर के समीप बने विशाल पांडाल में एक शाम बाबा रामदेव जी के नाम भजन सध्या में ख्याति गायक किशोर पालीवाल,स्वर कोकिला अनीता जांगिड़,भजन गायक नारायण माजीराणा द्वारा भजनों की प्रस्तुतियां दी जाएगी।वही भजन संध्या के दौरान राजस्थान की जोड़ी नम्बर वन हेमा धर्मेंद्र सिंह द्वारा भाव विभोर नृत्य की प्रस्तुतियां दी जाएगी। मेले के आयोजन को लेकर निज मंदिर सहित पूरे परिसर को रंग बिरंगी रोशनी से दुल्हन की तरह सजाया है। श्रद्धालुओं की रेलमपेल रहेगी। आयोजन को लेकर मंदिर ट्रस्ट पदाधिकारी, जनप्रतिनिधियों,युवा मंडल के कार्यकर्ता सहित ग्रामवासी तैयारियों में जुटे हुए है।

हादसों में दो जनों की मौत

जोधपुर, (कासं)। कमिश्ररेट के माता का थान और बासनी थाना क्षेत्र में हुए हादसे में दो की मौत हो गई। युवक की बाथरूम में और एक महिला की घर पर कार्य करते समय मौत हुई। संबंधित थाना पुलिस ने कार्रवाई की और शव परिजन को सुपुर्द किए। माता का थान पुलिस ने बताया कि मालियों की ढाणी गंगाणी हाल रामसुख नगर माता का थान निवासी सुनील पुत्र बाबूराम गहलोत ने मर्ग में रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि उसका भाई 35 वर्षीय प्रकाश गहलोत रविवार को बाथरूम में गिर गया था। पता लगने पर उसे अस्पताल ले जाया गया, मगर डॉक्टर ने उसे मृत बता दिया। पुलिस ने कार्रवाई उपरांत शव परिजन को सौंपा। इसी तरह बासनी पुलिस के अनुसार प्यारे मोहन चौराहा राजीव गांधी कॉलोनी देवनगर निवासी पुष्पा पत्नी शंकर कुम्हार ने मर्ग में रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि उसकी रिश्तेदार पटेल नगर सांगरिया धर्म कांटा के पास में रहने वाली 34 वर्षीय पुष्पा पत्नी रमेश कुमावत रविवार को घर पर कार्य करते समय अचानक से तबीयत बिगडऩे के बाद बेहोश हो गई। तब परिजन उसे एम्स अस्पताल लेकर आए, मगर बाद में उसकी मौत हो गई।

आवारा पशु टकराया, जातरू की मौत

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकट मथानिया के पास में रविवार की शाम को बाइक सवार जातरू आवारा पशु से टकरा गया। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। शव की पहचान कर पुलिस ने आज सुबह एमडीएम अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाया। मथानिया थाने के एसआई चंद्र किशोर ने बताया कि माता का थान स्थित अशोक कॉलोनी निवासी 26 वर्षीय चंपालाल पुत्र हरजीराम भील रामदेवरा दर्शनार्थ गया था। रविवार को वापिस लौट रहा था। तब रविवार की शाम को मथानिया क्षेत्र में उसकी बाइक सामने आए नंदी से टकरा गयी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और पहचान की। शव का आज पोस्टमार्टम करवा परिजन को सुपुर्द किया गया।

बाबा रामदेव का मेला कल

जालोर, (का.सं.)। जालोर शहर के तिलक द्वार के अन्दर स्थित बाबा रामदेव मंदिर में देब झूलनी एकादशमी बुधवार को मेला का आयोजन किया जाएगा। रामदेव मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष प्रकाशचंद्र सोनेगरा ने बताया कि हर वर्ष देवझुलनी एकादशमी के दिवस बाबा रामदेवजी मंदिर में मेला का आयोजन होता है। प्रतिमा को पंचामृत से स्नान करार्क विशेष श्रृंगार किया जाता है। मंदिर पर नेजा (धजा) चढ़ाकर महाआरती के साथ मेले का प्रारंभ होता है। मेले में आस-पास के बाबा के भक्तों जनों का आवागमन दिन से लगाकर मध्य रात्री तक रहता है। आने वाले भम्तजनों को प्रसाद का वितरण किया जाता है एवं शाम को भी महाआरती का आयोजन भक्तजनों की उपस्थिति में होता है। मेले के देखते हुए मंदिर की विशेष सजावट के साथ लाईटिंग की व्यवस्था होगी।

टॉवर से नशेड़ी पुलिस आने से पहले उतरा

जोधपुर, (कासं)। शहर के चौपासनी हाउसिंग बोर्ड क्षेत्र में आज सुबह एक नशेड़ी निजी मोबाइल कंपनी के टॉवर पर चढ़ गया। उसे लोगों ने देखा और डांट डपट कर नीचे उतारा। बाद में वह नशेड़ी खुद ही चला गया। पुलिस पहुंची तब तक वह जा चुका था। चौहाबो थानाधिकारी ईश्वरचंद पारिक ने बताया कि थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति के निजी मोबाइल कंपनी के टॉवर चढऩे की सूचना मिली थी। जब पुलिस वहां पहुंची तो पता लगा कि वह खुद ही उतर कर चला गया। आस पास के लोगों ने उसे देखा और डांट डपट कर भगा दिया। उसके टाँवर पर चढऩे का कारण पता नहीं चला, मगर वह नशे की हालत में था।

गौरव सेल्फी पॉइंट का उद्घाटन

जालोर,(का.सं.)। शिक्षा विभाग राजस्थान सरकार के निर्देशानुसार हमारा विद्यालय हमारा स्वाभिमान अभियान के अंतर्गत राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रेवत में समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थियों ने अपने विद्यालय के गौरव को अक्षुण्ण रखने, गौरव बढ़ाने का संकल्प लिया। अवसर पर '' हमारा विद्यालय - हमारा स्वाभिमान सेल्फी पॉइंट '' का भी शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर उप प्रधानाचार्य वासना राम प्रजापत, व्याख्याता संदीप जोशी, अनिल कुमार, रजनी पोमल, लक्ष्मण राम गोदारा, अनितातिवारी, दुर्गा गर्ग, हरिप्रकाश परमार, विक्रम कुमार दवे आदि उपस्थित रहे।

भगवद् गीता का मारवाड़ी में अनुवाद अनूठा कार्य : गज सिंह

जोधपुर,(का.सं.) पूर्व महाराजा गज सिंह ने कहा की भागवत गीता का मारवाड़ी में अनुवाद अनूठा और बेहतर कार्य है। उन्होंने कहा कि मातृभाषा में गीता का ज्ञान जनतक पहुंचेगी ।

गज सिंह मेडिकल कॉलेज सभागार में आयोजित प्रो. डॉ कन्हैयालाल कल्ला के जीवन दर्शन पर आधारित पुस्तक जीवन दर्शन का विमोचन व राजस्थानी भाषा में प्रथम बार गीता के अनुवाद और एनीमेशन रूपांतरण का यूट्ययूब चैनल पर शुभारंभ के पश्चात समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अपनी भाषा और संस्कृति ही सनातन परंपरा है। हम इसी परंपरा से ही जीवन का सही मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं।उन्होंने कहा कि पूरे विश्व में जोधपुर और मारवाड़ के प्रवासियों सहित देश में गीता ज्ञान को सरलता से मन में उतारा जा सकेगा। समारोह में महारानी हेमलता राज्ये भी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थी।

समारोह में स्वामी शैलेन्द्र सरस्वती ने कहा कि ओशो ने भी गीता की तरह जीवन के सूत्रों पर एकाग्रता के लिए बल दिया था। मारवाड़ी भाषा में गीता अवश्य ही आम व्यक्ति के लिए लाभकारी होगी।

समारोह में कवि,वक्ता और अभिनेता शैलेश लोढ़ा ने कहा कि आज की संस्कृति में पैसा,बड़ी गाड़ी और आधुनिक जीवन शैली के बाद संस्कृति के प्रति विमुख होना चिंता का विषय है। ज्ञान और जानकारी में बहुत फर्क है। समारोह में मुख्य वक्ता डॉ नगेन्द्र शर्मा ने भी विचार व्यक्त किए।

गज सिंह ने मेडिकल कॉलेज सभागार में आयोजित कार्यक्रम में शिरकत की।

समारोह में गीता अनुवाद और एनीमेशन फिल्म के लिए नन्द किशोर नेक, अविरल सक्सेना,सुनील त्रिवेदी अश्विनी, विक्की शर्मा आदि को सम्मानित किया गया।समारोह में डॉ अरविन्द माथुर सहित शहर के अन्य नागरिक उपस्थित थे।

इस अवसर पर जगदीश हर्ष, विक्की मनचला,दीपक पंवार,दीपक बटुकडी, नेहा हर्ष, प्रियंका सिद्धप, कुलदीप भाटी, आशीष सोनी और साथियों ने देर रात तक भजनों के माध्यम से श्रद्धांजलि प्रस्तुत की संचालन प्रमोद सिंघल ने किया।

मिर्गी रोग शिविर आयोजित

जोधपुर में श्रीधर शिक्षण संस्थान के तत्वावधान में लायंस क्लब में मिर्गी रोग शिविर लगाया।

जोधपुर,(का.सं.)।हर माह आयोजित होने वाले निशुल्क मिर्गी शिविर की 327वीं कड़ी का आयोजन श्रीधर शिक्षण संस्थान के तत्वावधान में लायंस क्लब में किया गया।

इस कैंप का उद्घाटन वरिष्ठ साहित्यकार डॉ हरिदास व्यास ,वरिष्ठ साहित्यकार डॉ पद्मजा शर्मा और युवा साहित्यकार, अंकेक्षण विभाग और पेंशन विभाग के अतिरिक्त निदेशक दशरथ सोलंकी ने किया। सभी अतिथियों का पुष्प गुच्छ और माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। इसके पूर्व लोक देवता बाबा रामदेव जी का पूजन कर सभी मरीजों को प्रसाद वितरित किया गया गया।

इस अवसर युवा साहित्यकार दशरथ सोलंकी ने कहा कि मैंने अपना जीवन ग्रामीण क्षेत्र में गुजारा है जहां इन मरीजों का इलाज भोपा,झाड़ फूंक से किया जाता था जो मुझे पीड़ादायक लगता था और सोचता था इन मरीजों का इलाज कोई चिकित्सक करे तो इनको बीमारी से भी छुटकारा मिले और मरीज को अपना इलाज करवाने में कष्ट भी नहीं झेलना पड़े। मेरा यह सपना आज इन कैंपों में मरीजों का इलाज होते देखकर पूरा होगया। इसके लिए मैं डा नगेंद्र शर्मा और उनकी टीम को बधाई देता हूं । डॉ हरीदास व्यास ने कहा कि 27 वर्ष से लगातार मिर्गी रोगियों की निशुल्क चिकित्सा के साथ इनके जीवन में एक नया उत्साह पैदा करना और इनके सामाजिक दृष्टिकोण में परिवर्तन से इनको मिर्गी से मुक्त ही नहीं किया जा रहा बल्कि इनके रोजगार की व्यवस्था कर इनको डिप्रेशन से बाहर लाकर समाज की मुख्यधारा में सामान्य नागरिक जीवन जीने का सम्मान देना एक बड़ा कार्य इन कैंपों में किया जा रहा है। इसके लिए मैं डॉ नगेंद्र शर्मा और उनकी टीम को साधुवाद देता हूं । डॉ पद्मजा शर्मा ने कहा कि वर्षों पूर्व जब एक गरीब मरीज अपना इलाज करवाने आया और उसने कहा कि मेरे पास इलाज और फीस के पैसे नहीं है तो उसका निशुल्क इलाज करने के बाद ये खयाल आया कि क्यों ना कोई ऐसा कार्यक्रम बनाया जाए कि जिससे गरीब मरीजों का निशुल्क इलाज हो सके और इसी प्रेरणा से डॉ नगेंद्र शर्मा को ये निशुल्क कैंप करने की योजना सूझी जो 27 वर्षों से जारी है। 27 वर्षों से लगातार इन कैंपों का आयोजन कर डा नगेंद्र शर्मा ने बता दिया है कि वे मानव सेवा का बड़ा काम कर रहे है। मैं डॉ नगेंद्र शर्मा और उनकी पूरी टीम को बधाई देती हूं।

डॉ. नगेंद्र शर्मा ने बताया कि आज शिविर में 312 मरीजों का परीक्षण कर दवा का वितरण किया गया ।अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया क्योंकि कैंप में आकर उन्होंने मरीजों का हौसला अफजाई की।

शिविर संयोजक किशन प्रजापत और महावीर शर्मा के अलावा कमलेश व्यास , वंदना राठौड़ ,के एन खत्री, पुखराज, दीपक सिंह ,कृष्ण गर्ग, नेमीचंद शर्मा, हरीश शर्मा और छायाकार दिनेश पुरी ने सेवाएं दी।

सदस्यता अभियान पर जोर

पाली, (नि.सं.)। प्रदेशाध्यक्ष जबर सिंह राजपुरोहित ने शैतान सिंह धुरासनी को प्रदेश उपाध्यक्ष, नरेश सिंह नोरवा को कोटा संभाग उपाध्यक्ष बनाया।

आर्मी मेन रामू सिंह रडवा को प्रदेश संगठन मंत्र, गजेन्द्र सिंह बिनकिया कोटा, जगदीश सिंह अराबा बूंदी,श्रवण सिंह भाटेलाई झालावाड़,पृथ्वी सिंह झाबरा बारां, महिपाल सिंह कुआरड़ा जालोर, तेजाराम दौलतपुरा,भीनमाल को जिलाध्यक्ष बनाया गया वही छगन सिंह फासरिया सिरोही,लादूराम कैलाशनगर शिवगंज,सुरेश कुमार वाटेरा पिंडवाड़ा,बाबूलाल किवरली, आबूरोड,जीवन पुरोहित वान रेवदर, मूल सिंह ढारिया ब्यावर, राजू सिंह कानोड़िया जैतारण, अर्जुन सिंह मोहराई, रमेश सिंह तालकिया,प्रकाश सिंह बिकडलाई,सम्पत सिंह बलाड़ा रास, चिमन सिंह रायपुर,जबर सिंह मंडला, लक्ष्मण सिंह खोखरा सोजत रोड, एडवोकेट खेत सिंह चाड़वास सोजत सिटी,जगदीश सिंह रूपावास, जोग सिंह चाड़वास,प्रताप सिंह सुरायता, कुंदन सिंह धुरासनी को मंडल अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया गया है,

प्रदेशाध्यक्ष जबर सिंह राजपुरोहित ने बताया कि प्रदेश,जिला और मंडल स्तर पर संगठन को धरातल पर खड़ा करने के लिए मंडल स्तर पर ही महासभा का सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है और ये अभियान 2025 के अंत तक तीन चरणों में चलाया जाएगा। 2026 संगठन संकल्प वर्ष होगा तथा सदस्यता प्राप्त बंधु को ही संगठन में जगह मिलेगी और जो संस्था का सदस्य नहीं होगा उसकी छंटनी कर दी जाएगी। इसी तरह महिला व युवा महासभा का भी समायोजन सदस्यता से ही किया जाएगा।

साथ ही प्रति माह संगठन की बैठके आयोजित करना सुनिश्चित किया गया है ताकि कार्य व सदस्यता अभियान की समीक्षा हो सके,सदस्यता अभियान के बाद संपूर्ण प्रदेश में संगठन सक्रिय रूप से साकार होगा।

चूड़ीगर, रंगरेज व तंवर को महासचिव बनाया

पाली, (नि.सं.)। राजीव गांधी पंचायतीराज के प्रदेशाध्यक्ष सीबी. यादव के निर्देशानुसार पाली जिला अध्यक्ष मदनसिंह जागरवाल की अनुशंपा पर संभाग प्रभारी बलदेवराम बेनीवाल ने राजीव गांधी पंचायतीराज एवं नगर निकाय पाली शहर ब्लॉक के महासचिव पद पर मुनाजिर अली चूड़ीगर, जिशान अली रंगरेज, इमरान तंवर को नियुक्त किया है।

जिलाध्यक्ष जागरवाल ने बताया कि ये तीनों कांग्रोसी परिवार से है तथा तीनों युवा, निष्ठावान, कर्मठ, अनुभवी कांग्रेस कार्यकर्ता है तथा लम्बे समय से साधारण सिपाही की तरह कार्य करते आ रहे है।

इनकी विधानसभा, लोकसभा, पंचायतीराज के चुनाव में हमेशा अग्रणी भूमिका रही है। इनकी कार्यप्रणाली को देखते हुए पाली शहर में कांठोस के पंचायतीराज एवं नगर निकायों में संगठन को मजबूत करने के लिए आगामी नगरनिगम चुनाव को देखते हुए उनकी नियुक्ति की गई है, जिससे कांग्रेस संगठन को और अधिक मजबूती प्रदान होगी। इनके महासचिव वनने से पाली शहर में युवा कार्यकर्ताओं ने खुशी जाहिर करते हुए बधाई दी तथा प्रदेशाध्यक्ष सी.बी. यादव, संभाग प्रभारी बलदेव बेनीवाल, पाली जिला प्रभारी श्रीमती कीर्ति कच्छवाह, जिलाध्यक्ष मदनसिंह जागरवाल का आभार प्रकट किया।

भडकोट मंदिर में भजन गूंजे

लूणी नदी के किनारे बसे तिलवाड़ा के ऐतिहासिक भडकोट मंदिर में गोगाजी महाराज तथा जगमालजी के नाम पर भव्य भजन संध्या हुई। फोटो-राष्ट्रदूत

बालोतरा, (नि.सं.)। लूणी नदी के किनारे बसे तिलवाड़ा के ऐतिहासिक भडकोट मंदिर में भजन संध्या से माहौल भक्तिमय हो गया। गोगाजी महाराज और जगमालजी के नाम पर हुई भव्य भजन संध्या में सैंकड़ों की संख्या में श्रद्धालु भक्ति रस में डूब गए। गोगा नवमी और चातुर्मास समापन के मौके पर यह आयोजन हर साल की तरह इस बार भी हुआ, जिसमें आस-पास के गाँवों से आए भक्तों ने हिस्सा लिया।

भजन संध्या के लिए मंदिर को रंग-बिरंगी रोशनियों और फूलों से सजाया गया था। जैसे ही भजन संध्या की शुरुआत हुई, पूरा वातावरण भक्ति गीतों से गूंज उठा। भक्तों ने तालियाँ बजाकर और भजन गाकर अपनी श्रद्धा व्यक्त की। देर रात तक भी श्रद्धालुओं का उत्साह बना रहा और पूरा परिसर ''जय गोगाजी महाराज की'' के जयकारों से गूंजता रहा।

भजन गायक प्रदीप डीडवाना ने गणपति वंदना से कार्यक्रम की शुरुआत की। इसके बाद गणपत माली और राजेश माली एण्ड पार्टी सहित कई लोक कलाकारों ने एक से बढ़कर एक भजन प्रस्तुत किए। कलाकारों ने गोगाजी महाराज, माता रानी, रावल मल्लिनाथ जी और राधे-कृष्ण के भजनों की ऐसी रसधारा बहाई कि श्रोता मंत्रमुग्ध हो गए। कई श्रद्धालु तो भक्ति में लीन होकर नृत्य करने लगे।

इस आयोजन का संचालन मठ भडकोट तिलवाड़ा द्वारा किया गया, जो महंत सेवा नाथ जी महाराज के मार्गदर्शन में हुआ। महंत ने भजन संध्या के दौरान भक्तों को आशीर्वाद दिया और जीवन में भक्ति के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि भक्ति से ही जीवन में शांति और शक्ति आती है। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु पैदल चलकर मंदिर पहुंचे और गोगाजी महाराज से अपने परिवार और राष्ट्र की खुशहाली के लिए प्रार्थना की। इस भजन संध्या ने एक बार फिर साबित कर दिया कि यह सिर्फ एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आस्था और लोक संस्कृति का एक अनूठा संगम है।

गुडिया नदी में फंसे 65 वर्षीय बुजुर्ग को बचाया

पाली, (नि.सं.)। जिले के चण्डावल पुलिस थाना क्षेत्र के ग्राम सांडिया के समीप गुड़िया नदी के बीचों बीच एक व्यक्ति के फंसे होने की सूचना प्राप्त होने पर एसडीआरएफ ने छह घंटे की मशकत के बाद 65 वर्ष बुजुर्ग भंवरसिंह को जीवित बचा लिया गया।

एसडीआरएफ कंट्रोल रूम कमाण्डेंट राजेन्द्र सिंह सिसोदिया ने बताया कि सोमवार को पुलिस कंट्रोल रूम से थाना चण्डावल के अंतर्गत ग्राम सांडिया के समीप गुडिया नदी में फंसे व्यक्ति की सूचना एसडीआरएफ राजस्थान कंट्रोल रूम जयपुर को मिलने पर एसडीआरएफ कन्ट्रोल रूम द्वारा कमाण्डेन्ट के निर्देशानुसार मानसून सत्र में आपदा राहत एवं बचाव के लिए एसडीआरएफ ई कम्पनी अजमेर की रिजर्व पुलिस लाईन जिला ब्यावर में तैनात रेस्क्यू ई-04 के प्रभारी हैड कांस्टेबल विमल कुमार को अविलम्ब घटनास्थल के लिए रवाना होने के निर्देश दिए। रेस्क्यू टीम प्रभारी 10 जवानों की टीम तथा आपदा राहत उपकरणों के साथ घटनास्थल पहुंचे। टीम कमाण्डर ने स्थिति का जायजा लिया तथा एसडीआरएफ कमाण्डेन्ट को बताया कि क्षेत्र में हो रही भारी बरसात के कारण पुलिस थाना चण्डावल के अन्तर्गत गुडिया नदी उफान पर है। सवेरे सांडिया का एक व्यक्ति नदी पार कर रहा था, अचानक नदी का बहाव तेज होने के कारण व्यक्ति नदी के बीचों-बीच पिल्लर पर फंस गया है। मोटर बोट से ऑपरेशन चलेगा। एसडीआरएफ राजस्थान कमाण्डेन्ट ने टीम कमाण्डर को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। टीम कमाण्डर के निर्देश पर रेस्क्यू टीम के जवानों कैलाश चौहान, मुकेश कुमार, नरेन्द्र, अजयराम, महावीर, सुरेश कुमार, रमेश चन्द, जितेन्द्र भडाना तथा दशरथ ने सर्च ऑपरेशन चलया। रेस्क्यू टीम के जवान जान की बाजी लगाकर मोटर बोट की मदद से उफनती गुडिया नदी की लहरों को पार कर नदी के बीचों-बीच फंसे व्यक्ति के पास पहुंचे। रेस्क्यू टीम ने भंवर सिंह पुत्र किशोर सिंह ग्राम सांडिया थाना चूण्डावत जिला पाली को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया।

चाकू से गोदकर श्वान के पिल्लों को मारने का आरोपी पकड़ा

जोधपुर, (कासं)। शहर के सरदारपुरा बी रोड पर रविवार की रात में एक व्यक्ति ने श्वान के तीन पिल्लों को चाकू से गोदकर मार दिया। घटना की जानकारी पर डॉग लवर बी रोड पर जमा हुए। देर रात तक मौकास्थल और सरदारपुरा थाने पर भीड़ जुटी रही। आखिरकार पुलिस ने आरोपी को उसके घर के अंदर से दस्तयाब किया और शांतिभंग में गिरफ्तार कर लिया। आज उसे कोर्ट में पेश कर मुकदमें में गिरफ्तार कर चाकू बरामदगी के प्रयास किए जा रहे हैं। आरोपी के खिलाफ एक एनजीओ सदस्य ने केस दर्ज करवाया है।

सरदारपुरा थानाधिकारी शेषकरण बारहठ ने बताया कि आरोपी सरदारपुरा बी रोड निवासी आकाश पुत्र सत्यनारायण प्रजापत को देर रात में शांतिभंग में हिरासत में लिया गया। घटना को लेकर एनजीओ सदस्य नेहरू पार्क की अदिति बरडिया ने पशु क्रूरता अधिनियम में केस दर्ज करवाया है। जिसमें जांच की जा रही है। आरोपी को आज कोर्ट में पेश कर मुकदमें में गिरफ्तार किया गया है। आरोपी से चाकू भी बरामद किया जाना है। इधर आज सुबह पशु चिकित्सालय में श्वान के पिल्लों का पोस्टमार्टम करवाने के बाद अठिाम कार्रवाई की गई।

बता दें कि रविवार की रात को डॉग लवर और पशु प्रेमी सरदारपुरा बी रोड पर काफी संख्या में एकत्र हो गए थे। श्वान के पिल्लों को चाकू से गोदकर उन्हें नजदीक ही डस्टबिन में डाल दिया गया था। घटना के सीसीटीवी फुटेज सामने आने का वीडियो भी वायरल हुआ था। इससे डॉग लवर भडक़ गए और तीन घंटे तक सरदारपुरा बी रोड पर धरना और प्रदर्शन किया गय। बाद में पुलिस के उच्चाधिकारीगण वहां पहुंचे और समझाइश की। लोगों को पुलिस ने बाद में वहां से रवाना किया। मगर डॉग लवर वहां से हटकर सरदारपुरा थाने के बाहर जुट गए।

खेजड़ली मेला कल, तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी शुरू

जोधपुर, (कासं)। पेड़ों की रक्षार्थ 295 साल पहले जोधपुर से 28 किमी दूर खेजड़ली में प्राणोत्सर्ग करने वाले 363 शहीदों की स्मृति में दो सितम्बर को मेले का आयोजन किया जाएगा।

मेले में देश भर से विश्नोई समाज के लोग एवं पर्यावरण प्रेमी 363 लोगों की याद में बने शहीदी स्मारक पर शीश नवाएंगे व पर्यावरण संरक्षण के लिए हवन में आहुतियां प्रदान करेंगे। इससे पहले गुरु जंभेश्वर पर्यावरण संरक्षण शोध पीठ जेएनवीयू एवं खेजड़ली शहीदी राष्ट्रीय पर्यावरण संस्थान एवं विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आज से तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन खेजड़ली में शुरू हुआ।

खेजडली शहीदी राष्ट्रीय पर्यावरण संस्था के अध्यक्ष मलखान सिंह बिश्नोई ने बताया कि सम्मेलन का नेतृत्व जेएनवीयू जोधपुर के प्रोफेसर ओमप्रकाश बिश्नोई कर रहे है। इसमें देश-विदेश के विश्वविद्यालयों के कुलगुरु, कुलपति, प्रोफेसर, शिक्षाविद व पर्यावरणविद शामिल हो रहे है। कार्यक्रम में पर्यावरण व वन्यजीव संरक्षण आदि सेवा क्षेत्र में सक्रिय लोगों को सम्मानित किया गया। उन्होंने बताया कि दो सितंबर सुबह विश्नोई धर्मगुरुओं के सानिध्य में गुरु जम्भेश्वर की 120 शब्द की वाणी व वैदिक मंत्रोच्चार से हवन के बाद ध्वजारोहण कर मेले की शुरुआत की जाएगी। इसके बाद मेला परिसर में पर्यावरण व धर्म सभा में साधु-संत, समाज के वरिष्ठजन, जनप्रतिनिधि संबोधित करेंगे। बिश्नोई टाईगर्स वन्य एवं पर्यावरण संस्थान बिश्नोई टाईगर फोर्स के प्रदेश अध्यक्ष रामपाल भवाद ने बताया कि पेड़ों की रक्षार्थ 363 अमर शहीदों की याद में पर्यावरण प्रेमियों की ओर से दो सितम्बर को रक्तदान शिविर व मेला परिसर में पौधरोपण होगा। आज शाम विश्नोई समाज के धर्मगुरुओं के सान्निध्य में भजन संध्या व जागरण हुआ। पर्यावरण संगठनों की ओर से शहीदी स्थल एवं विभिन्न स्थलों पर दीप प्रज्वलित श्रद्धांजलि अर्पित की गई। गुरु जम्भेश्वर वन्यजीव सेवा एवं पर्यावरण विकास संस्थान तथा अखिल बिश्नोई कमांडो फोर्स के तत्वावधान में नई सड़क चौराहे पर 363 दीप प्रज्वलित किए।

कार्यालय प्रधानाचार्य राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नरसाना सायला

क्रमांक :-रा.उ.मा.वि/नरसाना/सायला/2025/45 दिनांक: 26/08/2025

निलामी सूचना

स्थानीय कार्यालय में दिनांक 08.09.2025 को समय 10 बजे नकारा एवं अनुपयोगी सामग्री की निलामी की जानी है । इच्छुक GST रजिस्टर्ड फर्म निलामी प्रक्रिया में भाग ले सकते है ।

प्रधानाचार्य
राउमावि नरसाना
सायला, (जालोर)

कार्यालय नगर परिषद्, सांचौर जिला-जालोर (राज.)
(टेलिफोन नम्बर-02979-283280 व ई-मेल आई.डी. eosanchore.lsg@rajasthan.gov.in & eosanchore2010@gmail.com)

क्रमांक/न.पं.सां./ई-निविदा/2025/3531 दिनांक :- 29.08.2025

-:: ई निविदा सूचना 10/2025-26

नगर परिषद सांचौर निविदा क्रमांक 3504 दिनांक 28.08.2025 द्वारा विभिन्न निर्माण का कार्य करवाये जाने हेतु पंजीकृत एवं अनुभवी संवेदकों से निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विवरण जरीये यूबीएन नं. से वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in व www.eproc.rajasthan.gov.in देखी/डाउनलोड की जा सकती है।

निविदा में कुल कार्य	10 कार्य
निविदा प्रपत्र ऑनलाईन भरने की अंतिम तिथि	दिनांक 18.09.2025 दोपहर 4.00 बजे तक
निविदा प्रपत्र जमा करवाने की तिथि	दिनांक 18.09.2025 सांय 5.30 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि	दिनांक 19.09.2025 प्राय 10.30 बजे
UBN NO.	UBN NO.
DLB2526WSRC15936	DLB2526WSRC15937
DLB2526WSRC15938	DLB2526WSRC15939
DLB2526WSRC15940	DLB2526WSRC15941
DLB2526WSRC15943	DLB2526WSRC15944
DLB2526WSRC15946	DLB2526WSRC15948

अधिशाषी अधिकारी
नगर परिषद् सांचौर

राज.संवाद/सी/25/9181

अजमेर जिले में जमकर बरसे बादल, कई कॉलोनियां जलमग्न, रास्ते अवरुद्ध

सोमलपुर में पानी में निजी स्कूल की बस फंसी, एक परिवार को नगर निगम टीम ने रेस्क्यू किया

अजमेर, (कासं)। प्रदेश में फिर सक्रिय हुए मानसून से अजमेर शहर सहित जिलेभर में रविवार देर रात व सोमवार सुबह जमकर बरसी बारिश ने शहर की सड़कें व कॉलोनियों को जलमग्न कर दिया। आसमान में छाए घने काले बादलों से लोगों को गर्मी से राहत मिली तो मिली, तेज बरसात के चलते शहर में जलजमाव देखा गया। सोमलपुर में बरसाती पानी में बच्चों से भरी प्राइवेट स्कूल बस फंस गई, स्थानीय नागरिकों ने बस फंसे बच्चों को निकाल कर सुरक्षित जगह पहुंचाया। दौराई अंडरब्रिज में पानी भरने से आवागमन पूरी तरह ठप हो गया। मौसम विभाग ने यलो अलर्ट जारी किया हुआ है। आगामी दो-तीनों दिनों में भारी बरसात की चेतावनी जारी की है। जेएलएन मेडिकल कॉलेज और अस्पताल मार्ग पर तीन से चार फीट पानी भर गया है। इसी तरह कमला नेहरू अस्पताल में भी पानी भरने से अस्पताल आने वाले मरीज और

स्थानीय ग्रामीणों ने ट्रैक्टर की मदद से बस को खींचकर बाहर निकाला।

परिजन को आने जाने में परेशानी का सामना करना पड़ा। बजरंगगढ़ से अस्पताल जाने वाला मार्ग अवरुद्ध हो गया, गंभीर रोगियों को आगरा गेट होते हुए अस्पताल पहुंचना पड़ रहा है।

जानकारी के अनुसार सोमवार अलसुबह से हुई तेज बरसात की वजह से जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त नजर आया। शहर की प्रमुख सड़कें व कॉलोनियां दरिया बन गई। पानी के तेज बाहव की वजह से कई वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। प्रमुख रूप से मेयो लिंक तेज बरसात के चलते रामगंज थाना क्षेत्र के चंदवरदाई नगर के सोमलपुर गांव में तेज बहाव के पानी बच्चों को स्कूल लेकर जा रही एक प्राइवेट स्कूल की बस पानी के बीच फंस गई। स्थानीय ग्रामीणों ने ट्रेक्टर की मदद से बस को खींच कर बाहर निकाला और बच्चों को बस से बाहर निकाल कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। तेज बरसात के चलते दौराई स्थित सूर्य नगर की गली में पानी भरने से घरों में करीब दो से

■ **जेएलएन मेडिकल कॉलेज और अस्पताल मार्ग पर तीन से चार फीट पानी भर गया, कमला नेहरू अस्पताल में भी पानी भरने से अस्पताल आने वाले मरीज और परिजन परेशान हुये**

ढाई फीट पानी भर गया। सूचना मिलने पर नगर निगम द्वारा रेस्क्यू टीम भेजकर जेसीबी की सहायता से एक परिवार को रेस्क्यू कर बाहर निकाल कर सुरक्षित स्थान पहुंचाया।

आनासागर झील का जलस्तर अभी भी 10 से 11 फीट पर बनाए रखा हुआ है। मौसम विभाग द्वारा जारी भारी वर्षा की चेतावनी के बाद शहर में लगातार हो रही मानसून की बारिश को देखते हुए झील से पानी की निकासी लगातार जारी रखी जा रही है। रविवार रात आठ से सोमवार सुबह 8 बजे तक करीब 39 एमएम बरसात और बीते 24 घंटों में 41 एमएम बरसात दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार आगामी दिनों में भी तेज बरसात की चेतावनी जारी की गई है, अजमेर में अब तक कुल 849 एमएम बरसात रिकॉर्ड की गई है।

मेयो लिंक रोड पर दो से ढाई फीट पानी भरने से हालात बद से बदत्तर हो गए। जिला प्रशासन ने हादसे की संभावना को देखते हुए तत्काल कदम उठाए और मार्ग को बंद कर दिया। वहीं शहर में लगातार हो रही तेज बारिश से वरुण सागर की तीसरी बार चादर चली। वरुण सागर का पानी बाडी नदी से होता हुआ तेज गति आनासागर झील में पहुंचा, जिस वजह से आनासागर का जल स्तर एकाएक 11 फीट पहुंच गया। बाड़ी नदी में पानी के तेज बाहव की वजह से गीता कॉलोनी, गोटा कॉलोनी सहित अन्य कॉलोनियों में पानी भर गया।

दो महिलाओं पर घर की छत गिरी, एक मौत

बीकानेर, (निसं)। दंतौर क्षेत्र में कच्चे मकान की छत गिरने से दो महिलाएं नीचे दब गई। हादसे में एक की मौत हो गई। वहीं दूसरी महिला घायल है। दो दिन पहले ही 10 साल के बच्चे की भी इसी तरह कच्चे मकान की छत गिरने से मौत हो गई थी।

जानकारी के अनुसार दंतौर थाना क्षेत्र में स्थित 20 केएलडी में आशाराम बावरी के घर की छत गिर गई। खेत में बने इस घर की कच्ची छत थी। रविवार को तेज बारिश के बाद सोमवार सुबह अचानक ये छत गिर गई। कमरे में दो महिलाएं प्रियंका और आइना बैठी थी। अचानक छत गिरने से ये दोनों मलबे के नीचे दब गई। आसपास के लोग मदद के लिए पहुंचे, तब तक प्रियंका गंभीर रूप से घायल हो चुकी थी। आइना को भी चोटें आई। दोनों को बीकानेर के पीबीएम अस्पताल पहुंचाया गया, जिसमें प्रियंका की मौत हो गई, जबकि आइना का इलाज अभी चल रहा है। सूचना मिलते ही दंतोर पुलिस मौके पर पहुंची। घासफूस और लकड़ी से बनी ये छत तेज बरसात के कारण कमजोर हो गई थी। इसके बाद भी ये लोग यहां रह रहे थे। अचानक भरभराकर गिरी छत की लकड़ी से प्रियंका के चोट लगी थी।

COLLEGE OF AGRICULTURE
[S.K. Rajasthan Agricultural University], Tel. 2970282,2970283 (O)0151-2251256®
FAX : 0151-2970282, Web: agricolbikaner.org, coaraubikaner@gmail.com

क्रमांक :- प.35/कृ.महा./स्थापना/2025/1050 दिनांक :- 30/08/2025

संशोधित सूचना/आवश्यकता

कृषि महाविद्यालय, बीकानेर में स्नातक एवं स्नातकोत्तर कृषि पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को अकादमिक सत्र 2025-26 के प्रथम सेमेस्टर हेतु कृषि अर्थशास्त्र (Agricultural Economics) विभाग में (एक), शस्य विज्ञान (Agronomy) विभाग में (एक), उद्यानिकी (Horticulture/Vegetable Science/Fruit Science) विभाग में (एक), कृषि सांख्यिकी (Agricultural Statistics) में (एक), जैव रसायन/जैव प्रौद्योगिकी (Biochemistry/Biotechnology) विभाग में (एक), (Computer Science) में (एक), गणित (Math's) में (एक), आनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन (Genetics & Plant Breeding) विभाग में (दो), तथा शारीरिक शिक्षा (Physical Education) में (एक), शिक्षण हेतु अतिथि संकाय के रूप में योग्य शिक्षकों की अंशकालीन आवश्यकता है। इच्छुक योग्यताधारी अभ्यर्थी (संबंधित विषय में स्नातकोत्तर के साथ नेट अथवा विद्या वाचस्पति उपाधि प्राप्त) या सेवानिवृत्त महाविद्यालय शिक्षक/वैज्ञानिक (70 वर्ष से कम आयु) अपने प्रार्थना पत्र, मय शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र व बॉयोडाटा के साथ दिनांक 06.09.2025 को प्रातः 10:30 बजे अधिष्ठाता कार्यालय, कृषि महाविद्यालय, बीकानेर में साक्षात्कार हेतु व्यक्तिशः उपस्थित होवें। साक्षात्कार उपरान्त चयनित अतिथि संकाय शिक्षकों को मानदेय स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर के नियमानुसार देय होगा। चयन प्रक्रिया संबंधी समस्त अधिकार महाविद्यालय की चयन समिति के पास सुरक्षित रहेंगे। विस्तृत जानकारी के लिए विश्वविद्यालय वेबसाईट www.raubikaner.org देखें।

अधिष्ठाता
कृषि महाविद्यालय, बीकानेर
राज.संवाद/सी/25/9201

कार्यालय नगर पालिका सांगोद जिला कोटा (राज.)
E-Mail Id:- np.sangod05@gmail.com Phone No.:-07450-294239

क्रमांकः—न0पा0सा0/2025/2242 दिनांकः—29.08.2025

ई–निविदा–सूचना

इस कार्यालय की निविदा सूचना संख्या 2241 दिनांक 29.08.2025 के द्वारा कुल 1 कार्य की अनुमानित लागत 11.04 लाख की विभिन्न अभियांत्रिकी विभागो से संबंधित "A", "AA" श्रेणी में पंजीकृत संवेदको एवं विभाग में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से ई–निविदायें आमंत्रित की जाती है। ई–निविदा से संबंधित समस्त विवरण http://eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

Work No.	UBN No.
1	DLB2526WSOB16217

प्रशासक नगरपालिका सांगोद — अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका सांगोद
राज.संवाद/सी/25/9159

थानागाजी में भारी बारिश, घरों व दुकानों में पानी भरा

अलवर, (निसं)। अलवर के थानागाजी कस्बे में रविवार रात तेज बारिश से जयपुर रोड पर कई घर और दुकानों में दो फीट तक पानी भर गया। दुकान और घरों में अनाज, पशुओं का चारा और अन्य सामग्री पानी में भीगने से खराब हो गई। गुस्साए लोगों ने नगर पालिका के गेट पर धरना दिया। अधिकारी व कर्मचारियों को ऑफिस में नहीं जाने दिया। इसके बाद एसडीएम पिंकी गुर्जर मौके पर पहुंची।

बरसात से दुकानदारों और आमजन को भारी नुकसान हुआ है। नाला अवरुद्ध होने के कारण पानी आगे नहीं निकला और दुकानों के अंदर भर गया। ट्रैक्टर व कंप्रेशर लगाकर सोमवार सुबह बेसमेंट के पानी को निकाला गया। वहीं लगातार बारिश से खेतों में भी पानी भर गया। बाजरे की फसल गिर गईं और प्याज के खेतों में गलाव की आशंका बढ़ गई है। वार्ड नंबर 15 निवासी विजय शर्मा के घर में पानी भरने से घरेलू मोटर खराब हो गई। मोटर पाट्‌र्स व्यवसायी गौरव शर्मा ने बताया कि उनकी दुकान में पानी घुसने से करीब 15 से 20 लाख रुपए का सामान खराब हो गया है। ढाणीवासियों ने नगर पालिका पर लापरवाही जताते हुए नाराजगी जताई। मौके पर पहुंचे कार्मिकों से तुरंत पानी निकासी की मांग की। पालिका कर्मचारियों ने ट्रैक्टर में मोटर लगाकर पानी निकालने का काम शुरू किया। गुस्साए दुकानदारों एवं ग्रामीणों ने नगरपालिका पार्षद मोहनलाल के नेतृत्व में नगरपालिका गेट पर धरना दे दिया एवं कर्मचारियों को अंदर नहीं घुसने दिया, जिसकी सूचना पर करीब 11 बजे एसडीएम पिंकी गुर्जर एवं तहसीलदार मोहित पंचोली मौके पर पहुंचे। पार्षद मोहनलाल ने आरोप लगाया कि नगरपालिका केवल फर्जी बिल पास करवाने में लगी हुई है, कर्मचारी मौके पर समय रहते कार्य नहीं करते हैं।

वहीं एसडीएम एवं तहसीलदार ने नाले के अवरुद्ध को हटाकर व अतिक्रमण हटाकर स्थाई समाधान करवाने का आश्वासन दिया है। मामले में तहसीलदार मोहित पंचोली का कहना है कि हमने एहतियात के तौर पर दो दिन पहले भी मौके से पानी निकलवाया था। अब ट्रैक्टरों की मदद से पानी को बाहर निकलवा रहे हैं। नाले पर अतिक्रमण के कारण पानी रुका है। आगे नाला चौड़ा कराने का काम होगा।

थानागाजी कस्बे में तेज बारिश से कई दुकानों में दो फीट तक पानी भर गया।

THE RAJASTHAN SMALL INDUSTRIES CORPORATION LTD.
A Govt. of Rajasthan Undertaking, CIN:- U91110RJ1961SGC001118

CORRIGENDUM
NIB Number : 13/2025-26 (UBN : RSI2526SLOB00013)

Bids are invited for the Procurement of Services of Strategic Business Promoter to Equip, Operate, Manage & Transfer Business Services at ICD, Bhilwara from the eligible and experienced bidders.

As per suggestions received in Pre-Bid meeting held on 30.07.2025, some clarifications have been amended in bid document. Therefore, the bid submission date has been extended till 5.00 PM on 15.09.2025.

The Bid will be opened on 16.09.2025 at 11:00am.

Other particulars of the bid may be viewed on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in, https://sppp.rajasthan.gov.in) of the state and the official website of RSIC i.e. https://www.industries.rajasthan.gov.in/rsicl.

The approximate value of the procurement is INR Rs. 3.50 Crores.

Raj.Samwad/C/25/9207 Managing Director

OFFICE OF THE MUNICIPAL BOARD SAYLA (JALORE)

No.- 361 Date- 29-08-2025

-:: Notice Inviting Bid- 02/2025-26 ::-

Bid for Rate Contract of Un-Skilled Manpower Supply work under Municipal Board Sayla are invited from interested bidders upto 10.09.2025 (Date) 06.00 PM. (Time) Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://proc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state; and notice board of this office. The approximate value of the procurement is Rs. 40.00 Lakhs.

UBN- DLB2526A5289
Raj.Samwad/C/25/9161 Executive Officer

Municipal Board Of Bagru (Jaipur)

क्रमांकः— न.पा.ब./2025—26/502 दिनांक :— 29.08.2025

:: E- Notice Inviting Bid ::

Bid for Municipal Board Of Bagru For Works (01) Date 29.08.2025 invited form interested bidders Date 14.09.2025 Upto 6:00 AM Other particulars of the bid may be invited on the procurement portal http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in of the state.

UBN CODE :- DLB2526WSOB16209

Executive officer
Nagar palika Bagru
Raj.Samwad/C/25/9156

अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर
अविप्रा
टोडरमल लेन, सिविल लाईन्स, अजमेर, Email :- ajmerada@gmail.com,
Website :- www.rajasthan.gov.in/ada, Tel.No. :- 0145-2627748-2627749

क्रमांक :- अविप्रा/प.2/तकनीकी/2025-26/राजकाज 17447149 दिनांक :- 29/08/2025

ई-निविदा सूचना संख्या 29/2025-26

अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर की ओर से कार्य अनुमानित लागत राशि 492.71 लाख की ई–निविदा दिनांक 15.09.2025 सांय 06:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट (http://eproc.rajasthan.gov.in) एवं (http://sppp.raj.nic.in) http://www.urban.rajasthan.gov.in/ada पर देखा जा सकता है। UBN No. :- AJD2526WSOB00116 - 24, AJD2526SLOB00125

अधिशाषी अभियन्ता
अजमेर विकास प्राधिकरण
राज.संवाद/सी/25/9197

कार्यालय नगर परिषद बारां
nagarpalikabaran@gmail.com स्टेशन रोड़, बारां (राज0) Phone : 07453-230106

क्रमांक :— नपबा/स्टोर षाखा/2025/4590—91 दिनांक :— 29.08.2025

निविदा सूचना संख्या : 13/2025–26

नगर परिषद बारां द्वारा वित्तीय वर्ष 2025—26 हेतु नगर परिषद बारां कार्यालय में कम्पयूटर ओपरेटर उपलब्ध कराने हेतु निर्धारित प्रपत्र में ऑनलाईन निविदा आंमत्रित की जाती है। संवेदक निविदा प्रपत्र व विवरण पोर्टल www.sppp.raj.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखे। कार्यो की लागत 30.00 लाख रूपये है तथा UBN NO. निम्नानुसार है। :—

1. DLB2526SLOB16124

आयुक्त
नगर परिषद बारां
राज.संवाद/सी/25/9167

कार्यालय नगरपालिका मण्डल, परबतसर जिला डीडवाना-कुचामन राज.
E-mail – npparbatsar@gmail.com Phone No. 01589-270141

क्रमांक—न.पा.प/स्टोर शाखा/2025—26/1626 दिनांकः— 30.08.2025

निविदा सूचना

नगरपालिका परबतसर के द्वारा नियमानुसार बोनाफाइड/अधिकृत ईच्छुक एवं अनुभवी संवेदको से निर्धारित प्रपत्र मे प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया द्वारा निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। कार्य की निविदा बेचे जाने की दिनांक 09.09.2025 को 10:00 बजे से है तथा शेष विवरण व निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण जानकारी वेबसाईट www.sppp.raj.nic.in पर देखी जा सकती है।

NIB UBN NO : DLB2526A5318
UBN NO : DLB2526SSOB16297

राज.संवाद/सी/25/9146 अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका परबतसर

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. खण्ड वल्लभनगर

क्रमांक-712 **निविदा संशोधन सूचना-6** दिनांक :- 21/8/25

इस कार्यालय द्वारा जारी निविदा सूचना संख्या 03/2025-28 के क्रमांकः- 399 दिनांक 12.06.2025 द्वारा जारी की गयी थी जिसमें निम्नानुसार संशोधन किया जाता है।

	पूर्व में प्रकाशित	संशोधित
1	ऑनलाईन निविदा मिलने की दिनांक 18.06.2025 से 21.08.2025 सांय 6:00 बजे तक	ऑनलाईन निविदा मिलने की दिनांक 03.09.2025 सांय 6:00 बजे तक की जाती है।
2	ऑनलाईन निविदा खोलने की दिनांक 22.08.2025 सांयः 4.00 बजे	ऑनलाईन निविदा खोलने की दिनांक 04.09.2025 सांय 4:00 बजे की जाती है।

निविदा की अन्य शर्तें यथावत रहेगी।

(अंचल मुप्ता)
अधिशानी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड वल्लभनगर
DIPR/C/12353/2025

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
PWD DIVISION DHOLPUR

File No. 1615-27 Date 21.08.2025

Notice Inviting Bid

NIB Code PWD2526A2803 UBN No. PWD2526WSOB10420, UBN No. PWD2526WSOB10424, UBN No. PWD2526WSOB10426

Bids For NIT No. 06/2025-26 Misc. Work of PWD Division Dholpur of subject matter(s) of Procurement are Invited from interested bidders date 27.08.2025 11.00 AM to Date 10.09.2025 upto 6.00 PM. Other particulars of the id may be on the procurement portel (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppps.raj.nic.in) of the state; and PWD departmental website. The approximate value of the procurement is Rs. 57.00 Lacs visited

(Naresh Chand Meena)
Executive Engineer
PWD Division Dholpur
DIPR/C/12394/2025

झुंझुनूं जिले में जमकर बरसात, उदयपुरवाटी का कोट बांध ओवरफ्लो

झुंझुनूं, (निसं)। जिले में बीते 24 घंटे में जमकर बारिश हुई है। खासकर उदयपुरवाटी में हुई अच्छी बारिश के बाद कोट बांध फुल हो गया है और बांध से पूरी स्पीड से पानी बह रहा है। उदयपुरवाटी के छोटे-छोटे नदी नाले भी पानी के भराव के कारण उफान पर हैं, जहां पर बच्चे अटखेलियां करते नजर आए।

बीते 24 घंटे में उदयपुरवाटी में 55 एमएम, यानि कि 2.16 इंच पानी बरसा। झुंझुनूं जिले में 24 घंटे में सर्वाधिक बारिश बिसाऊ में दर्ज की गई है। यहां पर 4.72 इंज पानी बरसा। कल सुबह आठ बजे से आज सुबह आठ बजे तक हुई बारिश में बिसाऊ में 120एमएम, बुहाना में 101 एमएम, मलसीसर में 98, झुंझुनूं में 70, पिलानी में 60, उदयपुरवाटी में 55, चिड़ावा में 38, मंडावा में 32, खेतड़ी में 30, सूरजगढ़ में 26, गुढ़ा में 24 व नवलगढ़ में 20 एमएम बारिश दर्ज की गई है। बारिश के कारण पूरे जिले का मौसम सुहाना हो गया है। हालांकि झुंझुनूं के लिए मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया गया है। वहीं मौसम विभाग के अलर्ट के बाद शनिवार देर रात को ही जिला कलेक्टर ने सोमवार को सभी स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों में आने वाले बच्चों के लिए अवकाश घोषित कर दिया था। इधर, कस्बाई और ग्रामीण क्षेत्रों कई निचले इलाकों में जलभराव की समस्या भी सामने आई है।

उदयपुरवाटी में हुई अच्छी बारिश के बाद बांधों पर चादर चलने लग गई।

तहसीलदार रजनी यादव ने कोट बांध एरिया का लिया जायजा:- क्षेत्र के झमाझम बारिश के बाद कोट बांध में पानी की चादर चल गई है। वहीं नदी नालों में भी पानी की आवक बढ़ जाने के कारण पर्यटकों की संख्या में इजाफा हो गया है। बढ़ती हुई पर्यटकों की संख्या को देखते हुए प्रशासन और पुलिस भी अलर्ट मोड पर आ गया है। सोमवार को उदयपुरवाटी तहसीलदार रजनी यादव कोट बांध इलाके में पहुंची और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने मौजूद पर्यटकों से भी बातचीत कर उन्हें फिसलन और बहाव क्षेत्र में ना जाने की अपील की। तहसीलदार रजनी यादव ने बताया कि गत दिनों भी सेल्फी लेते हुए दो जनों की मौत हो गई थी। ऐसे हादसे ना हो। इसके लिए प्रशासन लगातार समझाइश और अपील के कार्य कर रहा है। साथ ही माकूल प्रबंध भी किए जा रहे हैं। फिर भी लोग छुपते-छुपाते फिसलन और बहाव क्षेत्र में उतर जाते हैं। जिससे हादसे होने की संभावना होती है।

डूंगरपुर में मोरन नदी में डूबे दो युवक

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के सागवाड़ा थाना क्षेत्र के खड़गदा गांव में मोरन नदी में दो युवक डूब गए। इस दौरान मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने नदी में रस्सी डालकर कड़ी मशक्कत के बाद दोनों युवकों को बचाया। सागवाड़ा थाना क्षेत्र के खड़गदा गांव में यह घटना हुई।

■ **ग्रामीणों ने रस्सी की मदद से दोनों युवकों को नदी से बाहर निकालकर जान बचाई**

खड़गदा निवासी सतीश भट्ट ने बताया कि उनके गांव में किसी व्यक्ति की मौत हो गई थी, जिसके अंतिम संस्कार के लिए गांव के लोग खड़गदा गांव से गुजर रही मोरन नदी पर स्थित श्मशान घाट पहुंचे थे, जहां अंतिम संस्कार के बाद लोग नदी पर नहा रहे थे। इस दौरान गांव के दो युवक नदी में नहा रहे थे। अचानक नदी के तेज बहाव में दोनों युवक बह गए। युवकों के चिल्लाने पर ग्रामीणों ने युवकों को बचाने के लिए रस्सी फेंकी। वहीं कड़ी मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने रस्सी की मदद से दोनों युवकों को नदी से बाहर निकालकर उनकी जान बचाई।

कहर बनकर बरसी बारिश, गरीब लोगों के कच्चे घर ढहे

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के शाहपुरा क्षेत्र की बिलिया ग्राम पंचायत के देवरी गांव में सोमवार अलसुबह चार बजे शुरू हुई मूसलाधार बारिश भील मोहल्ले में निवासरत गरीब तबके के लोगों पर कहर बन के बरसी। लगातार जारी बारिश के कारण गरीबों के कच्चे व केलूपोश मकान भरभराकर ढह गए। सुबह से जारी बारिश के चलते देवरी में एक के बाद एक पांच कच्चे मकान धराशाही हो गए। गनीमत रही कि रात को सोते समय मकान धराशाही नहीं हुए, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन बारिश से ग्रामीणों के आशियानों को काफी नुकसान झेलना पड़ा। गांव में कई कच्चे मकान ऐसे थे, जिनमें रहने वाले लोगों के पास अन्य कोई व्यवस्था नहीं है। एक ही गांव में पांच कच्चे मकान गिरने की शिकायत पर नायब तहसीलदार रामप्रसाद, गिरदावर रायमल रेबारी व ग्राम विकास

■ **गांव में कई कच्चे मकान ऐसे थे, जिनमें रहने वाले लोगों के पास अन्य कोई व्यवस्था नहीं है**

बारिश के चलते शाहपुरा के ग्राम देवरी में एक के बाद एक पांच कच्चे मकान धराशाही हो गए।

अधिकारी मौके पर पहुंचे। गिरदावर रायमल रेबारी ने बताया कि रात को हुई मूसलाधार बारिश से बिलिया ग्राम पंचायत के देवरी गांव के पांच ग्रामीण सोहन पुत्र उदा भील, मोती पुत्र मूला भील, घीसू पुत्र जुवारा भील, रतन पुत्र छोटू भील, अमरा पुत्र छोटू भील के मकान धराशाही हो गए हैं। वहीं प्रहलाद पुत्र मोहन, रतन पुत्र नारु, रतन पुत्र छोटू के कच्चे मकानों की स्थित जर्जर होने के कारण उनको पाबंद किया गया तथा स्थानीय विद्यालय का कमरा खुलवाकर उनके रहने के लिए व्यवस्था कर दी गई है। वहीं बताया कि ग्राम देवरी के धर्माऊ तालाब की चादर अत्यधिक उफान पर होने की वजह से देवरी की भील बस्ती में भी पानी भर गया, जिससे जनजीवन प्रभावित हो गया है।

राजस्थान-सरकार
कार्यालय, राजस्थान मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी एवं प्रमुख चिकित्सा अधिकारी, जिला चिकित्सालय, प्रतापगढ़ (राजस्थान)

क्रमांकः-पीएमओ/आरएमआरएस/निविदा/2025/ राजकाज नम्बर दिनांकः- हस्ताक्षर तिथि

निविदा सूचना

S. No.	UBN NO.	Amount (In Lakh)	S. No.	UBN NO.	Amount (In Lakh)
1	MHS2526GLOB03633	15.00	7	MHS2526SSOB03635	06.00
2	MHS2526GLOB03632	18.00	8	MHS2526WSOB03647	12.00
3	MHS2526GLOB03634	12.00	9	MHS2526WSOB03644	25.00
4	MHS2526GLOB03631	18.00	10	MHS2526WSOB03646	11.00
5	MHS2526GLOB03643	18.00	11	MHS2526SSOB03645	05.13
6	MHS2526SLOB03637	88.74	12	MHS2526WSOB03648	10.13
13	MHS2526WSOB03636	12.00			

जिला चिकित्सालय, प्रतापगढ़ में विभिन्न प्रकार के माल, संकर्म तथा सेवाएं के लिये खूली-निविदा आमंत्रित की गई है, अंकित कर प्राप्त किया जा सकता है। जिसका विस्तृत विवरण एवं शर्तो की जानकारी www.sppp.rajasthan.gov.in/http://eproc.rajasthan.gov.in वेब साईड से अवलोकन डाउनलॉड निम्नांकित यूबीएन नम्बर

(डॉ0 धीरज सेन)
सचिव, राजस्थान मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी, एवं प्रमुख चिकित्सा अधिकारी, जिला चिकित्सालय, प्रतापगढ़
DIPR/C/12525/2025

राज्य होटल प्रबंध संस्थान, सवाई माधोपुर
StateInstituteofHotel Management
रामसिंहपुरा, सवाई माधोपुर, Ramsinghpura, Sawai Madhopur
राजस्थान-322027, Rajasthan - 322027
E-mail:sihmswm@gmail.com Phone No. 07462-294011

Ref:SIHM/Sawai Madhopur/2025/101 Date: 27.08.2025

E-Bid Notice

SIHM Sawai Madhopur under Department of Tourism, Govt. of Rajasthan invites e-Bid for the purchase of equipment and Furniture for the institute for FY 2025-26.

Bid Reference Number: SIHMSWM/2025-26/95 to 100/1-5

Bid Submission End Date & Time	Bid opening Date & Time	Approx. Bid value	Bid Document Fee	NIB Details/ UBN No.
08/09/2025, 2:00 PM	08/09/2025, 4:00 PM			
Name of Work				
Supply, Installation and Maintenance of Kitchen, Restaurant Equipment & Furniture (SS & MS)		75 Lakhs	Rs. 2000/-	TOU2526 A0020
Supply of Light Equipments for Kitchen, Restaurant & Other Laboratories		25 Lakhs	Rs. 1000/-	TOU2526 A0021
Supply and installation of Housekeeping Heavy & Light Equipments with Linen and furnishing items		25 Lakhs	Rs. 1000/-	TOU2526 A0022
Supply and Installation Maintenance of Furnitures for Classrooms, Offices and other Laboratories		30 Lakhs	Rs. 1000/-	TOU2526 A0023
Supply, Installation & Maintenance of Computers, Networking, CCTV and other appliances		40 Lakhs	Rs. 1000/-	TOU2526 A0024

Interested bidders eligible as per qualification criteria may submit their response to the Bid through e-procurement portal www.eproc.rajasthan.gov.in, https://sppp.rajasthan.gov.in. The other details of tenders may be downloaded from official website of tourism department i.e. www.tourism.rajasthan.gov.in and for further enquiries contact on above address.
Principal/Member Secretary

(Anshul Kumar Singh)
Principal I/C/Member Secretary
DIPR/C/12335/2025

State Institute of Hotel Management
Village Narpura, Near Thermal Power Station, Dholpur (Raj.)
E-mail:-sihmdholpur@gmail.com, Mob. no: 9928746162

Ref: SIHMDHO/2025/Bid-1 to 5/122 Date: 27/08/2025

E-Bid Notice

SIHM Dholpur under Department of Tourism, Govt. of Rajasthan invites e-Bid for the purchase of equipment and Furniture for the institute for FY 2025-26.

Bid Reference Number: SIHMDholpur/2025/tender/95-99/1-5

Bid Submission End Date & Time	Bid opening Date & Time	Approx. Bid value	Bid Document Fee	NIB Details/ UBN No.
08/09/2025, 2:00 PM	08/09/2025, 4:00 PM			
Name of Work				
Supply, Installation and Maintenance of Kitchen, Restaurant Equipment & Furniture (SS & MS)		75 Lakhs	Rs. 2000/-	TOU2526 A0030
Supply of Light Equipments for Kitchen, Restaurant & Other Laboratories		25 Lakhs	Rs. 1000/-	TOU2526 A0031
Supply and installation of Housekeeping Heavy & Light Equipments with Linen and furnishing items		25 Lakhs	Rs. 1000/-	TOU2526 A0032
Supply and Installation Maintenance of Furnitures for Classrooms, Offices and other Laboratories		30 Lakhs	Rs. 1000/-	TOU2526 A0033
Supply, Installation&Maintenance of Computers, Networking, CCTV and other appliances		40 Lakhs	Rs. 1000/-	TOU2526 A0034

Interested bidders eligible as per qualification criteria may submit their response to the Bid through e-procurement portal www.eproc.rajasthan.gov.in, https://sppp.rajasthan.gov.in.The other details of tenders may bedownloaded from official website of tourism department i.e. www.tourism.rajasthan.gov.in and for further enquiries contact on above address.

DIPR/C/12333/2025 Principal/Member Secretary

मुख्यमंत्री भजनलाल ने अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों में राहत के लिए उठाये विशेष कदम

घग्गर नदी में पानी की बढ़ती आवक को देखते हुए हनुमानगढ़ जिला प्रशासन को पंजाब और हरियाणा सरकार से समन्वय बनाकर सतर्क रहने को कहा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को प्रदेश में अतिवृष्टि सहित विभिन्न मुद्दों पर उच्च स्तरीय बैठक बुलाई। उन्होंने कहा कि कि कोई भी प्रभावित व्यक्ति सरकारी सहायता से वंचित न रहे। अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों में 2 सितम्बर से तीन दिवसीय विशेष राहत अभियान चलाया जाएगा, जिसमें पीड़ितों को नियमानुसार सहायता राशि व जरूरी राहत दी जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि फसलों की गिरदावरी रिपोर्ट शीघ्र भेजी जाए ताकि किसानों को समय पर मुआवजा मिल सके।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को प्रदेश में अतिवृष्टि सहित विभिन्न मुद्दों पर उच्च स्तरीय बैठक बुलाई।

- **मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि, फसलों की गिरदावरी रिपोर्ट शीघ्र भेजी जाए, ताकि किसानों को समय पर मुआवजा मिल सके**
- **मुख्यमंत्री ने घोषणा की है कि 15 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक ''शहर चलो अभियान'' तथा 18 सितम्बर से ''गांव चलो अभियान'' की शुरुआत की जाकर समस्याओं का निस्तारण किया जायेगा**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि राज्य सरकार प्रदेश की 8 करोड़ जनता को पारदर्शी, जवाबदेह और संवेदनशील सुशासन देने के लिए संकल्पबद्ध है। घग्गर नदी में पानी की बढ़ती आवक को देखते हुए हनुमानगढ़ जिला प्रशासन को पंजाब और हरियाणा से समन्वय बनाकर सतर्क रहने को कहा गया है। जानकारी के अनुसार, प्रदेश के 21 जिलों में असामान्य और 16 जिलों में सामान्य से अधिक बारिश हुई हैं। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि 15 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक ''शहर चलो अभियान'' चलाया जाएगा। इसमें सफाई व्यवस्था, स्ट्रीट लाइट, आवारा पशुओं की रोकथाम, सड़क मरम्मत और शहरी समस्याओं के निस्तारण जैसे कार्य होंगे। वहीं 18 सितम्बर से ''गांव चलो अभियान'' की शुरुआत होगी, जो प्रत्येक पंचायत समिति की दो ग्राम पंचायतों में सप्ताह में तीन दिन संचालित किया जाएगा। इसमें सरकारी योजनाओं से जुड़े आवेदन, स्वास्थ्य शिविर, विद्यालयों की मरम्मत और बीज किट वितरण जैसे जनोपयोगी कार्य होंगे। इसके अतिरिक्त 2 से 15 अक्टूबर तक सहकार सदस्यता अभियान भी चलाया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी कार्यों में लापरवाही और भ्रष्टाचार कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने जिला कलेक्टर्स को निर्देश दिए कि अनुशासनहीन, लापरवाह और भ्रष्ट कार्मिकों की सूची बनाकर राज्य सरकार को भेजी जाए ताकि उन पर कार्रवाई की जा सके। वहीं, समर्पित और ईमानदार कर्मचारियों को सम्मानित करने की भी बात कही गई। त्यौंहारी सीजन को देखते हुए मुख्यमंत्री ने पुलिस प्रशासन को निर्देश दिए कि मंदिरों, धार्मिक स्थलों और पर्यटन स्थलों पर विशेष सतर्कता बरती जाए। साथ ही, आपराधिक घटनाओं पर त्वरित और सख्त कार्रवाई कर आमजन में कानून व्यवस्था के प्रति विश्वास बनाए रखा जाए।

उन्होंने कहा कि विद्यालय, आंगनबाड़ी और अस्पतालों के भवनों की मरम्मत और निर्माण के प्रस्ताव जल्द भेजे जाएं।

पीएम स्वनिधि, खाद्य सुरक्षा, लखपति दीदी और पीएम कुसुम जैसी योजनाओं में पात्र लोगों को तेजी से जोड़ने के निर्देश भी दिए। बैठक में मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक सहित सभी वरिष्ठ प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी मौजूद रहे, जबकि जिला कलेक्टर, संभागीय आयुक्त और पुलिस अधीक्षक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

खराब मौसम ने रोकी अमित शाह के विमान की राह

- **दिल्ली की बजाय जयपुर में हुई लैंडिंग, कुछ देर बाद वापस रवाना हुए**
- **बताया जा रहा है कि अमित शाह, जम्मू कश्मारी दौरे से वापस दिल्ली लौट रहे थे**

जयपुर। सोमवार शाम को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का विमान खराब मौसम के चलते दिल्ली में लैंड नहीं कर पाया और उसे जयपुर डायवर्ट कर दिया गया। शाह जम्मू-कश्मीर दौरे के बाद दिल्ली लौट रहे थे, लेकिन दिल्ली में अचानक मौसम बिगड़ने से एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने उनके स्पेशल एयरक्राफ्ट को जयपुर एयरपोर्ट पर उतारने का फैसला लिया।

अमित शाह का विशेष विमान शाम 7 बजकर 54 मिनट पर जयपुर एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंड हुआ। जैसे ही विमान के डायवर्ट होने की सूचना मिली, जयपुर प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गईं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, मुख्य सचिव और डीजीपी खुद एयरपोर्ट पर मौजूद रहे और गृहमंत्री का स्वागत किया।

गौरतलब है कि गृहमंत्री अमित शाह सोमवार को जम्मू के दौरे पर थे, जहां उन्होंने कई अहम सुरक्षा बैठकों में भाग लिया। दौरे के बाद वह बीएसएफ के स्पेशल एयरक्राफ्ट से दिल्ली रवाना हुए थे। लेकिन दिल्ली में खराब मौसम और कम विजिबिलिटी के कारण विमान की लैंडिंग संभव नहीं हो पाई। इसके बाद एटीसी ने त्वरित निर्णय लेते हुए विमान को जयपुर डायवर्ट कर दिया। जयपुर में कुछ देर रुकने के बाद जैसे ही मौसम में सुधार हुआ, अमित शाह का विमान दोबारा दिल्ली के लिए रवाना हो गया। इस घटना से एक बार फिर यह स्पष्ट हुआ कि मौसम की अनिश्चितता के चलते वीवीआईपी मूवमेंट पर भी प्रभाव पड़ सकता है, लेकिन प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों ने तत्परता दिखाते हुए स्थिति को अच्छी तरह संभाला।

हेलिकॉप्टर से डीग जा रहे चार मंत्रियों को खराब मौसम के चलते वापस जयपुर लौटना पड़ा

- **बताया जा रहा है कि सोमवार को मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म का जन्मदिन था, जिसे मनाने के लिए वे जयपुर से डीग जाने वाले थे, लेकिन खराब मौसम ने उनकी योजना पर पानी फेर दिया**
- **बताया जा रहा है कि मंत्री बेढम के साथ इस हेलीकॉप्टर में यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा, सहकारिता मंत्री गौतम दक और उद्योग राज्य मंत्री कृष्ण कुमार बिश्नोई भी सवार थे।**

जयपुर। जयपुर से नगर (डीग) के लिए हेलिकॉप्टर से रवाना हुए गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम और तीन अन्य मंत्रियों को खराब मौसम के चलते वापस जयपुर लौटना पड़ा। सोमवार को मंत्री बेढम का जन्मदिन था, जिसे मनाने के लिए वे जयपुर से डीग जाने वाले थे, लेकिन मौसम ने उनकी योजना पर पानी फेर दिया। मंत्री बेढम के साथ शहरी विकास एवं आवास मंत्री झाबर सिंह खर्रा, सहकारिता मंत्री गौतम दक और उद्योग एवं खेल राज्य मंत्री कृष्ण कुमार बिश्नोई भी हेलिकॉप्टर में सवार थे। चारों मंत्री जयपुर के एवन हेलीपैड मलिकपुर से दोपहर करीब 1:30 बजे उड़ान भरकर डीग के लिए रवाना हुए। उड़ान के शुरुआती 40 मिनट तक मौसम सामान्य रहा, लेकिन जैसे ही हेलिकॉप्टर अलवर के नजदीक पहुंचा, मौसम अचानक खराब हो गया।

पायलट ने घने बादलों और कम दृश्यता को देखते हुए आगे की उड़ान को असुरक्षित करार दिया और एयर ट्रैफिक कंट्रोल यूनिट से संपर्क कर हेलिकॉप्टर को वापस जयपुर ले जाने का निर्णय लिया। दोपहर 2:52 बजे हेलिकॉप्टर सुरक्षित रूप से एवन हेलीपैड पर लैंड कर गया। इसके बाद मंत्री बेढम, मंत्री गौतम दक और झाबर सिंह खर्रा सड़क मार्ग से डीग के लिए रवाना हुए। वहीं उद्योग एवं खेल राज्य मंत्री कृष्ण कुमार बिश्नोई ने दिल्ली के लिए प्रस्थान कर लिया। एवन हेलिकॉप्टर्स प्राइवेट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर सोहन सिंह नाथावत ने बताया कि उड़ान से पहले मौसम पूरी तरह साफ था। अलवर तक किसी प्रकार की कोई मौसम संबंधी समस्या नहीं आई, लेकिन अलवर के आगे मौसम अचानक बिगड़ गया और घने बादलों के कारण दृश्यता बेहद कम हो गई। नाथावत के अनुसार, पायलट ने सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए समय रहते निर्णय लिया और यात्रियों को सुरक्षित रूप से वापस पहुंचाया। हेलिकॉप्टर में सवार सभी मंत्री सकुशल जयपुर लौट आए। इस बीच, डीग (नगर) में मंत्री जवाहर सिंह बेढम के जन्मदिन के उपलक्ष्य में एक जनसभा का आयोजन किया गया था, जिसमें बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और आम नागरिक शामिल हुए। हालांकि खराब मौसम के कारण मंत्री बेढम निर्धारित समय पर कार्यक्रम स्थल नहीं पहुंच सके, लेकिन वे बाद में सड़क मार्ग से डीग पहुंचकर जनसभा में शामिल हुए। मौसम की यह अनहोनी घटना भले ही यात्रा में बाधा बनी, लेकिन मंत्री बेढम का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया।

'लापरवाही से जयपुर की सड़कों पर मौत का तांडव'

- **नगर निगम और बिजली विभाग जिम्मेदार : गिरिराज खंडेलवाल**

जयपुर। शहर की लापरवाह व्यवस्था ने एक और घर का चिराग बुझा दिया। अजमेर रोड पर गड्ढे में बाइक फिसलने के बाद जब युवक ने खुद को संभालने के लिए सड़क किनारे लगे पोल को पकड़ा, तो उसमें करंट दौड़ रहा था और युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक अजय, परिवार का इकलौता सहारा था जिसकी शादी नवंबर में होनी थी। अब घर मातम में डूबा है।

इस दर्दनाक घटना पर नगर निगम जयपुर के पूर्व नेता प्रतिपक्ष रहे गिरिराज खंडेलवाल ने नगर निगम और बिजली विभाग को सीधा जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि यह कोई हादसा नहीं, बल्कि प्रशासन की घोर लापरवाही से हुआ कत्ल है। बार-बार शिकायतों के बावजूद गड्ढों को नहीं भरा गया। बिजली विभाग की घोर लापरवाही के चलते खुले पड़े तारों से पोल में दौड़ रहे करंट से एक युवा की जान चली गई। उन्होंने कहा कि राजधानी के अनेक क्षेत्रों में खुले पडे हैं तार व सड़को पर गड्ढे निगम और बिजली विभाग मौत बांट रहे हैं और सरकार मूकदर्शक बनी बैठी है। खंडेलवाल ने निगम प्रशासन व बिजली विभाग पर सवाल उठाते हुए कहा की आखिर नगर निगम और बिजली विभाग किसकी शह पर इतनी बड़ी लापरवाही कर रहे हैं? गिरिराज खंडेलवाल ने सरकार की कार्यशैली पर आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि, आखिर कब तक जयपुर की सड़कोंपर मासूम जानें इस नाकारा सिस्टम के कारण कुर्बान होंगी, जयपुर की सड़कों पर हर कदम पर मौत खड़ी है ।

उन्होंने मांग की है कि मृतक परिवार को कम से कम 50 लाख रुपये का मुआवजा तुरंत दिया जाए। साथ ही नगर निगम और बिजली विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों पर हत्या का मुकदमा दर्ज कर उनके खिलाफ दंडनात्मक कार्यवाही हो व मुख्यमंत्री स्वयं मामले की जवाबदेही तय करें और पूरे शहर में करंट युक्त पोल व खतरनाक गड्ढों को तुरंत दुरुस्त करने की कार्यवाही करें। खंडेलवाल ने चेतावनी दी कि यदि सरकार अब भी नहीं चेती, तो कांग्रेस जनता के साथ मिलकर सड़क से सदन तक आंदोलन करेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने अवैध बजरी खनन पर जवाब मांगा

जयपुर । सुप्रीम कोर्ट ने प्रदेश में चल रहे अवैध बजरी खनन व परिवहन के मामले को गंभीरता से लेते हुए केन्द्र व राज्य सरकार से जवाब देने के लिए कहा है। मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने यह आदेश सोमवार को ऑल राजस्थान बजरी ट्रक ऑपरेटर्स वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष नवीन शर्मा की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया। वहीं सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका के साथ ही बजरी लीज होल्डर की पेंडिंग चल रही एसएलपी को भी सूचीबद्ध करने के लिए कहा है। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि प्रदेश में बड़े पैमाने पर बजरी का अवैध खनन और परिवहन किया जा रहा है। इसके चलते वैध बजरी ट्रक ऑपरेटर्स का व्यवसाय भी खत्म हो रहा है। वहीं अवैध खनन के चलते आमजन को ऊंची कीमत पर बजरी की खरीद करनी पड़ रही है। इसके अलावा अवैध बजरी खनन से पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचा है। अवैध बजरी खनन में बजरी माफियाओं को स्थानीय राजनीतिक लोगों व पुलिस अफसरों का भी संरक्षण मिला हुआ है और इसके चलते ही वे बेखौफ होकर वे बजरी का अवैध कारोबार कर रहे हैं। अवैध वाहनों में ओवरलोड बजरी का परिवहन किया जा रहा है। इतना ही नहीं वे अवैध बजरी खनन को रोक ने वाले लोगों के खिलाफ भी आपराधिक गतिविधियां भी कर रहे हैं।

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त को सजा

- **वारदात के लिए जगह मुहैया कराने वाले युवक को भी जेल**

जयपुर । पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-1 महानगर प्रथम ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने वाले 19 वर्षीय अभियुक्त कुलदीप मीणा को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अपराध के लिए कमरा मुहैया कराने वाले 20 वर्षीय अभियुक्त राजदेव मीणा को दस साल की सजा दी है।

अदालत ने दोनों अभियुक्तों पर कुल 70 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया लगाया है। पीठासीन अधिकारी मीना अवस्थी ने अभियुक्त ने नाबालिग को न केवल शारीरिक और भावनात्मक क्षित पहुंचाई, बल्कि उसकी गरिमा को आहत करने वाला ऐसा अपराध किया है, जिसकी कटु स्मृति उसे जीवनभर रहेगी। ऐसे में अभियुक्तों के प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता।

अभियोजन पक्ष की ओर से एसएस राजावत ने अदालत को बताया कि पीडिता की मां ने 31 अगस्त, 2024 को प्रताप नगर थाना पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि उसकी 17 साल की बेटी निजी कॉलेज में पढती है। अपनी पढाई के लिए किराए पर कमरा लेकर रहती है। अभियुक्त कुलदीप मीणा उसके कुछ दिनों पहले बहला-फुसलाकर प्रतापनगर के एक फ्लैट में ले गया और उसके साथ दुष्कर्म कर अश्लील वीडियो बना लिया। इसके साथ ही वह उसे वीडियो वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल कर रहा है। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए अदालत ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। वहीं साक्ष्य के आधार पर अदालत ने राजदेव मीणा को अलग से तलब किया। सुनवाई के दौरान पीडिता ने अदालत को बताया कि वह अप्रैल, 2024 से कुलदीप से सोशल मीडिया पर बात करती थी।

इसके बाद वह पढाई के लिए जयपुर आ गई। वहीं कुलदीप ने उसके वीडियो चैट के कुछ स्क्रीनशॉट और बाद में मिलकर साधारण फोटो लेकर उसे परिजनों को नहीं दिखाने की एवज में एकांत में मिलने बुलाया। इस पर वह उससे मिलने चली गई। इस दौरान अभियुक्त उसे एक बिल्डिंग में ले गया। जहां राज मीणा ने बिल्डिंग में एंटी कराई और उन दोनों को एक खाली फ्लैट में छोड़कर चला गया। यहां कुलदीप ने उसके साथ दुष्कर्म किया और अश्लील वीडियो भी बना लिया। घटना के बाद उसने अभियुक्त का फोन उठाना बंद कर दिया तो वह उसके कमरे पर आकर धमकाने लगा। इस पर उसने अपनी मां को घटना की जानकारी दी।

संवेदनशील मुद्दों पर राजनीति से बचने का आग्रह

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली को सर्वदलीय बैठक में उपस्थित होकर अपने सुझाव एवं प्रस्ताव रखने चाहिए थे। उन्होंने कहा कि सर्वदलीय बैठक का उद्देश्य पक्ष-विपक्ष के सदस्यों द्वारा दिए गए प्रस्तावों पर व्यापक विचार-विमर्श कर उन्हें सदन की कार्यवाही में शामिल करना होता है।

देवनानी ने कहा कि दुर्भाग्यवश नेता प्रतिपक्ष बैठक में शामिल नहीं हुए और इसके विपरीत सोमवार को सदन की कार्यवाही के दौरान व्यवधान उत्पन्न कर उसे बाधित करने का प्रयास किया। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक प्रक्रिया के प्रतिकूल बताया और कहा कि इस प्रकार की घटनाओं से सदन की गरिमा प्रभावित होती है। विधानसभा अध्यक्ष ने हाल ही में झालावाड़ विद्यालय में घटित दुखद घटना सहित राज्य के अन्य विद्यालयों में हुई ऐसी घटनाओं को अत्यंत गंभीर और संवेदनशील बताते हुए कहा कि इन सभी मामलों के प्रस्ताव शिक्षा विभाग से मंगवाए गए हैं। इन प्रस्तावों पर उचित समय पर सदन में विस्तृत चर्चा कर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। देवनानी ने कहा कि राज्य सरकार और सभी जनप्रतिनिधि शोकसंतप्त परिवारों के साथ खड़े हैं। उन्होंने अपील की कि ऐसे संवेदनशील मुद्दों पर राजनीति न कर विपक्ष को सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए।

लोकतंत्र में वोट का अधिकार छीनने से बड़ा कोई पाप नहीं : सचिन पायलट

कांग्रेस एस.सी. विभाग की नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष ममता भूपेश के पदभार ग्रहण समारोह में सचिन पायलट ने वोट चोरी के मुद्दे पर सरकार को घेरा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। ए.आई.सी.सी. महासचिव और राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कहा कि लोकतंत्र में लोगों से वोट का अधिकार छीनने से बड़ा कोई पाप नहीं हो सकता है। जो दलित हैं, वंचित हैं, पिछड़ा है, आदिवासी हैं, उन लोगों के अधिकार को छीना जा रहा है। संविधान को बदलने की बात कही जा रही है। राहुल गांधी कह रहे हैं कि वोट चोरी हुई है। वोट चोरी गरीब, आदिवासी और किसान की हो रही है, जो अंतिम छोर पर बैठा हुआ है, उसकी हो रही है। सचिन पायलट ने यह बात सोमवार को राजस्थान कांग्रेस एस.सी. विभाग की नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष ममता भूपेश के पदभार ग्रहण समारोह में कही।

सचिन पायलट ने कहा कि हम इंडिया गठबंधन के तहत काम कर रहे हैं और जो अधिकार संविधान ने दिए हैं, उसे किसी भी कीमत पर छिनने नहीं देंगे। पायलट ने कहा कि जो लोग आज 11 साल से सत्ता में बैठे हैं, उन्होंने संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने का काम किया है। हम चुनाव आयोग से सवाल करते हैं, लेकिन भाजपा के प्रवक्ता उसका जवाब देते है।

सचिन पायलट ने कहा कि ममता भूपेश को एस.सी. विभाग का अध्यक्ष बनाया गया है, वो लंबे समय तक पार्टी में काम कर चुकी है। पूर्व मंत्री रह चुकी हैं और एससी समाज को कांग्रेस से जोड़ने के लिए प्रेरित करेंगी।

ए.आई.सी.सी. महासचिव और पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने सोमवार को राजस्थान कांग्रेस एस.सी. विभाग की नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष ममता भूपेश को पदभार ग्रहण करवाया। इस मौके पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, राजस्थान कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा तथा कांग्रेस एससी विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेंद्र पाल गौतम मौजूद थे।

- **ए.आई.सी.सी. महासचिव पायलट ने कहा कि, ''राहुल गांधी कह रहे हैं कि वोट चोरी हुई है। वोट चोरी गरीब, आदिवासी और किसान की हो रही है, जो अंतिम छोर पर बैठा हुआ है, उसकी हो रही है।''**
- **सचिन पायलट ने कहा कि ''ममता भूपेश को एस.सी. विभाग का अध्यक्ष बनाया गया है, वो लंबे समय तक पार्टी में काम कर चुकी है। पूर्व मंत्री रह चुकी हैं और एससी समाज को कांग्रेस से जोड़ने के लिए प्रेरित करेंगी।**

सचिन पायलट ने कहा कि राहुल गांधी उनसे रिकॉर्ड मांग रहे हैं। सीसीटीवी फुटेज मांग रहे हैं, लेकिन वह सीसीटीवी फुटेज डिलीट करना चाह रहे है, इसको जानता बर्दाश्त नहीं करेगी। साल 2028 में राजस्थान के साथ-साथ छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में भी प्रचंड बहुमत से कांग्रेस की सरकार बनेगी और साल 2029 में होने वाले लोकसभा चुनाव में भी प्रचंड बहुमत से इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि वोट चोरी का मुद्दा कोई छोटा नहीं है, देश में वोट चोरी करके सरकार बनाई जा रही है। राहुल गांधी ने इस मुद्दे को पूरे देश में उठाया है और अब जनता भी जानने लग गई है कि वोट चोरी करके सरकार बनाई जा रही है।

जूली ने कहा कि बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर ने संविधान देकर एससी-एसटी के अधिकारों को सुरक्षित किया है, लेकिन ये सरकार उन अधिकारियों को ही खत्म करने का प्रयास कर रही है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि एससी वर्ग के उत्थान के लिए कांग्रेस ने खूब काम किए है। यही वजह है कि यह समाज हमेशा से कांग्रेस के साथ जुड़ रहा है। ममता भूपेश को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है, वो ब्लॉक और जिले लेवल पर भी दौरे करें और ज्यादा से ज्यादा तादाद में एससी समाज को कांग्रेस से जोड़े।

कांग्रेस एससी विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेंद्र पाल गौतम का कहना है कि प्राइवेट स्कूलों का खर्चा बहुत ज्यादा है। दलित वंचित, आदिवासी वर्ग के लोग प्राइवेट स्कूल का खर्च नहीं उठा सकते हैं। राजस्थान सही देश के तमाम राज्यों में सरकारी स्कूल लगातार बंद किया जा रहे है। छठवां-पे कमीशन लाकर सरकार पहले ही चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी की भर्ती को ठेके में दे चुकी है। यहां तक कि ग्रुप ए, ग्रुप बी और ग्रुप सी की भर्ती भी ठेके पर की जा रही है।

राजेंद्र पाल गौतम ने कहा कि वोट चोरी आज देश में सबसे बड़ा मुद्दा है, क्योंकि अगर बिहार में 65 लाख वोट काट दिए गए थे। अगर उसको मुद्दा नहीं बनाया जाता और लोगों को जागरूक नहीं किया जाता। कोर्ट में पिटीशन नहीं डाली जाती तो वो वोटर वापस नहीं जुड़ पाते, जिनके नाम काटे गए थे। बाद में उसमें आधार कार्ड भी शामिल किया गया, राशन कार्ड भी शामिल किया गया और जिन लोगों के वोट काटे गए थे, उनके वोट जुड़वाने में हम कामयाब हुए है। राजेंद्र पाल गौतम ने कहा कि एक-एक पत्ते पर 600-700 के लोगों के नाम जुड़े हुए हैं, वहां जाकर देख रहे हैं तो वो बिल्डिंग बरसों से बंद पड़ी है, उसमें ताला लगा हुआ है। फिर कैसे चुनाव आयोग निष्पक्ष चुनाव की बात कर सकता है, लेकिन भाजपा इसका बचाव कर रही है। राजेंद्र पाल गौतम ने कहा कि ईवीएम को भी चुनाव से हटाना चाहिए. इलेक्शन कमीशन कह रहा है कि ईवीएम को हैक करके बताओ। जब आप मशीन को छूने ही नहीं दोगे तो इंजीनियर कैसे चेक करेगा कि उसमें क्या लगा हुआ है, क्या प्रोग्रामिंग की गई है। कुछ गड़बड़ नहीं है तो फिर उसमें टाइमर क्यों लगाया गया है।

अफसरों पर की गई कार्रवाई की रिपोर्ट तलब

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने झुंझुनूं जिले में जमीनों की खरीद-बेचान के दौरान रजिस्ट्री शुल्क में हेरफेर करने के मामले में राज्य सरकार से रिपोर्ट तलब की है। अदालत ने राज्य सरकार को कहा है कि वह मामले में अफसरों पर की गई विभागीय कार्रवाई का परिणाम अदालत में पेश करे।

इसके साथ ही अदालत ने पूछा है कि क्या मामले में एसीबी में भी मामला दर्ज कराया गया है। जस्टिस एसपी शर्मा और जस्टिस संजीत पुरोहित की खंडपीठ ने यह आदेश पब्लिक अगेंस्ट करप्शन की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता पीसी भंडारी और अधिवक्ता टीएन शर्मा ने बताया कि साल 2018 से 2020 के बीच झुंझुनूं जिले में जमीनों की रजिस्ट्रियां हुई थी। इनमें से कई व्यावसायिक जमीनों को मिलीभगत कर आवासीय बताया गया और करोड़ों रुपए के राजस्व का नुकसान पहुंचाया गया।

इस संबंध में याचिकाकर्ता की ओर से सक्षम स्तर पर शिकायतें दी गई। वहीं विभाग की जांच में करोडों रुपए के राजस्व की हानि को प्रमाणित पाया और अधिकारियों को दोषी माना, लेकिन लंबा समय बीतने के बाद भी इन अफसरों पर कार्रवाई नहीं की गई। यहां तक की उनका तबादला तक नहीं किया गया। इसके जवाब में राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता विज्ञान शाह ने अदालत को बताया कि संबंधित अधिकारियों के खिलाफ विभाग ने चार्जशीट जारी कर दी है। इस पर अदालत ने चार्जशीट के परिणाम की जानकारी अदालत में पेश करने के आदेश देते हुए पूछा है कि क्या मामले में एसीबी में भी मामला दर्ज कराया गया है।

गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सुविधाएं दो : डॉ. गावंडे

जालोर.(नि.सं.)। जिला कलैक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे की अध्यक्षता में सोमवार को कलैक्ट्रेट सभागार में साप्ताहिक समीक्षा बैठक संपन्न हुई।

बैठक में जिला कलैक्टर ने चिकित्सा विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे जिले के नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करें। उन्होंने जिले के स्वास्थ्य केंद्रों पर आमजन के लिए उपलब्ध दवाईयों की उपलब्धता, जांच सुविधाएँ, टीकाकरण सुविधा, संस्थागत प्रसव सुविधा, स्कूलों में पिंक एवं ब्लू टेबलेट वितरण, लाडो प्रोत्साहन योजना कि वर्तमान प्रगति के बारे में जानकारी ली तथा मानसून के दौरान संभावित मौसमी बीमारियों की रोकथाम हेतु नियमित रूप से एंटी लार्वा एक्टिविटी करवाने के निर्देश दिए।

जिला कलैक्टर ने नर्मदा प्रोजेक्ट के अधिकारियों से जल जीवन मिशन योजना के अंतर्गत एफआर, डीआर, आर, सीलू जैसला भाटकी परियोजना की वर्तमान प्रगति के बारे में जानकारी लेते हुए हर घर जल योजना के तहत अधिक संख्या में पात्र नागरिकों को एफएचटीसी कनेक्शन देने एवं पेयजल उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए।

जालोर में जिला कलैक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में साप्ताहिक समीक्षा बैठक हुई। फोटो-राष्ट्रदूत

जिला कलैक्टर ने संपर्क पोर्टल पर प्राप्त परिवेदनाओं को विभागवार समीक्षा की तथा विभागीय अधिकारियों को संपर्क पोर्टल पर प्राप्त आमजन की परिवेदनाओं का त्वरित रूप से निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले में राज्य सरकार के निर्देशानुसार ग्राम एवं ब्लॉक स्तर पर आयोजित होने वाली जनसुनवाई एवं समाधान व्यवस्था शिविर की समीक्षा करते हुए कहा कि विभागीय अधिकारी जनसुनवाई के दौरान जिले के लोगों की परिवेदनाओं का गुणवत्तापूर्ण समाधान करें।

इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता पीएच डी संजय शर्मा, जिला रसद अधिकारी आलोक झरवाल, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के उप निदेशक धनसिंह राजपुरोहित, संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के संयुक्त निदेशक कपिल लुणा, बीसीएमओ डॉ भजनलाल बिश्नोई आदि उपस्थित रहे।

'स्वयं रूदन करते हैं, लेकिन दोष दूसरों पर'

जोधपुर. (कासं)। चौरड़िया भवन में विराजित सुमति मुनि ने कहा कि हम स्व आत्मा में आने की जगह बाह्य काल्पनिक दृश्यों में जाकर खुश होते हैं। आज मंजू गोगड 14 की तपस्या एवं गौतम मुथा ने 15 की तपस्या के पचक्खाण ग्रहण किये।

उन्होंने कहा कि जब रेल चलती है तो दृश्यो से ऐसा लगता है कि मकान, वृक्ष, खेत आदि गतिमान है लेकिन वे तो स्थिर है। बाहर के व्यक्तियों, दृश्यों को देखने पर संसार आश्चर्य लगता है, हमारी आत्मा अनन्त शक्ति संपन्न है फिर भी यह जीव भीख मांगता है कि मुझे ये नहीं मिला, अच्छा नहीं मिला, बाहरी स्थितियों के रुदन करते है। बच्चा जब रोता है तो उसको शांत करने के लिए उसका ध्यान हटाने की कोशिश करते है। हम स्वयं रूदन करते है लेकिन उसका दोष दूसरों पर देते हैं। कपड़े की दुकान से मिठाई प्राप्त करना भ्रमणा है। जब तक हम बाहरी तथ्यों, वातावरण, स्थितियो से आँखे बंद नहीं करेंगे तब तक भीतर आत्मा से नहीं जुड़ सकते है। सूर्य बादलों से घिरा हुआ लेकिन फिर भी उसके प्रकाश किरणों से दिखाई देता है। यदि हम प्रकाश में आँखे बंद करेंगे तो प्रकाश नई दिखाई देंगा। हमारा चैतन्य ज्ञान का खजाना है इससे कोई अनजान नहीं रहे। कोई मकान खरीदते है उसके अन्दर खजाना होने की जानकारी मिलते ही आप खुश हो जाते है।

राज्यपाल ने बाबा रामदेव की समाधि के दर्शन किए

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने लोकदेवता बाबा रामदेवजी की समाधि के दर्शन किए। फोटो-राष्ट्रदूत

पोकरण,(निसं)। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने सोमवार को रामदेवरा पहुंचकर लोकदेवता बाबा रामदेवजी की समाधि के दर्शन किए एवं विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली एवं उत्तम स्वास्थ्य की मंगलकामना की। इस दौरान राज्यपाल ने परिसर में स्थित जम्मा जागरण स्थल पर बाबा रामदेव की रिक्खियों का श्रवण भी किया।

इस अवसर पर बाबा रामदेव वंशज गादीपति भोमसिंह तंवर ने मंदिर प्रबंधन समिति की ओर से राज्यपाल का साफा, दुपट्टा एवं बाबा रामदेवजी की तस्वीर भेंट कर पारंपरिक स्वागत किया गया। राज्यपाल ने बाबा रामदेवजी के आदर्शों और जनकल्याणकारी विचारों को स्मरण करते हुए कहा कि बाबा रामदेव जी सामाजिक समरसता, समानता एवं सेवा के प्रतीक हैं। उन्होंने अपने जीवन में हमेशा गरीबों, वंचितों और पीड़ितों के लिए कार्य किया। उनके सिद्धांत आज भी समाज को एक दिशा प्रदान करते हैं। उन्होंने देशभर से रामदेवरा आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की आस्था और श्रद्धा को अद्भुत बताया और प्रशासन द्वारा मेले में की गई व्यवस्थाओं की भी सराहना की। पोकरण विधायक महंत प्रतापपुरी, राज्यपाल के सचिव डॉ. पृथ्वी, जिला कलक्टर प्रताप सिंह, पुलिस अधीक्षक अभिषेक शिवहरे, अतिरिक्त जिला कलेक्टर परसाराम सैनी, उपखंड अधिकारी सक्षम गोयल, स्थानीय जनप्रतिनिधि, जिला प्रशासन के अधिकारी, मंदिर प्रबंधन समिति के पदाधिकारी सहित श्रद्धालु उपस्थित रहे।

छात्र संसद चुनाव संपन्न

सेंट एंस स्कूल जालोर में छात्र संसद चुनाव सम्पन्न हुए। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (का.सं.)। शिक्षा के साथ-साथ नेतृत्व, जिम्मेदारी और लोकतांत्रिक मूल्यों का समावेश ही किसी विद्यालय की वास्तविक पहचान होती है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए सेंट एंस स्कूल में आज भव्य आयोजन के तहत छात्र संसद चुनाव सम्पन्न हुए। इस अवसर पर विद्यालय परिसर लोकतांत्रिक वातावरण से सराबोर दिखाई दिया।

विधालय के कक्षा 3 से 10 तक के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक मतदान प्रक्रिया में भाग लिया। मतगणना के पश्चात परिणाम घोषित किए गए, जिनमें विजयी उम्मीदवारों ने अपने सहपाठियों का विश्वास अर्जित कर गौरव हासिल किया। चुनाव मेकमांडर बॉय कार्तिकी राजपुरोहित,कमांडर गर्ल आरूशी,रमन समूह कैप्टन अतुल, वाइस कैप्टन श्रेय, रामानुजन समूह कैप्टन अथर, वाइस कैप्टन महीमा दवे, बॉस समूह कैप्टन अनिल, वाइस कैप्टन परीक्षित, कलाम समूह कैप्टन मुकुल, वाइस कैप्टन यशस्वी चारण नियुक्त हुए।इसके अलावा सभी कक्षा में मॉनिटर के रूप में स्क्वाड लीडर का भी चयन कक्षा स्तर पर किया गया ।

संस्था प्रधान किशोर राजपुरोहित ने विजयी प्रत्याशियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि छात्र संसद विद्यालय प्रबंधन का महत्वपूर्ण अंग है, जो विद्यार्थियों को अनुशासन, जिम्मेदारी और नेतृत्व के गुणों से ओतप्रोत करता है। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था न केवल विद्यालय के प्रशासनिक कार्यों को सुचारु बनाती है बल्कि विद्यार्थियों के जीवन में लोकतांत्रिक मूल्यों की नींव भी मजबूत करती है।कार्यक्रम की संयोजक मीनाक्षी चौधरी ने समस्त विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि चुनाव प्रक्रिया बच्चों में पारदर्शिता, प्रतिस्पर्धा और सहयोग की भावना का विकास करती है।चुनाव परिणामों की घोषणा के साथ ही विद्यालय परिसर में हर्ष और उल्लास का वातावरण व्याप्त हो गया। विजयी उम्मीदवारों ने साथियों के सहयोग और विश्वास को जीवन भर बनाए रखने का संकल्प लिया।

विशाल व जगदीश को राष्ट्रपति अवार्ड

पाली, (नि.सं.)। भारत स्काउट व गाइड राष्ट्रीय मुख्यालय नई दिल्ली के तत्वावधान में दिनांक 29 अगस्त से 1 सितंबर तक नेशनल यूथ कॉम्प्लेक्स, गदपुरी में आयोजित राष्ट्रपति स्काउट, गाइड, रोवर, रेंजर अवार्ड रैली एवं राष्ट्रपति अवार्ड प्रमाण पत्र सेरेमनी में जिले के रोवर विशाल और जगदीश ने भाग लेकर 31 अगस्त 2025 को भारत मंडपम नई दिल्ली में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति अवार्ड प्रमाण पत्र प्राप्त किया। 2 सितंबर को जिला मुख्यालय पहुंचने पर दोनों रोवर का स्वागत एवं अभिनंदन किया जाएगा।

सी ओ स्काउट गोविन्द मीना ने बताया कि राष्ट्रपति अवार्ड प्रमाण पत्र प्राप्त करना न केवल व्यक्तिगत उपलब्धि है बल्कि अपने परिवार, समाज, शिक्षण संस्थान, जिला और प्रदेश को भी गौरवान्वित किया है। पाली जिले की दोनों रोवर की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर अध्यक्ष महेंद्र बोहरा, सहायक स्टेट कमिश्नर नूतन बाला कपिला, सी. ओ. गाइड निशु कंवर, जिला प्रशिक्षण आयुक्त प्रकाश चंद्र सिंघाड़िया, पुरुषोत्तम पुरी गोस्वामी, प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर पाली बसंत परिहार, रोवर लीडर प्रभु प्रजापति, उपाध्यक्ष ताराचंद जैन, तारा चंद जैन, आर सी वैष्णव, पूनम तिवारी, सीमा त्रिवेदी, मनोज लखेरा, रमेश चंद जैन, ओमप्रकाश परिहार, समस्त स्थानीय संघ सचिव, प्रभारी सहायक कमिश्नर, स्काउट गाइड परिवार पाली ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

सोमती देवी ने राज्यपाल के कार्यकाल पुस्तिका का लोकार्पण के किया

पोकरण , (नि.सं.)। रामदेवरा राजस्थान के इतिहास में वह क्षण सदा के लिए स्वर्णिम अक्षरों में अंकित हो गया, जब राज्यपाल हरिभाऊ बागडे के आग्रह पर सोमवार का उनके एक वर्ष के कार्यकाल की पुस्तक ''अभ्युदय की ओर'' का लोकार्पणे रामदेवरा की भीलों का बास निवासी सोमती देवी ने किया।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने अपने एक वर्ष का कार्यकाल आदिवासी, जनजाति और गांव गरीब के लोगों को समर्पित किया है। उनकी यह मंशा थी कि उनके एक वर्ष कार्यकाल की पुस्तक का लोकार्पण लोक आस्था के पावन धाम में किसी महिला से हो। भीलों का बास निवासी सोमती देवी को इसके लिए चुना गया। राज्यपाल ने कहा कि ''अभ्युदय की ओर'' का अर्थ है, सर्व कल्याण/सबकी उन्नित/सबके समान उत्थान के लिए कार्य। उन्होंने रामदेवरा की महिला सोमती द्वारा ''अभ्युदय की ओर'' पुस्तक लोकार्पण के लिए आभार भी जताया।

उल्लेखनीय है कि राज्यपाल श्री बागडे ने राजस्थान में अपने एक वर्ष के कार्यकाल को उदयपुर जिले की आदिवासी ग्राम पंचायत बिलवान कोटड़ा में मनाया था। एक वर्ष पूर्ण होने पर उन्होंने जनजातीय लोगों के मध्य ही रात्रि विश्राम कर उनसे मिल बैठ संवाद कर मनाया था। राज्यपाल के रूप पदभार ठाहण के बाद से ही राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे का निरंतर यह प्रयास रहा है कि सभी क्षेत्रों में राजस्थान अभ्युदय की ओर बढ़ें। इसी के तहत उन्होंने राज्य के विकास से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता देते हुए सभी जिलों का सघन दौरा किया। वहां के लोगों से संवाद किया। जिलों में केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं, विकास कार्यक्रमों, जन हित से जुड़ी नीतियों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया। पुस्तक में इस सबसे जुड़ी महती सामठाी संजोई गई है।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे के एक वर्ष के कार्यकाल की पुस्तक 'अभ्युदय की ओर' का लोकार्पण रामदेवरा में हुआ। फोटो-राष्ट्रदूत

पुस्तक में उनके द्वारा रासायनिक खेती के खतरों को देखते हुए प्राकृतिक खेती के लिए किए कार्य, सहकारिता की भावना के साथ सभी क्षेत्रों विकास के साझा प्रयास, डेयरी और आदिवासी क्षेत्रों में सर्वांगीण विकास के लिए किए कार्य और प्रदेश में विश्वविद्यालयों को उच्च गुणवत्ता की दृष्टि से समृद्ध किए जाने, नेक एक्रीडेशन आदि के लिए हुई पहल को संजोया गया है।

पोकरण विधायक महंत प्रतापपुरी, राज्यपाल के सचिव डॉ. पृथ्वी, महानिरीक्षक, सीमा सुरक्षा बल फ्रंटियर, जोधपुर एम. एल. गर्ग, डॉ. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल, सक्षम संस्था के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पुरुषोत्तम पुरोहित, प्रदेश सचिव कुलदीप मिश्रा, महासचिव खेताराम लीलड़, बाबा रामदेव वंशज गादीपति भोमसिंह तंवर, जिला स्तरीय अधिकारी सहित कई जने उपस्थित रहे।

नए विद्यार्थियों का स्वागत

पाली, (नि.सं.)। पाली शहर के खेरवा रोड स्थित कंकू विजय महाविद्यालय में सोमवार को नवीन सत्र का शुभारंभ किया गया।

महाविद्यालय के डॉ, करण सैन ने बताया कि कार्यक्रम का आगाज संस्था प्रबंधक अभिषेक जैन ने मां सरस्वती की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस मौके पर जैन ने कहा की सभी नवीन विद्यार्थी आज से वे अपनी जीवन के नए पड़ाव की ओर कदम रख रहे है। वे आगामी दिनों में अपना प्रशिक्षण पूरा करके निश्चित रूप से सफलता हासिल करके अपने लक्ष्य को प्राप्त करेंगे। कार्यक्रम में सभी नवांगतुक विद्यार्थियों का वरिष्ठ छात्राध्यापकों ने तिलक लगा कर रोली मोली और मिष्ठान से स्वागत किया। कार्यक्रम में , डॉ अंजना अरोड़ा, डॉ सुरेंद्र शर्मा एवं गोविन्द सैन ने शैक्षिणकजानकारी एवं शिक्षक महत्ता के बारे में उदबोधन दिया। दिनेश विश्नोई, प्रवीण द्विवेदी लता महावर आदि प्रवक्ताओ ने सभी के उज्जवल भविष्य की कामना की।

डॉ. मोहन भागवत जोधपुर में, समन्वय बैठक पांच से

जोधपुर, (कासं)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच जोधपुर पहुंचे। वे पांच से सात सितंबर तक अखिल भारतीय समन्वय बैठक में हिस्सा लेंगे।

बैठक में हिस्सा लेने के लिए आरएसएस के सरकार्यवाह व अन्य पदाधिकारी भी मंगलवार से जोधपुर पहुंचना शुरू होंगे। डॉ. भागवत नौ सितंबर की सुबह तक लालसागर स्थित आदर्श विद्या मंदिर में प्रवास करेंगे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तीन दिवसीय अखिल भारतीय समन्वय बैठक पांच से सितंबर को जोधपुर के लालसागर क्षेत्र में स्थित आदर्श विद्या मंदिर में होगी। यह बैठक हर साल होती है। पिछले साल सितंबर में यह पालक्काड़ (केरल) में हुई थी। इस बैठक में संघ प्रेरित 32 विविध संगठनों के चयनित पदाधिकारी सहभागी होते हैं। बैठक में सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले सहित सभी छह सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल, सीआर मुकुंद (केसी मुकुंद), अरुण कुमार, रामदत्त चक्रधर, अतुल लिमये और आलोक कुमार व अन्य प्रमुख पदाधिकारी, भाजपा से राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और संगठन महामंत्री बी.एल. संतोष भी इस बैठक में उपस्थित रहेंगे। इनके अलावा संघ विचारधारा वाले संगठनों में राष्ट्र सेविका समिति, वनवासी कल्याण आश्रम, विश्व हिंदू परिषद, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, भारतीय किसान संघ, विद्या भारती, भारतीय मजदूर संघ सहित 32 संगठनों के राष्ट्रीय अध्यक्ष, संगठन मंत्री एवं प्रमुख पदाधिकारी बैठक में हिस्सा लेंगे।

संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर के अनुसार बैठक में सभी संगठन कार्य क्षेत्र में अपने अनुभवों के आधार पर परिस्थितियों का आकलन प्रस्तुत करते हैं। राष्ट्रीय एकात्मता, सुरक्षा एवं सामाजिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण विषयों पर बैठक में व्यापक चर्चा और करणीय कार्यों में परस्पर समन्वय स्थापित करने के लिए आवश्यक कदमों की पहल होती है। हाल में हुई महत्वपूर्ण घटनाओं पर सामूहिक समीक्षात्मक विश्लेषण भी किया जाएगा।

बैठक में विविध संगठन के कार्यकर्ता अपने कार्य की जानकारी, उपलब्धियों और आगामी योजनाओं को भी प्रस्तुत करेंगे। संघ शताब्दी के कार्यक्रमों में सभी संगठनों की सहभागिता पर भी विचार-विमर्श अपेक्षित है। शताब्दी वर्ष के निमित्त संघ ने समाज के समक्ष पंच परिवर्तन का विचार रखा है, जिसमें राष्ट्र निर्माण, सेवा गतिविधियों और सामाजिक एकता के कार्यक्रम शामिल हैं।

राधाष्टमी महोत्सव मनाया, इस्कॉन मंदिर के लिए जमीन भेंट

पाली, (नि.सं.)। इस्कॉन पाली के द्वारा भाद्रपक्ष शुक्ल अष्टमी को राधाष्टमी महोत्सव का आयोजन किया गया। इस्कॉन के कार्तिक कृष्ण प्रभु ने बताया कि अमरनाथ नगर किसान केसरी गार्डन के पीछे पाली में स्थित इस्कॉन केन्द्र पर राधाष्टमी महोत्सव मनाया गया। इस्कॉन के कार्तिक कृष्ण प्रभु ने कथा/प्रवचन के माध्यम से श्री राधारानी के प्राकटय के बारे मे बताया।

प्रात: माला जप व मंगल आरती व फूलों से श्री श्री राधा-गोविन्दजी, श्री श्री गौर-निताई व इस्कॉन केन्द्र का विषेष श्रृंगार किया गया। फिर सायं 4:30 बजे से मुख्य कार्यक्रम शुरू हुआ जिसमें कीर्तन से कार्यक्रम की शुरूआत की फिर पंच तत्वो से श्रीराधा-गोविन्दजी का अभिषेक किया गया। उक्त अभिषेक को चरणामृत के रूप में भक्तों ने ग्रहण किया तथा श्रीराधा-कृष्णजी को छप्पन भोग लगाया। विशेष रूप से श्री राधा रानी जी को पांच मुख्य चीज अत्यधिक पंसद है कलर में नीला रंग जो श्री कृष्ण का है, मिष्ठान में रबड़ी, नमकीन में अरबी, प्रिय पर्व होली, पान बीडे का भोग लगता है तथा उसके बाद विशेष महाआरती की।

प्रतिक झंवर की पुण्य स्मृति में प्रतिक झंवर चेरीटेबल टस्ट, पाली द्वारा भव्य इस्कॉन मन्दिर बनाने के लिए 2 करोड़ की जमीन भेंट की गई। इस सहयोग के लिए उनके परिवार के सदस्य अंजली, राजकुमारी, वाणी, शिव करणजी झंवर का बहुमान किया गया। इस्कॉन के कार्तिक कृष्ण प्रभुजी ने बताया कि शीघ्र आंवटित जमीन पर भव्य मन्दिर बनेगा। श्री राधा-गोविन्दजी के आर्कषक विग्रह स्थापित किये जायेगा। मन्दिर के लिए जमीन भेंट करने वाले भामाषाह का आभार प्रकट किया।

आचार्य तुलसी विकास के पुरोधा थे : काव्य लता

पाली में जैन समाज के भवन साध्वियों के प्रवचन व विकास महोत्सव हुआ। फोटो-राष्ट्रदूत

पाली, (नि.सं.)। आज आयोजित विकास महोत्सव के अवसर पर साध्वी काव्यलता ने कहा कि आज का यह महोत्सव संघ को आचार्य महाप्रज्ञ जी का अमूल्य उपहार है। आचार्य तुलसी ने अपने अद्वितीय नेतृत्व से संघ का बहुमुखी विकास किया। उसी की बदौलत आज तेरापंथ धर्मसंघ विश्व पटल पर अपनी अलग पहचान बनाए हुए है। आचार्य तुलसी ने भिक्षु के प्रति अगाध श्रद्धा और कालुगणि के प्रति समर्पण भाव के साथ अपने शिष्य समुदाय का सर्वांगीण विकास किया।

आचार्य तुलसी का युग तेरापंथ का स्वर्णिम इतिहास बन गया। उन्होंने अनुशासन के साथ नया मोड़, समण श्रेणी,अणुव्रत,नैतिकता, प्रेक्षा ध्यान, नारी शिक्षा , जैन विश्व भारती और अहिंसा यात्रा जैसे नए अध्याय जोड़े। अपने पद का विसर्जन कर आपने

■ 'आचार्य तुलसी की बदौलत तेरापंथ धर्मसंघ ने विश्व पटल पर अलग पहचान बनाई'

जिनशासन में एक अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया।

साध्वी श्री जी ने कहा- आज मैं इस विकास यात्रा की कहानी अपनी जुबानी से बयाँ करने में समर्थ नहीं हूँ। केवल मंगल भावना करती हूँ कि यह दिन सदियों तक सदा बहार बना रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ तेरापंथ महिला मंडल की बहनों द्वारा मंगलाचरण से हुआ। साध्वी श्री ज्योतियशा जी, साध्वी श्री सुरभि प्रभा जी एवं साध्वी श्री राहत प्रभा जी ने तुलसी जैसा महाबली आता है सदियों बाद गीत की मधुर प्रस्तुति से सभा को भावविभोर कर दिया।

वरिष्ठ श्रावक डुंगरचंद चौपड़ा ने सारगर्भित वक्तव्य दिया। भाई शिखरचंद ने गीत के माध्यम से श्रद्धा भाव प्रकट किए।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की सदस्य एवं मारवाड़ प्रभारी विनीता बेगानी ने कहा कि आचार्य तुलसी नारी उत्थान के लिए कार्य करने वाले अद्वितीय प्रभावक आचार्य थे। उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

इस प्रकार श्रद्धा, भावुकता और कृतज्ञता से ओत-प्रोत यह दिवस आचार्य तुलसी के आदर्शों को नमन करने का प्रेरणास्पद अवसर बन गया। अंत में आज सुश्री पीनल गुलगुलिया द्वारा 9 की तपस्या का प्रत्याख्यान किया गया । मंगल पाठ के साथ कार्यक्रम का सुखद समापन हुआ।

माचिया किले को तीर्थ स्थल बनाएंगे : शेखावत

जोधपुर, (कासं)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने सोमवार को ऐतिहासिक माचिया किले पहुंच कर स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। कीर्ति स्तम्भ के समक्ष नमन किया। शेखावत ने स्वतंत्रता सेनानियों के इस पवित्र स्थल को विकसित करने के साथ माचिया पार्क का द्वितीय चरण में पर्यटन की दृष्टि से विकास करवाने पर विस्तार से अधिकारियों के साथ चर्चा की। उन्होंने पुराने किले का अवलोकन किया।

शेखावत ने बताया कि जोधपुर शहर से करीब 12 किलोमीटर दूर स्थित माचिया किला रियासतकालीन है। इसे अंग्रेजों ने जेल में बदल दिया था। जेल में उन स्वतंत्रता सेनानियों को प्रताड़ना के लिए लाया जाता था, जो देश को आजादी दिलाने के लिए पूरे भारत में स्वतंत्रता की लड़ाई लड़ रहे थे। इस दौरान कई सेनानियों ने अपनी जान गंवाई तो कई को अंग्रेजों ने गिरफ्तार कर प्रताड़ित किया था। करीब 30 से 32 स्वतंत्रता सेनानियों को जोधपुर जेल से निकालकर काला पानी की सजा देने के लिए माचिया किले में 1942 से 1943 के बीच आठ महीनों तक भयंकर प्रताड़ना दी गई। उस दौरान स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों को उनसे मिलने नहीं देते थे। कुछ परिजनों को 10 फीट की दूरी और छोटे-छोटे झरोखे से कुछ मिनट बात करने दी जाती थी। शेखावत ने बताया कि वर्तमान में करीब तीन लाख पर्यटक प्रतिवर्ष आ रहे हैं। इस ऐतिहासिक स्थल को पवित्र तीर्थस्थल की तरह विकसित कर देश-विदेश के पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनाया जाएगा। गौरतलब है कि माचिया किले में स्वतंत्रता सेनानियों को जहां यातनाएं दी गई थीं, वहां तस्वीरें तो लगी हुई हैं, लेकिन किले के द्वार केवल 15 अगस्त और 26 जनवरी को खुलते हैं।

कार्यों की समीक्षा

पाली, (नि.सं.)। जिला कलेक्टर एलएन मंत्री के निर्देशानुसार सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में अतिरिक्त जिला कलक्टर डॉ बजरंग सिंह की अध्यक्षता में साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में डॉ सिंह ने गत सप्ताह में हुये कामो की प्रगति की समीक्षा करते हुये विभागीय कामों योजनाओं में प्रगति लाने के निर्देश दिये।

बैठक में उन्होंने बजट घोषणाओं में बकाया कामों की विभागवार प्रगति की जानकारी ली साथ ही हरियालो राजस्थान की प्रगति व मानसून बाढ बचाव आपदा राहत कामों की जानकारी लेकर संबधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। साथ ही बैठक में बरसात में क्षतिग्रस्त सडकों की मरम्मत के लिये व जल भराव क्षेत्रों से जल निकासी के बारे में संबधी विभागों को आवश्यक निर्देश दिये।

मुझे लगता है कि ज्यादातर खिलाड़ियों को टेस्ट मैचों के लिए टी20, आईपीएल या वनडे में उनके प्रदर्शन के आधार पर चुना जाता है। बहुत कम खिलाड़ी ऐसे होते हैं जिन्हें रणजी मैचों में उनके प्रदर्शन के आधार पर चुना जाता है। - चेतेश्वर पुजारा

भारतीय खिलाड़ी, क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने की घोषणा करते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

आर. प्रज्ञानंनदा

फिडे की सितंबर 2025 महीने की रैंकिंग जारी हो गई है। इस दौरान भारत के स्टार खिलाड़ी आर प्रज्ञानंनदा ने अपने करियर के सर्वोच्च रैंकिंग हासिल की है। प्रज्ञानंनदा 2785 के साथ चौथे नंबर पर पहुंचकर भारत के सर्वोच्च रेटिंग वाले क्लासिकल खिलाड़ी का खिताब अपने नाम किया है। यह बढ़त सिंकफील्ड कप में उनके दूसरे स्थान पर रहने से और भी बढ़ गई है। इससे पहले अगस्त में उनकी रेटिंग 6 अंक की थी। वहीं इस रैंकिंग में एक बार फिर नॉर्वे के खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन टॉप पर हैं। हालांकि, अब चैंपियन नहीं है।

क्या आप जानते हैं ?... जयसूर्या ने एशिया कप में सबसे ज्यादा 6 शतक लगाए हैं। दूसरे नंबर पर विराट कोहली हैं, लेकिन कोहली इस साल टी-20 संन्यास लेने की वजह से एशिया कप में नहीं खेलेंगे।

रोहित, गिल और बुमराह ने पास किया फिटनेस टेस्ट

नई दिल्ली, 1 सितंबर। प्री-सीजन फिटनेस टेस्ट में भारत के एशिया कप प्लेयर्स भी शामिल हुए। उप-कप्तान शुभमन गिल, जसप्रीत बुमराह, भी टेस्ट पूरा करके 1 में खेलने को तैयार हैं। मोहम्मद सिराज, यशस्वी जायसवाल, वॉशिंगटन सुंदर और शार्दुल ठाकुर ने भी फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है।

फिटनेस टेस्ट में 2 स्कैन भी हुआ प्री-फिटनेस टेस्ट में खिलाड़ियों के लिए यो-यो टेस्ट के साथ ड्यूल-एनर्जी एक्स-रे भी हुआ। 2 एक मेडिकल इमेजिंग टेस्ट है, जो कम डोज वाली एक्स-रे किरणों से हड्डियों की मजबूती, शरीर में फैट और मांसपेशियों की मात्रा मापता है। यह चोटों, खासकर फ्रैक्चर के जोखिम का पता लगाने में मदद करता है। रोहित, शार्दुल और सिराज के अलावा सभी प्लेयर्स एशिया कप में रोहित शर्मा, शार्दुल ठाकुर और मोहम्मद सिराज को छोड़कर, बाकी सभी खिलाड़ी जल्द ही दुबई के लिए रवाना होंगे, जहां एशिया कप 9 सितंबर से शुरू हो रहा है। भारत का पहला मैच 10 सितंबर को 1 के खिलाफ होगा।

टेस्ट कप्तान शुभमन गिल और रोहित शर्मा के लिए यह फिटनेस टेस्ट महत्वपूर्ण था। गिल हाल ही में इंग्लैंड दौरे के बाद बुखार के कारण दलीप ट्रॉफी से हट गए थे। जहां उन्हें नॉर्थ जोन का कप्तान बनाया गया था। दूसरी ओर, टेस्ट हुए वनडे से संन्यास ले चुके रोहित शर्मा को फिटनेस साबित करने के लिए यह टेस्ट देना जरुरी था। वे कुछ दिन और बेंगलुरु के 3 में ट्रेनिंग करेंगे।

रोहित मार्च से इंटरनेशनल क्रिकेट से दूर हैं। उन्होंने आखिरी इंटरनेशनल मैच 9 मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल खेला। इसमें उन्होंने 83 गेंदों पर 76 रन बनाए और उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

सोनी बेकर द. अफ्रीका के खिलाफ करेंगे अंतर्राष्ट्रीय एकदिवसीय क्रिकेट में डेब्यू

हेडिंग्ले, 1 सितंबर। हैम्पशायर के तेज गेंदबाज सोनी बेकर मंगलवार को दक्षिण अफ्रीका के साथ इंग्लैंड की एकदिवसीय श्रृंखला के पहले मैच से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करेंगे। 22 वर्षीय बेकर ने अब तक केवल 11 लिस्ट ए मैच खेले हैं, लेकिन हंड्रेड के दौरान उन्होंने शानदार प्रदर्शन कर सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। उन्होंने मैनचेस्टर ओरिजिनल्स के लिए 145 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करते हुए सात मैचों में नौ विकेट लिए। उन्होंने सर्दियों में लायंस के साथ प्रभावशाली प्रदर्शन किया और इस साल की शुरुआत में उन्हें इंग्लैंड का अनुबंध मिला। चैंपियंस ट्रॉफी के बाद अपना पहला एकदिवसीय मैच खेल रहे जोफ्रा आर्चर और ब्रायडन कार्से इंग्लैंड के तेज गेंदबाजी आक्रमण में उनके साथ शामिल होंगे। हैरी ब्रुक दूसरी श्रृंखला में एकादश की कप्तानी कर रहे हैं, जेमी स्मिथ और बेन डकेट अपनी सलामी जोड़ी बनाये रखा गया है। पहले एकदिवसीय मैच के लिए इंग्लैंड की एकादश इस प्रकार है:- जेमी स्मिथ, बेन डकेट, जो रूट, हैरी ब्रुक (कप्तान), जोस बटलर (विकेटकीपर), जैकब बेथेल, विल जैक्स, ब्रायडन कार्स, जोफ्रा आर्चर, आदिल राशिद और सन्नी बेकर।

दलीप ट्रॉफी 2025 फाइनल : विवाद के बाद बीसीसीआई का बड़ा फैसला, टेलीकास्ट होगा फाइनल मैच

नई दिल्ली, 1 सितंबर। दलीप ट्रॉफी 2025 के टेलीकास्ट को लेकर बीसीसीआई से फैंस नाराज हैं। लेकिन अब बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने पुष्टि की है कि दलीप ट्रॉफी 2025 का सीधा प्रसारण किया जाएगा। बता दें कि,बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सीओई में आयोजित क्वार्टर फाइनल 1 और 2 का न तो सीधा प्रसारण किया गया और ना ही लाइव स्ट्रीमिंग की गई। जिससे फैंस खासे नाराज हैं।

वहीं बता दें कि,दलीप ट्रॉफी का फाइनल 11- 14 सितंबर तक होना है। गौरतलब है कि देश के दूसरे सबसे प्रतिष्ठित घरेलू क्रिकेट टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल मैचों का ना तो सीधा प्रसारण किया गया और ना ही किसी प्लेटफॉर्म पर इसकी कोई हाईलाइट दिखाई गई जिस कारण फैंस काफी नाराज हुए। क्वार्टर फाइनल में देश के कई सितारें भी मैदान पर उतरे थें जिनका प्रदर्शन फैंस देखना चाहते थे जो कि नहीं हो पाया।

बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने बताया कि बोर्ड का प्रसारणकर्ता के साथ एक समझौता हुआ है जिसके तहत 100 दिनों के घरेलू क्रिकेट को कवर किया जाएगा। उन्होंने दावा किया है कि घरेलू क्रिकेट को अत्यधिक महत्व देता है और यही कारण है कि ज्यादातर भारतीय खिलाड़ी इन टूर्नामेंटों में भाग लेते हैं। दलीप ट्रॉफी फाइनल का सीधा प्रसारण होगा।

सूत्रों के अनुसार,बीसीसीआई का प्रसारणकर्ता के साथ अनुबंध भारतीय क्रिकेट के प्रसारण के लिए केवल एक निश्चित संख्या में दिनों की अनुमति देता है। सूत्र ने ये भी बताया कि दलीप ट्रॉफी फाइनल के अलावा किसी भी मैच का प्रसारण या लाइव स्ट्रीमिंग नहीं की जाएगी। बीसीसीआई का अपने आधिकारिक प्रसारणकर्ता के साथ भारतीय क्रिकेट के प्रसारण के लिए एक निश्चित संख्या में दिनों का अनुबंध है। इनका प्रबंधन सावधानी पूर्वक करना होता है।

आईसीसी ने महिला एकदिवसीय विश्व कप के लिए पुरस्कार राशि में चार गुना वृद्धि की

दुबई, 1 सितंबर। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए भारत में 30 सितंबर से दो नवंबर तक होने वाले आगामी महिला एकदिवसीय विश्वकप के लिए पुरस्कार राशि में चार गुना से अधिक की वृद्धि की है। आईसीसी द्वारा आज की गई घोषणा के अनुसार, न्यूजीलैंड में 2022 में खेले गए इस टूर्नामेंट के पिछले संस्करण में कुल पुरस्कार राशि 35 लाख अमेरिकी डॉलर थी। जिसे इस बार बढ़ाकर कुल 138.8 लाख अमेरिकी डॉलर (करीब 117.74 करोड़ रुपये) कर दिया है। यह राशि 2023 में होने वाले पुरुष एकदिवसीय विश्व कप के लिए निर्धारित पुरस्कार राशि एक करोड़ अमेरिकी डॉलर (लगभग 88 करोड़ रुपये) से भी अधिक है।

आईसीसी के अध्यक्ष जय शाह ने कहा, यह घोषणा महिला क्रिकेट के सफर में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। पुरस्कार राशि में यह चार गुना वृद्धि महिला क्रिकेट के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है और इसके दीर्घकालिक विकास के प्रति हमारी स्पष्ट प्रतिबद्धता को दर्शाती है। हमारा संदेश सरल है, महिला क्रिकेटरों को यह पता होना चाहिए कि अगर वे इस खेल को पेशेवर रूप से चुनेंगी तो उनके साथ पुरुषों के समान व्यवहार किया जाएगा। आईसीसी ने टूर्नामेंट के प्रत्येक चरण के लिए पुरस्कार राशि में भी वृद्धि की है।

विश्वकप विजेता को अब 44.8 लाख अमेरिकी डॉलर (करीब 39.42 करोड़ रुपये) मिलेंगे। यह 2022 में ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम को मिली 13.2 लाख अमेरिकी डॉलर (11.62 करोड़ रुपये) की राशि से दोगुना से अधिक है। उपविजेता टीम को 22.4 लाख अमेरिकी डॉलर (लगभग 19.71 करोड़ रुपये) मिलेंगे। हारने वाले दोनों सेमीफाइनलिस्टों को 11.2 लाख अमेरिकी डॉलर (9.86 करोड़ रुपये) मिलेंगे।

ग्रुप-स्टेज में प्रत्येक जीत के लिए विजेताओं को 34,314 अमेरिकी डॉलर (30.2 लाख रुपये) मिलेंगे। पांचवें और छठे स्थान पर रहने वाली टीमों को सात लाख अमेरिकी डॉलर (करीब 6.16 करोड़ रुपये) मिलेंगे, जबकि सातवें और आठवें स्थान पर रहने वाली टीमों को 2,80,000 अमेरिकी डॉलर (लगभग 2.46 करोड़ रुपये) मिलेंगे। प्रत्येक भाग लेने वाली टीम को 2,50,000 अमेरिकी डॉलर (करीब 2.20 करोड़ रुपये) की राशि की गारंटी दी गई है। आठ टीमों का यह प्रमुख टूर्नामेंट 30 सितंबर से भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा।

सबालेंका, जोकोविच, अल्काराज यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में

न्यूयॉर्क, 1 सितंबर। विश्व की नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका, सर्बियाई टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच और स्पेन के दिग्गज कार्लोस अल्काराज ने अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्ज कर यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। लुइस आर्मस्ट्रांग स्टेडियम में एकल वर्ग के मुकाबले में सबालेंका ने स्पेन की क्रिस्टीना बुक्सा को 6-1, 6-4 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया।

दक्षिण कोरिया ने बांग्लादेश को, मलेशिया ने चीनी ताइपे को हराया

राजगीर (बिहार), 1 सितंबर। दक्षिण कोरिया ने सोमवार को बंगलादेश को हराकर एशिया कप के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। वहीं मलेशिया की टीम ने चीनी ताइपे को एकतरफा मुकाबले में 15-0 से रौंदा। आज यहां बिहार स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी हॉकी स्टेडियम, खेले गये क्वार्टर फाइनल के ग्रुप बी में दक्षिण कोरिया ने बंगलादेश को 5-1 के विशाल अंतर से पराजित कर सुपर फोर में अपनी जगह पक्की कर ली है। मैच की शुरुआत से ही दक्षिण कोरियाई टीम ने अपनी आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया। टीम के स्टार खिलाड़ी डेन सोन ने शानदार मैदानी गोल दागकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। इसके दो मिनट बाद ही कोरिया ने पेनाल्टी कॉर्नर पर गोल दागकर टीम की बढ़त को दोगुना कर दिया। इसके बाद दूसरे क्वार्टर में भी दक्षिण कोरिया का दबदबा बना रखा। 16वें मिनट में सिंगबू ली ने मैदानी गोल दागकर स्कोर 3-0 कर दिया।

जेआरपीसी ने जीती गोल्डन पीकॉक ट्रॉफी

जयपुर, 1 सितम्बर। गोल्डन पीकॉक ट्रॉफी - ग्रैंड फिनाले जेआरपीसी मानसून पोलो सीज़न का समापन एक नाटकीय मुकाबले के साथ हुआ, जहाँ अप्रत्याशित मौसम के कारण एक रोमांचक पेनल्टी शूटआउट हुआ। दबाव और तेज़ बारिश के बीच, टीम जेआरपीसी ने अपना धैर्य बनाए रखा और सटीकता और संयम के साथ जीत हासिल की। विजेता टीम में सवीर, दिव्यमान, मेजर किरण और बलबीर शामिल थे, जिनके तालमेल और कौशल ने मैदान को जगमगा दिया। संयुक्त उपविजेता रही टीम जाजू पोलो: ध्रुवपाल, अमित, स्वास्तिक और टीम संरक्षक सूरज जाजू ओर टीम तोपची: लेफ्टिनेंट कर्नल गौतम, कैप्टन प्रिंसपाल, हवलदार इरफान और गनर लाल सिंह मेजर किरण गोले को विशेष सलाम, जिन्हें उनके उत्कृष्ट नेतृत्व और मैदान पर निरंतर शानदार प्रदर्शन के लिए सीज़न के सबसे मूल्यवान खिलाड़ी का पुरस्कार दिया गया। मानसून पोलो सीज़न के समापन के साथ, अब जेआरपीसी में विंटर पोलो की भव्यता और ऊर्जा का बेसब्री से इंतज़ार के साथ यह विरासत जारी रहेगी।

जेमी ओवरटन ने टेस्ट क्रिकेट से लिया ब्रेक

लंदन, 1 सितंबर। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ऑराउंडर जेमी ओवरटन ने सोमवार को शारीरिक क्षमता का हवाला देते हुए टेस्ट क्रिकेट से अनिश्चितकालीन ब्रेक लेने की घोषणा की। जेमी ओवरटन ने आज सोशल मीडिया मंच पर अपनी पोस्ट में लिखा, काफी सोच-विचार के बाद, मैंने लाल गेंद वाले क्रिकेट से अनिश्चितकालीन ब्रेक लेने का फैसला किया है। मैं खुद को बेहद भाग्यशाली मानता हूं कि मैंने इंग्लैंड के लिए दो टेस्ट मैचों सहित 99 प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं।

उन्होंने कहा, लाल गेंद वाले प्रथम श्रेणी क्रिकेट ने मेरे पेशेवर करियर की नींव रखी है और अब तक मुझे खेल में मिले हर अवसर का प्रवेश द्वार रहा है।

8वीं सीनियर राज्य स्तरीय बॉल बैडमिंटन प्रतियोगिता

पुरुष एवं महिला वर्गों में बीकानेर टीम रही विजेता

जयपुर, 1 सितम्बर। राजस्थान बॉल बैडमिंटन संघ एवं कोटा जिला बॉल बैडमिंटन संघ के द्वारा 8वीं सीनियर राज्य स्तरीय बॉल बैडमिंटन प्रतियोगिता (पुरुष एवं महिला वर्ग) का आयोजन दिनांक 29 अगस्त से 31 अगस्त 2025 तक महाराव उम्मेदसिंह स्टेडियम, कोटा में आयोजित किया गया। राजस्थान बॉल बैडमिंटन संघ के महासचिव के अनुसार रविवार को पुरुष वर्ग में पहला सेमीफइनल मैच में बीकानेर ने कोटा को हराया और दूसरे सेमीफइनल मैच में चूरू ने टोंक को हरा कर फाइनल में प्रवेश किया। फ़ाइनल मैच में बीकानेर ने चूरू को सीधे सेटों में 35-21, 35-20 पॉइंट्स से हराया और विजेता रहा।

महिला वर्ग में पहला सेमीफइनल मैच में बीकानेर ने जयपुर को हराया और दूसरे सेमीफइनल मैच में चूरू ने चित्तौरगढ़ को हरा कर फाइनल में प्रवेश किया। फ़ाइनल मैच में बीकानेर ने चूरू को तीन सेटों के संघर्षपूर्ण मुकाबले में 33-35, 35-20, 35 -29 पॉइंट्स से हराया और लगातार पांचवी बार ख़िताब पर कब्ज़ा किया। तृतीत स्थान पर पुरुष वर्ग में टोंक एवं कोटा रहे एवं महिला वर्ग में जयपुर एवं चित्तौरगढ़ रहें।

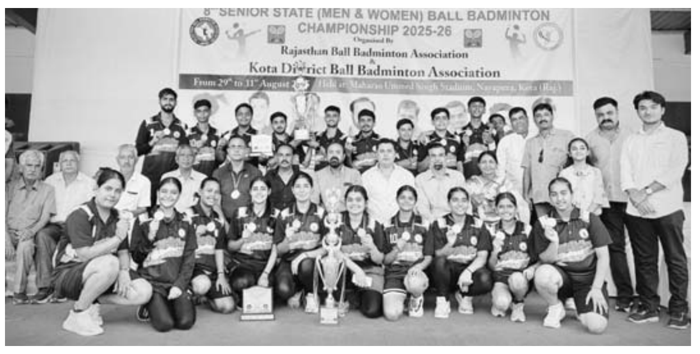

प्रतियोगिता के अंतिम परिणाम

पुरुष वर्ग में बीकानेर प्रथम, चूरू द्वितीय, टोंक और कोटा तृतीय स्थान पर रहें। महिला वर्ग में बीकानेर प्रथम, चूरू द्वितीय, जयपुर एवं चित्तौरगढ़ तृतीय स्थान पर रहें। प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी महिला वर्ग में बीकानेर से सलोनी और पुरुष वर्ग में बीकानेर से सिद्धार्थ रहें एवं सर्वश्रेष्ठ उभरते खिलाडी महिला वर्ग में चूरू से विभा एवं पुरुष वर्ग में चूरू से राजकुमार रहें। समापन समारोह में मुख्य अतिथि पूर्व शहरी विकास एवं आवास मंत्री,राजस्थान सरकार एवं वर्तमान कोटा उत्तर से विधायक शांति धारीवाल रहें। उन्होंने फ़ाइनल खेलने वाली टीमों से परिचय प्राप्त किया और सभी विजेता, उपविजेता एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली टीमों के खिलाड़ियों पुरस्कार एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। राजस्थान बॉल बैडमिंटन संघ के अध्यक्ष डॉ. राजपाल शर्मा, महासचिव शौकत अली मन्सूरी, कोषाध्यक्ष लक्ष्मीकांत शर्मा ने विजेता एवं उपविजेता टीमों को बधाई एवं शुभकामनायें दी।

आर्यमन सिंधिया एमपीसीए के अध्यक्ष चुने गये

नई दिल्ली, 1 सितंबर। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के बेटे और ग्वालियर संभाग क्रिकेट संघ (जीडीसीए) के उपाध्यक्ष महान आर्यमन सिंधिया को मध्यप्रदेश क्रिकेट संघ (एमपीसीए) का निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया है। इसके साथ ही, ग्वालियर के पूर्व राजघराने की तीसरी पीढ़ी के 29 वर्षीय वंशज के सूबे के क्रिकेट संगठन की कमान संभालने का रास्ता साफ हो गया है। महान आर्यमन वर्ष 1957 में स्थापित एमपीसीए के इतिहास के सबसे युवा अध्यक्ष के रूप में इस संगठन की बागडोर संभालने के लिए तैयार हैं। एमपीसीए के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (सीएओ) रोहित पंडित ने सोमवार को 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि एमपीसीए चुनावों में अध्यक्ष सहित कार्यकारिणी के सभी पदों पर निर्विरोध निर्वाचन हुआ और इस तरह पूरी कार्यकारिणी सर्वसम्मति से चुन ली गई है। उन्होंने बताया कि एमपीसीए की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी पर दो सितंबर (मंगलवार) को आयोजित वार्षिक साधारण सभा (एजीएम) में अंतिम मुहर लग जाएगी जिसके बाद कार्यकारिणी के पदाधिकारी अपना कार्यभार संभालेंगे। पंडित ने बताया कि एमपीसीए की नयी कार्यकारिणी में विनीत सेठिया उपाध्यक्ष, सुधीर असनानी सचिव, अरुंधति किरकिरे संयुक्त सचिव और संजीव दुआ कोषाध्यक्ष चुने गए हैं। उन्होंने बताया कि एमपीसीए की प्रबंध समिति के नवनिर्वाचित सदस्यों में संध्या अग्रवाल, प्रसून कनमड़ीकर, राजीव रिसोड़कर और विजेश राणा शामिल हैं, वहीं क्रिकेट समिति में प्रदीप बनर्जी, रमणीक पटेल और अभय लघाटे को जगह दी गई है। एमपीसीए के निवर्तमान अध्यक्ष अभिलाष खांडेकर ने पीटीआई- से कहा, पिछले छह साल के दौरान एमपीसीए ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं। मुझे उम्मीद है कि महान आर्यमन सिंधिया के नेतृत्व वाली नवनिर्वाचित कार्यकारिणी एमपीसीए को नयी ऊंचाइयों पर ले जाएगी। क्रिकेट के गलियारों में महान आर्यमन की सक्रियता गुजरे तीन सालों में लगातार बढ़ती देखी गई है। महान आर्यमन 2022 में जीडीसीए के उपाध्यक्ष नियुक्त किए गए थे। उन्हें 2022 में ही एमपीसीए का आजीवन सदस्य बनाया गया था। महान आर्यमन सूबे की टी20 क्रिकेट लीग मध्यप्रदेश लीग के अध्यक्ष भी हैं। उन्होंने 2024 में अपने गृहनगर ग्वालियर से एमपीएल की शुरुआत की थी। वैसे सिंधिया परिवार लम्बे वक्त से सूबे के क्रिकेट प्रशासन में है और एमपीसीए पर इस परिवार का पिछले कई दशकों से वर्चस्व बरकरार है।

गोल्ड मेडल इंडियन जूनियर ओपन स्क्वैश

राजस्थान के डेढ़ दर्जन से ज्यादा खिलाड़ी क्वालीफायर के दूसरे दौर में

जयपुर, 1 सितम्बर। श्लोक सोमानी, हविश खेतान, सम्यक शाह, ध्रुव सोनी और समर देवरवाल समेत राजस्थान डेढ़ दर्जन से ज्यादा खिलाड़ियों ने सोमवार को यहां शुरू हुए गोल्ड मेडल इंडियन जूनियर ओपन स्क्वैश टूर्नामेंट के क्वालिफायर के दूसरे राउण्ड में प्रवेश कर लिया। क्वालिफायर के पहले राउण्ड में श्लोक सोमानी ने समवेग सिंह बैद को 3-0 से, हविश खेतान ने दिवित गलुंडिया को 3-0 से, सम्यक शाह ने युवराजदित्य सिंह को 3-1 से, ध्रुव सोनी ने ज्योतिरादित्य प्रधान को 3-0 से और समर देवरवाल ने चिन्मय अग्रवाल को 3-0 से पराजित कर दूसरे राउण्ड में प्रवेश किया।

पहले दिन खेले क्वालिफायर के पहले दौर के अन्य मुकाबलों में नैतिक बुन्देला ने माधव खण्डेलवाल को 3-0 से, गौरव जैन ने जय मल्होत्रा को 3-0 से, नैविद्य जैन ने शहरयार नफीस को 3-0 से, सिद्धांत मुर्जानी ने ऋदव बैद को 3-0 से, प्रथम चौधरी ने रिधान जैन को 3-0 से, कबीर आर्या ने वीर लायल को 3-0 से, अमय महाजन ने अभय मिर्धा को 3-0 से, अध्रितवर्धन शर्मा ने आर्जव जैन को 3-0, करण मक्कड़ ने निवान को 3-0, विवान सांड ने यशवीर चौधरी को 3-0 से, कीरथ ग्रोवर ने जिन्नी शाह मलानी को 3-0 से, रिशान जालोरी ने जैत्र धूत को 3-0 से हरा अगले राउण्ड में प्रवेश किया। स्क्वैश रैकेट फेडरेशन ऑफ इंडिया की उपाध्यक्ष सुरभि मिश्रा के अनुसार क्वालिफायर के दूसरे और तीसरे दौर के मुकाबले 2 और 3 सितम्बर को खेले जाएंगे और 3 सितम्बर को सायं से मुख्य ड्रॉ के मैच शुरू होंगे।

राज्य सीनियर महिला टी-20 टीम के संभावितों का प्रशिक्षण शिविर कल से

जयपुर, 1 सितम्बर। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2025-26 की सीनियर महिला टी 20 क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान टीम के संभावितों का प्रशिक्षण शिविर आगामी 3 सितम्वर 2025 से जयपुर में आयोजित होगा। संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार राजस्थान महिला चयन कमेटी ने आरसीए द्वारा आयोजित राज्य सीनियर वीमेन 20 ट्रॉफी व वीमेन टी 20 चैलेंजर ट्रॉफी में प्रदर्शन के आधार पर राज्य सीनियर वीमेन टीम के संभावितों के प्रशिक्षण शिविर हेतु खिलाडियों का चयन किया।राज्य सीनियर महिला टी 20 टीम के संभावितों का प्रशिक्षण शिविर आगामी 3-15 सितम्बर 2025 के दौरान जयपुर में आयोजित होगा। प्रशिक्षण शिविर हेतु चयनित खिलाडी :-आयुषी गर्ग, सुमित्रा जाट, डिंपल कँवर, चंद्र ज्योत्सना भाटी, आरजू, कंचन हुड्डा, संगीता कुमावत, तनूजा वैष्णव, सिद्धि पवन शर्मा, सुमन मीणा, ज्योति चौधरी, उषा परेरिया, सोनल कलाल, शानू सेन, कौशल्या चौधरी, अक्षिता माहेश्वरी, प्रीती कपूर, बबिता मीणा, अर्चना सैनी, गंगा, भावना मीणा, अर्चना योगी, याना वर्मा, प्रियांशी चौधरी, वृंदा शर्मा, प्रिया यादव, रिज़ा शेख, अंशु सैनी।

आरसीए एडहॉक कमेटी के प्रयासों से 19 साल बाद आरसीए अकादमी स्थित जिम का कायाकल्प : डी.डी. कुमावत

जयपुर, 1 सितम्बर। राजस्थान क्रिकेट संघ के सवाई मान सिंह स्टेडियम स्थित आरसीए अकादमी परिसर में स्थापित जिम को लम्बे समय के बाद खिलाडियों के शारीरिक प्रशिक्षण की आवश्यकताओं के अनुरूप पुनः सुचारु रूप उपलब्ध कराने हेतु आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के निर्देशानुसार आरसीए जिम के सभी उपकरणों के मेंटिनेंस कार्य को पूर्ण किया गया साथ ही जिम के रेनोवेशन के कार्य को पूरा कर आज एडहॉक संयोजक डी डी कुमावत , सदस्य आशीष तिवाड़ी व पूर्व टेस्ट खिलाडी पंकज सिंह व राजस्थान रणजी टीम के पूर्व कप्तान राहुल कांवट ने आरसीए जिम का उद्धघाटन किया।

सयोजक डी डी कुमावत के अनुसार पिछले लम्बे समय से खिलाडियों द्वारा समय समय पर आरसीए को जिम के उपकरणो की मेंटिनेंस व जिम की ख़राब स्थिति की जानकरी दे जारहे थी जिसपर पूर्व में कोई कार्यवाही नहीं को गयी थी , जब से हमारी नवगठित एडहॉक कमेटी ने कार्यभार संभाला है हमारा प्रयास है की हम राज्य के युवा खिलाडियों को उच्च स्तर पर खेल वातावरण व सुविधाएं उपलबध कराएं जिससे उन्हें बेहतर प्रशिक्षण प्राप्त हो। इसे कड़ी में हमने आरसीए के जिम के उपकरणों की मेंटिनेंस व रेनोवेशन के कार्य को प्राथमिकता देते हुए उसे खिलाडियों के प्रशिक्षण हेतु पुनः रेनोवेट कर खिलाडियों को प्रशिक्षण हेतु सुपुर्द किया। सदस्य आशीष तिवाड़ी ने कहा की हम लगातार खेल सुविधाओं के विकास व विस्तार हेतु कार्य कर रहे है व आज से आरसीए जे जिम को राज्य के युवा खिलाडियों की शारीरक प्रशिक्षण की आवश्यकता के अनुसार खिलाडियों के उपयोग हेतु उपलब्ध कराया जा रहा है। पूर्व टेस्ट खिलाडी व आरसीए पुरुष टीमों मेंटर पंकज सिंह व पूर्व रणजी कप्तान व आरसीए सीनियर चयन कमेटी चेयरमैन राहुल कांवट ने आरसीए एडहॉक कमेटी द्वारा आरसीए जिम के उपकरणों के मेंटिनेंस व रिनोवेशन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा की जिम के उपकरणों की मेंटिनेंस व रेनोवेशन से न केवल राज्य के युवा खिलाडियों को उच्च स्तरीय जिम की सुविधा प्राप्त होगी साथ ही जिम में प्रशिक्षित ट्रेनर के निर्देशन में खिलाडियों की शारीरिक क्षमता में भी इजाफा होगा जिसका लाभ उनके प्रदर्शन में भी देखने को मिलेगा।

राष्ट्रीय सीनियर रणजी ट्रॉफी का प्रशिक्षण शिविर नाथद्वारा में

आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार बीसीसीआई की आगामी राष्ट्रिय सीनियर रणजी ट्रॉफी में भाग लेने वाली राजस्थान टीम के संभावितों का प्रशिक्षण शिविर नाथद्वारा के मदन पालीवाल (मिराज) स्टेडियम पर आयोजित किया जायेगा। संयोजक के अनुसार राजस्थान टीम को रणजी ट्रॉफी की पूर्व तैयारियों हेतु उच्च स्तरीय प्रशिक्षण सुविधाएं व खेल मैदान उपलब्ध कराने हेतु आरसीए एडहॉक कमेटी पूर्ण रूप से प्रयासरत है व हमारा पूर्ण प्रयास है की राजस्थान का प्रतिनिधित्व करने वाले संभावित खिलाडियों को बेहतर से बेहतर प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध हो जिससे राज्य के प्रतिभावान खिलाडियों को बीसीसीआई की राष्ट्रिय प्रतियोगिताओं की तैयारियां हेतु शानदार खेल वातावरण मिले।

'संकट की घड़ी में राजस्थान, हरियाणा व पंजाब के साथ है'

मुख्यमंत्री भजन लाल ने हरियाणा व पंजाब के मुख्यमंत्रियों को फोन पर राहत व बचाव में पूरे सहयोग का विश्वास दिलाया

- **मुख्यमंत्री भजन लाल ने राजस्थान के सीमावर्ती जिलों के प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश दिये कि चिकित्सा तथा अन्य आवश्यक सहायता हरियाणा व पंजाब के प्रभावित क्षेत्रों तक पहुंचायें।**

जयपुर, 1 सितम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को हरियाणा और पंजाब के मुख्यमंत्रियों से दूरभाष पर वार्ता कर दोनों राज्यों में अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों के लिए हरसंभव सहयोग देने का भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार आपदा की इस घड़ी में संवेदनशीलता और तत्परता के साथ दोनों पड़ोसी राज्यों के साथ खड़ी है।

मुख्यमंत्री शर्मा ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ हरियाणा के प्रभावित जिलों और पंजाब के फाजिल्का, फिरोजपुर सहित अन्य क्षेत्रों में सतलज, व्यास और रावी नदियों में बढ़ते जल स्तर से उत्पन्न हालात पर विस्तृत चर्चा की।

उन्होंने राहत एवं बचाव कार्यों की स्थिति, जलभराव से हुए नुकसान और प्रभावित नागरिकों की सहायता के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने राजस्थान के सीमावर्ती जिलों के प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे चिकित्सा सुविधा सहित हर प्रकार की आवश्यक सहायता हरियाणा और पंजाब के प्रभावित क्षेत्रों तक पहुंचाएं।

इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों को भी निर्देश दिए कि वे राहत कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाएं और प्रभावित लोगों को शीघ्र सहायता उपलब्ध कराएं।

वाणिज्यिक एलपीजी के दाम घटे

नयी दिल्ली, 01 सितंबर। तेल विपणन कंपनियों ने सोमवार से वाणिज्यिक इस्तेमाल वाले रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में कटौती की है।

वहीं, 19 किलोग्राम वाले वाणिज्यिक गैस सिलेंडर के दाम 51.50 रुपये तक घटाये गये हैं। अप्रैल से अब तक लगातार छठी बार इसमें कटौती की गयी है जबकि घरेलू रसोई गैस उपभोक्ताओं को अप्रैल के बाद राहत नहीं मिली है।

दिल्ली और चेन्नई में वाणिज्यिक रसोई गैस सिलेंडर 51.50 रुपये सस्ता होकर क्रमशः 1,580 रुपये और 1,738 रुपये का हो गया है। कोलकाता में यह 50.50 रुपये और मुंबई में 51 रुपये सस्ता हुआ है। आज से कोलकाता में वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर 1,684 रुपये का और मुंबई में 1,531.50 रुपये का मिलेगा। इंडियन आयल कॉरपोरेशन ने विमान ईंधन सस्ता होने की जानकारी भी दी गई।

बीकानेर में साढ़े पांच इंच वर्षा, कोटगेट पर वाहन बहे

शहर के कई मार्गों पर दो-तीन फीट पानी भरा, पी. बी. एम. अस्पताल के वॉर्ड तक पानी आया

- **पंचशती सर्किल एरिया में कारें दो-तीन फीट तक पानी में डूबीं। किसी गाड़ी की नंबर प्लेट गायब हो गई, किसी कार के अंदर पानी भर गया।**

बीकानेर, (निसं)। यहां रविवार को हुई तेज बारिश से पूरे शहर में पानी भर गया। क्षेत्र के गांवों में भी जमकर बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार, बीकानेर में साढ़े पांच इंच बारिश हुई। शहर में कई मार्गों पर दो-तीन फीट तक पानी एकत्र हो गया, तो कई जगह सड़क हादसे भी हुए। गनीमत है कि अब तक किसी के हताहत होने की रिपोर्ट नहीं है।

जानकारी के अनुसार, बीकानेर में शाम को भी बारिश हुई और तो करीब आधा घंटे तक जारी रही। बारिश इतनी तेज थी कि कोटगेट पर खड़े वाहन बह गए। पानी का बहाव इतना तेज था कि लोगों को कोटगेट के दरवाजे पकड़ कर खड़ा होना पड़ा। वहीं, ढोला मारु होटल से पंचशती सर्किल के बीच कारें तैरने लगीं। पब्लिक पार्क, कलेक्ट्री, केईएम रोड, रानी बाजार, रेलवे स्टेशन व डाक बंगले के पास भी भारी मात्रा में पानी एकत्र हो गया। पीबीएम अस्पताल के वार्ड तक में पानी आ गया।

जवाहर नगर में आशीर्वाद नर्सिंग होम के पास गजनेर की ओर से आ रही एक कार पलट गई। कई बार पलटते हुए यह कार बिजली के खंभे से जा टकराई, जिससे बिजली का खंभा बीच में से टूट गया। गनीमत रही कि उस वक्त बिजली बंद थी और कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। इस कार में तीन युवक सवार थे, जिसमें एक को गंभीर चोट आई। इन लोगों ने जैसे-तैसे बाहर निकलकर अपनी जान बचाई।

करमीसर रोड पर भी एक स्कॉर्पियो गाड़ी पलट गई। प्रत्यक्षदर्शी योगेश व्यास ने बताया कि ये स्कोर्पियो तेज गति से आई और डिवाइडर पर चढ़ गई। हालांकि इस हादसे में भी किसी को ज्यादा चोट नहीं पहुंची। बीकानेर के पंचशती सर्किल एरिया में एक कार दो से तीन फीट तक डूब गई। किसी की गाड़ी की नंबर प्लेट गायब हो गई तो किसी की कार में पानी घुस गया। बीकानेर के जूनागढ़ के आगे बारिश आते ही तालाब बन जाता है। हर बार की तरह इस बार भी जेसीबी मशीन खड़ी करके रास्ता रोक दिया गया है। जिस कलेक्टरी पर पूरे शहर को आपदा से बचाने की जिम्मेदारी है, वहां भी पानी भरा रहा।

विधानसभा के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

"राजस्थान कोचिंग सेंटर नियंत्रण और विनियमन विधेयक" को मार्च 2025 में बजट सत्र के दौरान इस पर व्यापक चर्चा के बाद प्रवर समिति के पास भेजा गया था। अब समिति ने अपनी रिपोर्ट सिफारिशों के साथ सदन में प्रस्तुत कर दी है। उपमुख्यमंत्री डॉक्टर प्रेमचंद बैरवा ने इस रिपोर्ट को सदन में पेश किया और सरकार मानसून सत्र के दौरान इस विधेयक को पारित कराने की दिशा में गंभीर है।

बाड़मेर से निर्दलीय विधायक रविन्द्र सिंह भाटी "खेजड़ी बचाओ" के पोस्टर लेकर विधानसभा पहुंचे। उन्होंने सरकार से मांग की कि खेजड़ी के पेड़ों को बचाने के लिए एक ठोस और प्रभावी कानून लाया जाए।

सत्र की शुरुआत हमेशा की तरह श्रद्धांजलि सभा से हुई, जहां दिवंगत नेताओं और देशभर की विभिन्न घटनाओं में जान गंवाने वाले नागरिकों को याद किया गया। पूर्व राज्यपाल ला. गणेशन, सत्यपाल मलिक, झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन और केरल के पूर्व मुख्यमंत्री वी.एस. अच्युतानंदन को श्रद्धांजलि दी गई। इसके अलावा, आतंकी घटनाओं और प्राकृतिक आपदाओं में मारे गए लोगों की स्मृति में दो मिनट का मौन भी रखा गया।

हालांकि इस श्रद्धांजलि सभा के दौरान भी विवाद उत्पन्न हुआ, जब नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने झालावाड़ स्कूल हादसे में मारे गए मासूम बच्चों को श्रद्धांजलि न दिए जाने पर सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने इसे "मानवता के खिलाफ" बताते हुए कहा कि जब देशभर की घटनाओं को याद किया जा रहा है, तब राजस्थान की एक बड़ी त्रासदी को नजरअंदाज करना बेहद शर्मनाक है।

सत्र के दौरान युवा वर्ग से जुड़ा एक और अहम मुद्दा उठा – एसआई भर्ती विवाद। इस मामले पर जवाब देते हुए गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने सदन को आश्वस्त किया कि सरकार हाईकोर्ट के आदेश का विधिक परीक्षण कर रही है और जल्द ही स्थिति स्पष्ट की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार दोषियों को कतई नहीं बख्शेगी, लेकिन यह भी सुनिश्चित करेगी कि निर्दोष उम्मीदवारों को किसी तरह की परेशानी न हो।

जोधपुर में तीन इंच वर्षा, रेलवे स्टेशन के बाहर व भीतर पानी भरा

मथुरादास माथुर अस्पताल व महात्मा गांधी अस्पताल के परिसरों में पानी भरा

- **जिला कलेक्टर ने तत्काल प्रभाव से जोधपुर जिले के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में छुट्टी घोषित की तथा ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों को आदेश की पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।**

जोधपुर, 1 सितम्बर (कासं)। शहर में रविवार रात से शुरू हुई मूसलाधार बारिश सोमवार सुबह तक रुक-रुक कर जारी रही, जिससे शहर का जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। मौसम विभाग के अनुसार, सोमवार सुबह 8.30 बजे तक जोधपुर में तीन इंच बारिश हुई। शहर की प्रमुख सड़कों पर एक से दो फीट पानी भर गया। मथुरादास माथुर और महात्मा गांधी अस्पताल परिसर में पानी भर गया। अस्पताल के मुख्य द्वार पर भी पानी जमा हो गया। वहीं, रेलवे स्टेशन के बाहर और भीतर भी पानी जमा हो गया।

बारिश के कारण जिला कलेक्टर ने तत्काल प्रभाव से जोधपुर जिले के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी। कलेक्टर ने सभी मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों को अपने क्षेत्र के सभी विद्यालयों में इस आदेश का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

लगातार बारिश के चलते शहर के कई हिस्सों में पानी भर गया। बनाड़ रोड, रमजानजी का हत्था, सरदारपुरा, चौपासनी रोड, नेहरू पार्क, माता का थान चौराहा, चांदपोल से सूरसागर की ओर जाने वाले रास्तों पर पानी भर गया, जिससे यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ। मथुरादास माथुर अस्पताल के सामने, रेलवे स्टेशन और शास्त्री नगर इलाके में भी पानी भरने की समस्या देखने को मिली। लगातार बारिश से शहर की कई सड़कें पानी में डूब गईं। बारिश को देखते हुए प्रशासन और नगर निगम अलर्ट मोड पर हैं। रातभर हुई बारिश ने जोधपुर शहर को जलमग्न कर दिया। गनीमत रही कि बारिश रात में हुई, जब आवाजाही कम थी, वरना भारी नुकसान हो सकता था।

आरपीएससी सदस्य डॉ. मंजू शर्मा ने इस्तीफा दिया

अजमेर, 1 सितंबर (कास)। राजस्थान लोक सेवा आयोग की सदस्य डॉ. मंजू शर्मा ने अपने पद से स्वैच्छिक इस्तीफ़ा दे दिया है और राज्यपाल को भेज दिया है। उनके इस्तीफ़े का सीधा संबंध हाल ही में एसआई भर्ती परीक्षा को लेकर अदालत द्वारा की गई टिप्पणियों से जुड़ा है।

अपने त्यागपत्र में डॉ. मंजू शर्मा ने लिखा है, "मैंने अपना पूरा कार्यकारी व निजी जीवन अत्यन्त पारदर्शिता व ईमानदारी से काम करते हुए व्यतीत किया है, किंतु गत दिनों एक भर्ती प्रक्रिया में उत्पन्न हुए विवाद के कारण मेरी व्यक्तिगत प्रतिष्ठा एवं पूरे आयोग की गरिमा प्रभावित हुई है, जबकि मेरे विरुद्ध किसी भी पुलिस संस्थान अथवा किसी भी जाँच एजेंसी में न किसी प्रकार की कोई भी जाँच लंबित है और न ही मुझे किसी भी प्रकरण में कभी भी अभियुक्त माना गया है।" जानकारी के अनुसार, उनका कार्यकाल अभी अक्टूबर 2026 तक था।

'उपराष्ट्रपति का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नेताओं और सांसदों से व्यक्तिगत संपर्क कर उन्हें लोकतंत्र की रक्षा और संविधान की गरिमा बनाए रखने" के नाम पर समर्थन देने की अपील की है। यह अपील खासतौर पर आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में असरदार साबित हो रही है, जहाँ उन्हें दलीय सीमाओं के पार समर्थन मिलने की संभावना जताई जा रही है। भाजपा की उम्मीदें तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) प्रमुख एन. चंद्रबाबू नायडू पर टिकी हैं, जिनके पास लोकसभा में 16 सांसद हैं। न्यायमूर्ति रेड्डी के तेलुगू भाषी होने के नाते, नायडू पर उनका अच्छा-खासा प्रभाव माना जा रहा है और उन्होंने नायडू से व्यक्तिगत आधार पर समर्थन मांगा है। हालांकि नायडू ने पिछले हफ्ते भाजपा नेताओं के साथ हुई मीटिंग के बाद सार्वजनिक रूप से भाजपा उम्मीदवार का समर्थन करने की घोषणा की थी, लेकिन टीडीपी के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि वे पूरी तरह संतुष्ट नहीं हैं तथा सरकार द्वारा संविधान संशोधन विधेयक को जेपीसी को भेजे जाने के निर्णय पर वे अप्रसन्न बताये जाते हैं। जिसे उन्होंने "अनावश्यक और गलत समय पर उठाया गया कदम" बताया।

द्रमुक पहले ही भाजपा उम्मीदवार का विरोध करने की घोषणा कर चुकी है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी का रुख वैचारिक मतभेदों पर आधारित है, और उन्होंने "तमिल भावनाओं" से निर्णय के प्रभावित होने की अटकलों को खारिज कर दिया। दिलचस्प बात यह है कि अन्नाद्रमुक के कुछ राज्यसभा सांसदों ने भी न्यायमूर्ति रेड्डी को समर्थन का आश्वासन दिया है, जो दक्षिण भारतीय राजनीति में दुर्लभ गठजोड़ों की ओर संकेत करता है।

जहाँ बीआरएस प्रमुख के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) ने अभी तक अपनी स्थिति सार्वजनिक रूप से स्पष्ट नहीं की है, लेकिन अन्दरुनी सूत्रों के अनुसार, न्यायमूर्ति रेड्डी को उनसे सकारात्मक संकेत मिले हैं। तेलंगाना में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार मिलकर दक्षिण के सांसदों का अतिरिक्त समर्थन जुटाने की कोशिश कर रहे हैं। विश्लेषकों का मानना है कि न्यायमूर्ति रेड्डी की गैर-राजनीतिक पृष्ठभूमि और संवैधानिक मूल्यों पर ज़ोर उन्हें राधाकृष्णन के मुकाबले बढ़त दिला सकता है, जो भाजपा की वैचारिक पृष्ठभूमि से लम्बे समय से जुड़े हुए हैं। पिछले चुनावों की तुलना में, इस बार विपक्ष अधिक एकजुट नजर आ रहा है, जिससे क्रॉस-वोटिंग की संभावना कम मानी जा रही है, जो अक्सर विपक्षी उम्मीदवारों को नुकसान पहुंचाती रही है। आप ने भी, अपने लगभग 12 सांसदों के साथ, अधिकारिक रूप से रेड्डी को समर्थन देने की घोषणा की है।

लेकिन भाजपा अब भी संसद में अपनी संख्यात्मक बढ़त पर भरोसा जता रही है। लेकिन अंदरूनी असंतोष और क्षेत्रीय दलों के विपक्ष की ओर झुकाव की संभावना ने उपराष्ट्रपति पद का यह चुनाव असामान्य रूप से अनिश्चित बना दिया है। जैसा कि एक वरिष्ठ राजनीतिक विश्लेषक ने कहा: "यह केवल उपराष्ट्रपति की कुर्सी की लड़ाई नहीं है, बल्कि भाजपा की अपने सहयोगियों और अपने ही सांसदों पर पकड़ की भी असली परीक्षा है।

'जो जनता को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

था, "समाज में कुछ लोग ऐसे होने चाहिए, जो सरकार के खिलाफ अदालत में याचिका लगाएँ। इससे नेताओं में अनुशासन आता है, क्योंकि सरकार में मंत्री भी वह काम नहीं कर सकते, जो अदालत का आदेश करवा सकता है।

लोकप्रिय राजनीति नेताओं और मंत्रियों के रास्ते में बाधा डालती है।" पिछले साल मंत्री ने उन अवसरवादी नेताओं पर चिंता जताई थी, जो हमेशा सत्ताधारी दल के साथ जुड़े रहना चाहते हैं। उन्होंने कहा था कि विचारधारा में इस तरह की गिरावट लोकतंत्र के लिए अच्छी नहीं है।

गडकरी ने यह भी कहा था कि कुछ नेता अपनी विचारधारा पर अडिग रहते हैं, लेकिन उनकी संख्या धीरे-धीरे कम होती जा रही है। उन्होंने बिना नाम लिए मज़ाक में कहा था, मैं हमेशा मज़ाक में कहता हूँ कि चाहे किसी भी पार्टी की सरकार हो, एक बात तय है, जो अच्छा काम करता है, उसे कभी सम्मान नहीं मिलता और जो बुरा काम करते हैं, उन्हें कभी सज़ा नहीं मिलती।

एसआई पेपरलीक में राईका सहित 23 को जमानत मिली

- **हाईकोर्ट ने 30 अन्य आरोपियों को पेपरलीक से जुड़े गंभीर अपराध होने के कारण जमानत नहीं दी।**

जयपुर, 1 सितंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने एसआई भर्ती- 2021 पेपर लीक मामले में लंबे समय से जेल में बंद आरपीएससी के सदस्य रहे रामूराम राइका को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं। राइका के अलावा मामले से जुड़े 22 अन्य आरोपियों को भी अदालत ने जमानत दी है। लेकिन 30 अन्य आरोपियों पर पेपर लीक से जुड़े गंभीर अपराध होने के कारण जमानत नहीं दी गई। जस्टिस अशोक कुमार जैन की एकलपीठ ने कुल 53 जमानत याचिकाओं की सुनवाई कर ये आदेश दिए। फैसला सुनाते हुए दिए। अदालत ने सभी पक्षों की बहस सुनने के बाद गत 19 अगस्त को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। रामूराम राइका के अलावा जिन्हें जमानत दी गई है इनमें श्रवणराम, जयराज सिंह, सुनील कुमार बेनीवाल, मनीषा सिहाग, श्याम प्रताप सिंह, संतोष, इंदुबाला, लोकेश शर्मा, राजेन्द्र कुमार यादव, विमला, शैतानाराम, छम्मी बाई, मोनिका, अरुण शर्मा, अरुण कुमार प्रजापत, इंद्रा, दीपक, बुद्धीसागर उपाध्याय व एक अन्य शामिल हैं।

दिल्ली में यमुना किनारे बाढ़ की चेतावनी

- **दिल्ली में यमुना का जलस्तर 205 मीटर रिकॉर्ड किया गया**
- **जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा, स्थिति नियंत्रण में है घबराने की जरूरत नहीं है, सरकार पूरी तरह मुस्तैद है।**

नयी दिल्ली, 01 सितंबर। दिल्ली और आसपास के इलाकों में भारी बारिश के कारण सोमवार को यमुना नदी का जलस्तर तेजी से चढ़ा है, जिसे देखते हुए सरकार ने नदी किनारे बाढ़ की चेतावनी जारी की है।

केन्द्रीय जल आयोग से अनुसार, आज रात आठ बजे पुराने रेलवे पुल पर यमुना का स्तर 205.03 मीटर रिकॉर्ड किया गया। अगले 24 घंटे में इसके बढ़ कर 206.41 मीटर पर पहुंचने की आशंका है। यहां खतरे का स्तर 205.33 मीटर है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने लोगों को आश्वस्त किया है कि दिल्ली सरकार और बाढ़ से जुड़े संबंधित विभाग पूरी तरह से मुस्तैद हैं। उन्होंने कहा कि हर परिस्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। बांधों के सभी गेट खुले हैं और कहीं भी पानी रुक नहीं रहा है। पानी का जितना तेज़ी से बहाव आ रहा है, उतनी ही तेज़ी से आगे भी निकल रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा के हथिनी कुंड बैराज से जितना पानी छोड़ा गया है, उससे अनुमान है कि इस बार जलस्तर 207 मीटर या उससे थोड़ा ऊपर तक जा सकता है। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है और घबराने की आवश्यकता नहीं है। बाढ़ से जुड़ी किसी भी प्रकार की समस्या आने पर तुरंत कार्रवाई की जायेगी। गुप्ता ने कहा कि यमुना के किनारे फ्लड प्लेन में पानी पहुंचना स्वाभाविक है, क्योंकि वह नदी का प्राकृतिक हिस्सा है। इसके अलावा, बाहरी इलाकों में पानी के फैलने की आशंका नहीं है। उन्होंने नागरिकों को आश्वस्त किया कि सरकार उनकी सुरक्षा के लिए पूरी तरह तत्पर है और सभी अधिकारी हर घंटे की रिपोर्ट ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि संबंधित विभागों ने पहले से ही व्यापक तैयारी कर रखी है। पिछले छह महीने में जिस तरह से यमुना और नालों की डी-सिल्टिंग का काम किया गया है, उसका बड़ा लाभ मिला है। मुख्यमंत्री ने यमुना तलहटी में बसे लोगों से अपील की है कि वे सावधानी बरतें और प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन करें।

'वोट चोरी का खुलासा एटम बम है, अगला खुलासा हाइड्रोजन बम होगा'

- **राहुल गांधी ने बिहार में वोट अधिकार यात्रा के समापन पर जल्दी ही नया खुलासा करने की घोषणा की। उन्होंने यात्रा की सफलता के लिए बिहार की जनता का धन्यवाद किया।**

पटना, 01 सितंबर। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने आज कहा कि अभी तक हुआ वोट चोरी का खुलासा तो एटम बम था लेकिन अब आगे जिस खुलासे को उनकी पार्टी सामने लाने वाली है, वह हाइड्रोजन बम होगा, जिसके बाद चुनाव आयोग और भाजपा मुंह दिखाने लायक नहीं रहेंगे। गांधी ने बिहार में सोमवार को समाप्त हुई वोटर अधिकार यात्रा के समापन समारोह में कहा कि जिन शक्तियों ने महात्मा गांधी की हत्या की थी, वही अब बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर के संविधान की हत्या करना चाहते हैं। गांधी ने बिहार के लोगो को उत्साह से वोटर अधिकार यात्रा में भाग लेने और देश की राजनीति को नई दिशा देने के लिए धन्यवाद दिया।

बांसवाड़ा में 16 ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को स्कूल गई थी। स्कूल से घर लौटने के लिए ऑटो के इंतजार में खड़ी थी। तभी बाइक पर दो लड़के आए। एक लड़का उसके ही स्कूल का पूर्व छात्र था। उसने लड़की को बाइक पर घर छोड़ने की बात कही, लेकिन लड़की ने मना कर दिया।

इस पर दोनों लड़के उसे जबरन उठाकर ले गए। दोनों लड़कों ने शराब पीकर रेप किया और मारपीट की और उसके प्राइवेट पार्ट में बोतल डाल दी, जिससे वह बेहोश हो गई। 21अगस्त को उसे पीपलखूंट क्षेत्र में फेंककर भाग गए। पीड़िता को बांसवाडा से गंभीर हालत में एमबी हॉस्पिटल ले जाया गया, जहाँ उसकी सर्जरी की गई। एमबी हॉस्पिटल अधीक्षक डॉ. आरएल सुमन के अनुसार, बच्ची बुरी हालत में आई थी, उसकी हालत ठीक नहीं थी। आते ही उसका ऑपरेशन किया गया। अब उसे वार्ड में शिफ्ट किया है। पुलिस ने बताया कि मामले में एक नाबालिग को डिटेन किया है।

अफगानिस्तान...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के नूरग्राम ज़िले में चार लोगों के घायल होने की सूचना है। पंजशीर के अबशार ज़िले में पाँच घर नष्ट हो गए, लेकिन किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

शिक्षक भर्ती ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करते हुए विशेष लोक अभियोजक भंवर सिंह चौहान ने कहा कि आरोपी शिक्षक भर्ती के प्रश्न पत्र को लीक करने में मुख्य भागीदार रहा है। वह राजस्थान लोक सेवा आयोग जैसे प्रतिष्ठित संस्थान का सदस्य था और उसे इस प्रतियोगी परीक्षा का प्रश्न पत्र बनाने का दायित्व सौंपा गया था। अभियोजन पक्ष के पास आरोपी के खिलाफ अपराध करने के पर्याप्त साक्ष्य मौजूद हैं। उसके खिलाफ इस प्रकरण के अलावा, तीन अन्य प्रकरण भी दर्ज हैं। उसे जमानत नहीं दी जाए। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने आरोपी की जमानत अर्जी खारिज कर दी।

मोदी, शी व ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है कि उनकी सरकार छोटे उद्यमियों, किसानों और पशुपालकों की रक्षा करेगी। संसद के हालिया मानसून सत्र में वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने दोनों सदनों को बताया कि सरकार टैरिफ के प्रभाव का मूल्यांकन कर रही है और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगी।

भारत और अमेरिका ने इस वर्ष मार्च 2025 में एक संतुलित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर बातचीत शुरू की थी, जिसका पहला चरण अक्टूबर-नवंबर 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

भारत ही नहीं, वरन् कैनडा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रणनीति कह सकते हैं। सीधे प्रतिबंध या औपचारिक बहिष्कार के बजाय, भारत उपभोक्ता भावना को नियंत्रित और प्रेरित कर रहा है।

पहला कदम है राष्ट्रवादी उपभोक्ता जागरूकता। 'मेक इन इंडिया' और 'वोकल फॉर लोकल' जैसे अभियानों को अब देशी ब्रांडों की ओर खरीदारी को मोड़ने के लिए फिर से तैयार किया जा रहा है। सूक्ष्म संदेश अमूल को कोका-कोला के मुकाबले, कैफे कॉफी डे को स्टारबक्स के मुकाबले, और रूपे को मास्टरकार्ड के मुकाबले खड़ा करते हैं-जहाँ गर्व और मूल्य दोनों का सहारा लिया जा रहा है। भले ही यह बदलाव आंशिक हो, यह प्रतिरोध का संकेत है।

दूसरा, भारत अमेरिकी कंपनियों के खिलाफ नीतिगत उपायों का उपयोग कर रहा है। डिजिटल सेवा कर, डेटा स्थानीयकरण के कड़े नियम, और ओ एन डी सी जैसी घरेलू प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने जैसे उपकरण, अमेरिकी कंपनियों का नाम लिए बिना, बाज़ार संतुलन को फिर से स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं। इससे ये उपाय उपभोक्ता हितैषी और संप्रभुता समर्थक लगते हैं, न कि बदले की भावना से प्रेरित।

तीसरा, वित्तीय विकल्पों को बढ़ावा देना है। भारतीय रिज़र्व बैंक का लंबे समय से चल रहा प्रयास-रूपे और यूपीआई लेनदेन को बढ़ावा देना-अब आर्थिक राष्ट्रवाद के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। जब कोई भारतीय रूपे कार्ड का उपयोग करता है, तो वह एक चुपचाप विरोध का कार्य करता है।

चौथा, प्रतीकात्मक व्यापारिक जवाब चुने गए हैं। हर्ली-डेविडसन मोटरसाइकिलों, कैलिफ़ोर्नियाई बादामों या केंटकी बॉर्बन जैसे उत्पादों, जो अमेरिका की सांस्कृतिक पहचान है, पर बाजार में इनकी सीमित पहुंच है, पर शुल्क बढ़ाकर, भारत वॉशिंगटन को प्रतीकात्मक तौर पर झटका दे रहा है, बिना अपने उपभोक्ताओं को प्रभावित किए। अंततः, नैरेटिव का ढांचा बहुत महत्वपूर्ण है। इन कदमों को प्रतिशोध की बजाय 'आत्मनिर्भर भारत' की दिशा में उठाए गए कदमों के रूप में प्रस्तुत करके, भारत ने ओछी राजनीति करने के आरोप से खुद को बचाया लेकिन जनता के गुस्से को रचनात्मक दिशा दी है। उपभोक्ताओं से कहा जाता है कि वे बहिष्कार नहीं कर रहे, बल्कि आत्मनिर्भरता की पुष्टि कर रहे हैं-एक सशक्तिकरण का संदेश, जिसकी ऐतिहासिक जड़ें बहुत गहरी हैं।

अमेरिकी आर्थिक दबाव और दोहरे मापदंडों के खिलाफ यह बहिष्कार लहर केवल एक तात्कालिक प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि एक गहरे असंतोष का संकेत है। पेरिस से पंजाब तक, उपभोक्ता अमेरिकी वर्चस्व की कीमत पर पुनर्विचार कर रहे हैं। भारत में ट्रंप के टैरिफ उल्टा असर कर सकते हैं: नई दिल्ली को घेरने की बजाय, उन्होंने आर्थिक राष्ट्रवाद को हवा दे दी है और अमेरिकी बहुराष्ट्रीय कंपनियों पर निर्भरता को कम करने के प्रयासों को गति दी है।

यह कोई अल्पकालिक उबाल नहीं, बल्कि एक संरचनात्मक परिवर्तन की शुरुआत हो सकती है। अगर 146 करोड़ भारतीय, कैनडा और यूरोप के करोड़ों उपभोक्ताओं की तरह, अमेरिकी उत्पादों की खरीद में आंशिक रूप से भी कटौती करें, तो इसका संयुक्त प्रभाव गहरा हो सकता है। जो शुरुआत ट्रंप की टैरिफ चाल से हुई थी, वह शायद दशकों में अमेरिकी आर्थिक शक्ति के खिलाफ सबसे बड़ा उपभोक्ता-नेतृत्व वाला प्रतिरोध बन जाए।

शंघाई कोऑपरेशन ग्रुप ने अपने अधिकृत प्रस्ताव में पहलगाम के आतंकवादी हमले को धिक्कारा

इसे भारत की कूटनीतिक सफलता माना जाता है, पर इसे पूर्ण सफलता भी नहीं माना जा सकता क्योंकि प्रस्ताव में इस आतंकवादी हमले में पाकिस्तान की भूमिका कोई जिक्र नहीं हुआ

- **यहां यह स्मरण करने योग्य है, कि गत 26 जून की एस.सी.ओ. की रक्षा मंत्रियों की बैठक में भारत के रक्षा मंत्री ने बैठक के बाद संयुक्त वक्तव्य पर हस्ताक्षर करने से इन्कार कर दिया था, क्योंकि बैठक के बाद अधिकृत रुप से जारी प्रस्ताव में पहलगाम के आतंकवादी हमले का कोई जिक्र भी नहीं किया गया था, जबकि, पाकिस्तान में हुई आतंकवादी हिंसक घटनाओं का विवरण दिया गया था।**

तियानजिन, 01 सितंबर। चीन में हुई एससीओ की बैठक में एक तरफ पाकिस्तान को कड़ी शिकस्त मिली है, तो वहीं भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत हुई है। बैठक खत्म होने के बाद शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के राष्ट्राध्यक्षों ने जो घोषणापत्र जारी किया है, उसमें भारत के जम्मू-कश्मीर में हुए पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा की गई, हालांकि पाकिस्तान का नाम नहीं लिया गया। इस घटनाक्रम को पाकिस्तान के लिए फजीहत के तौर पर देखा जा रहा है। वहीं, भारत के लिए यह बड़ी बात है कि जिस मंच पर रूस और चीन जैसे दिग्गज देशों के राष्ट्राध्यक्ष मौजूद थे, वहां पाकिस्तान के सामने ही पहलगाम हमले की निंदा करते हुए आतंक के खिलाफ लड़ाई लड़ने का संकल्प लिया गया।

एससीओ की बैठक के बाद आज सभी सदस्य देशों ने साझा घोषणापत्र जारी किया। इसमें कहा गया कि एससीओ के सभी सदस्य देश पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। घोषणापत्र में यह भी कहा गया कि सभी सदस्य देशों की मृतकों और घायलों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना हैं। यह भी कहा गया कि ऐसे आतंकी हमलों के दोषियों और मदद करने वालों को न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए। एससीओ ने अपने स्टेटमेंट में आगे कहा कि सदस्य देश आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों की कड़ी निंदा करते हैं। सबसे अहम बात यह है कि जो बात भारत लंबे समय से कहता आया है, वह भी एससीओ के घोषणापत्र में है। भारत कहता आया है कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में दोहरे मापदंड नहीं होने चाहिए। एससीओ के घोषणापत्र में भी यह लाइन दर्ज की गई है कि सभी सदस्य देश अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से आतंकवादियों की सीमा पार गतिविधियों सहित, आतंकवाद का मुकाबला करने का आव्हान करते हैं। एससीओ के घोषणा पत्र में कहा गया कि इस हमले के अपराधियों, आयोजकों और उन्हें समर्थन देने वालों को सजा दिलाना जरूरी है। ज्ञातव्य है कि इस साल 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने 26 पर्यटकों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। गौरतलब है कि इससे पहले जून में हुई रक्षा मंत्रियों की बैठक के दौरान, एससीओ के घोषणापत्र में पहलगाम हमले का जिक्र भी नहीं था। इसे लेकर भारत ने नाराजगी जताई थी। साथ ही इस पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया था।

भारत ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने अफगानिस्तान में आए भयंकर भूकंप पर दुख जताया और कहा भारत से हर सभंव सहायता दी जाएगी।

डा.जयशंकर ने सोमवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, आज अफ़ग़ानिस्तान के विदेश मंत्री मौलवी अमीर ख़ान मुत्तक़ी से बात की। भूकंप में हुई जान-माल की हानि पर अपनी संवेदना व्यक्त की। भारत ने आज काबुल में 1000 परिवारों के लिए तंबू पहुँचाए हैं।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः 2386031, 2386032, फैक्सः0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालयः आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालयः राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्सः 01562-256908